



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 75] प्रयागराज, शनिवार, 20 फरवरी, 2021 ई० (फाल्गुन 1, 1942 शक संवत्) [संख्या 8

### विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य		रु०			रु०
भाग 1—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	239—270	3075	भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	195—221	1500	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय			भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये		975
भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण	..	975	भाग 6—क—भारतीय संसद के ऐक्ट		
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड क—नगरपालिका परिषद्, खण्ड ख—नगर पंचायत, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	43—46	975	भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		
			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
			भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट		975
			भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	..	
			भाग 8—सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	273—296	975
			स्टोर्स—पंचेज विभाग का क्रोड़ पत्र	..	1425

**भाग 1**

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

**न्याय विभाग**

[नियुक्तियां]

अनुभाग-3

नियुक्ति

22 जनवरी, 2021 ई0

सं0 एन-08/सात-न्याय-3-21-924(41)/90—नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 53, सन् 1952) की धारा 3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय श्रीमती रिचा मिश्रा, अधिवक्ता को दिनांक 22 जनवरी, 2021 से पांच वर्ष की अवधि के लिए जनपद कानपुर नगर में नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रूल्स 1956 के नियम 8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते हैं कि उक्त श्रीमती रिचा मिश्रा, अधिवक्ता का नाम उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन रखे गये नोटरी रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाय।

आज्ञा से,  
प्रमोद कुमार श्रीवास्तव-II,  
प्रमुख सचिव,  
न्याय एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification **no. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**, dated January 22, 2021 for general information :

**No. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**

*January 22, 2021*

In exercise of the powers under section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act no. 53, 1952), the Governor is pleased to appoint Smt. Richa Mishra, Advocate as Notary for District Kanpur Nagar for a period of five years with effect from January 22, 2021 and exercise of the powers under sub-rule (4) of Rule 8 of the Notaries Rules, 1956 also direct the name of Smt. Richa Mishra, Advocate to be entered in the register of Notaries maintained under section 4 of the said Act.

By order,  
PRAMOD KUMAR SRIVASTAVA-II,  
*Principal Secretary,*  
*Judicial & Legal Remembrancer.*

सं0 एन-08/सात-न्याय-3-21-924(41)/90—नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 53, सन् 1952) की धारा 3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय सुश्री रानी कन्नौजिया, अधिवक्ता को दिनांक 22 जनवरी, 2021 से पांच वर्ष की अवधि के लिए जनपद कानपुर नगर में नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रूल्स 1956 के नियम 8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते हैं कि उक्त सुश्री रानी कन्नौजिया, अधिवक्ता का नाम उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन रखे गये नोटरी रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाय।

आज्ञा से,  
प्रमोद कुमार श्रीवास्तव-II,  
प्रमुख सचिव,  
न्याय एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification **no. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**, dated January 22, 2021 for general information :

**No. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**

*January 22, 2021*

In exercise of the powers under section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act no. 53, 1952), the Governor is pleased to appoint Miss Rani Kanaujiya, Advocate as Notary for District Kanpur Nagar for a period of five years with effect from January 22, 2021 and exercise of the powers under sub-rule (4) of Rule 8 of the Notaries Rules, 1956 also direct the name of Miss Rani Kanaujiya, Advocate to be entered in the register of Notaries maintained under section 4 of the said Act.

By order,  
PRAMOD KUMAR SRIVASTAVA-II,  
*Principal Secretary,*  
*Judicial & Legal Remembrancer.*

सं० एन-08/सात-न्याय-3-21-924(41)/90—नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 53, सन् 1952) की धारा 3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय श्री विनोद कुमार दीक्षित, अधिवक्ता को दिनांक 22 जनवरी, 2021 से पांच वर्ष की अवधि के लिए जनपद कानपुर नगर में नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रूल्स 1956 के नियम 8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते हैं कि उक्त श्री विनोद कुमार दीक्षित, अधिवक्ता का नाम उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन रखे गये नोटरी रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाय।

आज्ञा से,  
प्रमोद कुमार श्रीवास्तव-II,  
प्रमुख सचिव,  
न्याय एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification **no. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**, dated January 22, 2021 for general information :

**No. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**

*January 22, 2021*

In exercise of the powers under section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act no. 53, 1952), the Governor is pleased to appoint Sri Vinod Kumar Dixit, Advocate as Notary for District Kanpur Nagar for a period of five years with effect from January 22, 2021 and exercise of the powers under sub-rule (4) of Rule 8 of the Notaries Rules, 1956 also direct the name of Sri Vinod Kumar Dixit, Advocate to be entered in the register of Notaries maintained under section 4 of the said Act.

By order,  
PRAMOD KUMAR SRIVASTAVA-II,  
*Principal Secretary,*  
*Judicial & Legal Remembrancer.*

सं० एन-08/सात-न्याय-3-21-924(41)/90—नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 53, सन् 1952) की धारा 3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय श्री अखिलेश कुमार गुप्ता, अधिवक्ता को दिनांक 22 जनवरी, 2021 से पांच वर्ष की अवधि के लिए जनपद कानपुर नगर में नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रूल्स 1956 के नियम 8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते हैं कि उक्त श्री अखिलेश

कुमार गुप्ता, अधिवक्ता का नाम उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन रखे गये नोटरी रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाय।

आज्ञा से,  
प्रमोद कुमार श्रीवास्तव-II,  
प्रमुख सचिव,  
न्याय एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification **no. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**, dated January 22, 2021 for general information :

**No. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**

*January 22, 2021*

In exercise of the powers under section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act no. 53, 1952), the Governor is pleased to appoint Sri Akhilesh Kumar Gupta, Advocate as Notary for District Kanpur Nagar for a period of five years with effect from January 22, 2021 and exercise of the powers under sub-rule (4) of Rule 8 of the Notaries Rules, 1956 also direct the name of Sri Akhilesh Kumar Gupta, Advocate to be entered in the register of Notaries maintained under section 4 of the said Act.

By order,  
PRAMOD KUMAR SRIVASTAVA-II,  
*Principal Secretary,*  
*Judicial & Legal Remembrancer.*

सं० एन-08/सात-न्याय-3-21-924(41)/90—नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 53, सन् 1952) की धारा 3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय श्री चन्द्र प्रकाश पाठक, अधिवक्ता को दिनांक 22 जनवरी, 2021 से पांच वर्ष की अवधि के लिए जनपद कानपुर नगर में नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रूल्स 1956 के नियम 8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते हैं कि उक्त श्री चन्द्र प्रकाश पाठक, अधिवक्ता का नाम उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन रखे गये नोटरी रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाय।

आज्ञा से,  
प्रमोद कुमार श्रीवास्तव-II,  
प्रमुख सचिव,  
न्याय एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification **no. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**, dated January 22, 2021 for general information :

**No. N-08/VII-Nyay-3-21-924(41)/90**

*January 22, 2021*

In exercise of the powers under section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act no. 53, 1952), the Governor is pleased to appoint Sri Chandra Prakash Pathak, Advocate as Notary for District Kanpur Nagar for a period of five years with effect from January 22, 2021 and exercise of the powers under sub-rule (4) of Rule 8 of the Notaries Rules, 1956 also direct the name of Sri Chandra Prakash Pathak, Advocate to be entered in the register of Notaries maintained under section 4 of the said Act.

By order,  
PRAMOD KUMAR SRIVASTAVA-II,  
*Principal Secretary,*  
*Judicial & Legal Remembrancer.*

**गृह विभाग**

[पुलिस सेवायें]

अनुभाग-1

प्रोन्नति

10 फरवरी, 2021 ई०

सं० 01/2021-I/50826/2021—उत्तर प्रदेश प्रान्तीय पुलिस सेवा संवर्ग में कार्यरत पुलिस उपाधीक्षक, साधारण वेतनमान (वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड पे रु० 5,400, पुनरीक्षित वेतनमान मैट्रिक्स पे-लेवल 10 रु० 56,100-1,77,500) में कार्यरत निम्नलिखित अधिकारियों को विभागीय चयन समिति की बैठक दिनांक 29 जनवरी, 2021 में सम्यक् विचारोपरान्त की गयी संस्तुति के अनुक्रम में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वर्तमान तैनाती के स्थान पर ही पुलिस उपाधीक्षक, ज्येष्ठ वेतनमान (वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड पे रु० 6,600, पुनरीक्षित वेतनमान मैट्रिक्स पे-लेवल 11 रु० 67,700-2,08,700) में प्रोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	ज्येष्ठता क्रमांक	आवंटन वर्ष
1	2	3	4
1	मो० मोहसिन खान	531	2013
2	श्री पीयूष कान्त राय	533	2013
3	श्री आलोक सिंह	535	2013
4	श्री ज्ञान प्रकाश राय	538	2013
5	श्री अभिनव यादव	539	2013
6	श्री अरविन्द कुमार वर्मा	540	2013
7	सुश्री श्वेता कुमारी यादव	542	2013
8	सुश्री मोनिका यादव	544	2013
9	श्री राम आशीष यादव	545	2013
10	श्री ओजस्वी चावला	550	2013
11	सुश्री वन्दना शर्मा	551	2013
12	सुश्री सलोनी अग्रवाल	552	2013
13	श्री राम करन	556	2013
14	श्री अवधेश कुमार पाण्डेय	592	2013
15	श्री पवन कुमार	595	2013
16	श्री अपूर्व मिश्र	597	2013
17	श्री ओम प्रकाश आर्या	598	2013
18	श्री शबीहुल हम्द	601	2013
19	श्री अजय भदौरिया	603	2013
20	श्री दिलीप सिंह	605	2013
21	श्री ब्रम्हपाल सिंह	608	2013
22	श्री मनोज कुमार विष्ट	612	2013
23	श्री संजय कुमार शर्मा	613	2013

1	2	3	4
24	श्री नन्दलाल	614	2013
25	श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह	615	2013
26	श्री सतीश कुमार	617	2013
27	श्री तौकीर अहमद	627	2013
28	श्री अशोक कुमार वर्मा	628	2013
29	श्री राम सेवक यादव	630	2013
30	श्री राघवेन्द्र सिंह राठौर	631	2013
31	श्री युद्धवीर सिंह	634	2013
32	श्री मुन्ना उपाध्याय	636	2013
33	श्री शबी हैदर	637	2013
34	श्री अशोक कुमार पाण्डेय	638	2013
35	श्री मंगल सिंह रावत	640	2013
36	श्री अजय कुमार	645	2013
37	श्री गुरमीत सिंह	646	2013

2—उपर्युक्त प्रोन्नत अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे तत्काल प्रोन्नति पद पर कार्यभार ग्रहण कर, कार्यभार प्रमाणक शासन एवं पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा अन्य सम्बन्धित को अविलम्ब उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

3—उपर्युक्त प्रोन्नत अधिकारियों की तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,  
अवनीश कुमार अवस्थी,  
अपर मुख्य सचिव।

अनुभाग-2

पदोन्नति

30 जनवरी, 2021 ई०

सं० 224/छ: पु०से०-2-21-522(104)/2019—श्री पंकज कुमार, आईपीएस-एसपीएस-2007, को भारतीय पुलिस सेवा का सेलेक्शन ग्रेड (वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-13, रु० 1,23,100-2,15,900) उनके कनिष्ठ अधिकारी (श्री गोपेश नाथ खन्ना, आईपीएस-एसपीएस-2007) को अनुमन्य किये जाने की तिथि 01 जनवरी, 2020 से अनुमन्य किये जाने की श्री राज्यपाल एतद्द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

31 जनवरी, 2021 ई०

सं० 225/छ: पु०से०-2-21-522(102)/2020—श्री पंकज कुमार, आईपीएस-एसपीएस-2007, को उनके कनिष्ठ अधिकारी (श्री अशोक कुमार-III, आईपीएस-एसपीएस-2007) की पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर (वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-13ए, रु० 1,31,100-2,16,600) प्रोन्नति की तिथि 01 जनवरी, 2021 से प्रोन्नति दिये जाने की श्री राज्यपाल एतद्द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,  
भगवान स्वरूप,  
सचिव।

## प्राविधिक शिक्षा विभाग

अनुभाग-2

नियुक्ति

19 जनवरी, 2021 ई0

सं0 49/सोलह-2-2021—प्राविधिक शिक्षा विभाग (डिप्लोमा सेक्टर) उ0प्र0 के अन्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक, उ0प्र0 में प्रवक्ता सिविल अभियंत्रण के 86 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित चयन के फलस्वरूप लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 की संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल, निम्नलिखित अभ्यर्थियों को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रवक्ता सिविल अभियंत्रण के पद पर वेतनमान रु0 15,600-39,100 ग्रेड वेतन रु0 5,400.00 में अस्थायी रूप से नियुक्ति करते हुये उनके नाम के सम्मुख अंकित संस्थाओं में तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :

क्र0 सं0	लोक सेवा आयोग का क्रमांक	अभ्यर्थियों का नाम	गृह जनपद	तैनाती स्थान
1	2	3	4	5
		सर्वश्री—		
1	1	रणधीर चौहान पुत्र श्री यशवन्त चौहान	म0नं0-3ख, बरौली सुल्तान सिंह, बरहत, तहसील-जखनियां, जिला गाजीपुर, उ0प्र0-233311	राज0 पाली0, केनौरा, लम्भुआ, सुल्तानपुर
2	3	नेहा पुत्री श्री भोला प्रसाद सिंह	प्रोफेसर कालोनी, दुर्गा स्थान, कटिहार, बिहार-854105	राज0 पाली0, शाहाबाद, रामपुर
3	4	सोनालिका मौर्या पुत्री अनिल कुमार मौर्या	205ए, परमानतपुर, उमरपुर, निकट- सपना आइसक्रीम फैक्ट्री, कचहरी, जौनपुर, उ0प्र0	रा0पा0, बैजपुर, भीटी, अम्बेडकरनगर
4	5	सिद्धार्थ जैन पुत्र श्री निर्मल जैन	बीच गलियारा, निकट आर्य समाज मन्दिर, थाना-सरधना, मेरठ, उ0प्र0- 250342	रा0पा0, चांगीपुर नूरपुर, बिजनौर
5	6	मनोज कुमार पुत्र श्री रमा शंकर सिंह	ग्राम बामपुर, माण्डारोड, प्रयागराज	राज0 पाली0, प्रेमधर पट्टी रानीगंज, प्रतापगढ़
6	7	चारु मिश्रा पुत्री श्री सुनील कुमार मिश्रा	ए किरन विला, यशोदा नगर, 128/2/86, कानपुर, उ0प्र0	राज0 पाली0, सिकन्दरा, कानपुर देहात
7	8	शुभेन्दु विक्रम सिंह पुत्र श्री अरविन्द कुमार सिंह	एफ-2240, राजाजीपुरम, लखनऊ, उ0प्र0-226017	मा0 कांशीराम रा0पा0, कन्नौज
8	9	रुचि सिंह पुत्री श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह	खानदेहा, मऊ, चित्रकूट, उ0प्र0- 210209	राज0 म0 पाली0, चरखारी, महोबा
9	10	दीप ज्योति सिंह पुत्री श्री जी0डी0 सिंह	बी-55ए, सेक्टर-09, न्यू विजय नगर, गाजियाबाद, उ0प्र0	रा0 पा0, कुताना, बड़ौत, बागपत

1	2	3	4	5
		सर्वश्री-		
10	11	दिवाकर नरौरिया पुत्र श्री सत्य प्रकाश नरौरिया	ग्राम व पोस्ट-सरायनीम, जलेसर, एटा, 85, उ0प्र0-207302	रा0 पा0, छाछा, भोगांव, मैनपुरी
11	12	मंजीत कुमार सिंह पुत्र श्री मदन कुमार सिंह	ग्राम आदमपुर, पोस्ट गोसांईपुर, तहसील व थाना सिकन्दरपुर, जिला बलिया, उ0प्र0-277303	रा0 पा0, चांगीपुर नूरपुर, बिजनौर
12	13	प्रतिभा पंडित पुत्री श्री कृष्ण मुरारी पंडित	इनसाइड सागर गेट, झांसी, उ0प्र0 43/2-284002	राज0 पाली0, सुमेरपुर, हमीरपुर
13	15	पवन मिश्रा पुत्र श्री दिनेश कुमार मिश्रा	ग्राम रिछावना, पोस्ट तिहाड़, जिला सीतापुर, उत्तर प्रदेश-261121	रा0 पाली, शाहाबाद, रामपुर
14	16	देवेश दत्त वर्मा पुत्र श्री ब्रम्हदत्त वर्मा	ग्राम बेरागीखेड़ा, पोस्ट पनधाया, जिला फतेहपुर उ0प्र0-212665	राज0 म0 पाली0, बभनी, रिसिया, नानपारा, बहराइच
15	17	विनीत कुमार मौर्य पुत्र श्री मुरली मौर्य	ग्राम मुकरीपुर, पोस्ट चांदवाक, जौनपुर, उ0प्र0	राज0 पाली0, बस्ती
16	19	विपुल वर्मा पुत्र श्री चन्द्र वर्मा	म0नं0-12, ग्राम व पोस्ट थारूपुर, तहसील हरैया, जिला बस्ती, उ0प्र0- 272129	राज0 पाली0, लखीमपुर, खीरी
17	20	सुश्री सुप्रिया पुत्र श्री सुरेश कुमार सचान	आवास संख्या 127/157 डब्लू0-1 ब्लॉक साकेत नगर, कानपुर, उत्तर प्रदेश-208014	राज0 पाली0, सिकन्दरा, कानपुर देहात
18	21	दीपक कुमार प्रजापति पुत्र श्री संतोष कुमार प्रजापति	कुशकुंज नगर, सी0ओ0डी0, गेट- चावली, आगरा, उ0प्र0	रा0पा0, मवाना खुर्द, मेरठ
19	22	सौरभ सोनकर पुत्र श्री रामकेश सोनकर	2सी/54, आवास विकास कालोनी, दौतलपुर, पा0 डेयपुर, वाराणसी, उ0प्र0	रा0पा0 सिकन्दरावा, एटा
20	23	मो0 शादाब सिद्दीकी पुत्र श्री हाफिज जलील अहमद सिद्दीकी	म0नं0-656/पी-075, फूलबाग कालोनी, नियर मस्जिद काबा, थाना गुडम्बा, कुर्सी रोड, लखनऊ, उ0प्र0- 226026	छत्रपति शाहूजी महाराज, रा0पा0, बलरामपुर
21	24	पीयूष कुमार मालवीय पुत्र श्री अरुण कुमार मालवीय	कियर ऑफ पीयूष कुमार मालवीय, चोपन रोड, विलेज-मरकुण्डी, थाना ओबरा, जिला सोनभद्र, उ0प्र0- 231219	राज0 पाली0, सुमेरपुर, हमीरपुर
22	25	सचिन कुमार गुप्ता पुत्र श्री ओम प्रकाश गुप्ता	II-161, गर्वनमेन्ट कालोनी, गोरा बाजार, रायबरेली, उ0प्र0-229001	राज0 म0 पाली0, बभनी, रिसिया, नानपारा, बहराइच
23	26	प्रदीप कुमार पुत्र श्री श्याम लाल सिंह	भूद कालोनी, अवध बिसलरी मिल, सीओहरा, बिजनौर, उ0प्र0-246746	रा0 पा0, जानसठ, मु0 नगर



1	2	3	4	5
		सर्वश्री-		
24	28	श्री अजय प्रताप मौर्य पुत्र श्री राम मनोरथ मौर्य	1/776, विकास नगर, थाना विकास नगर, जनपद लखनऊ, उत्तर प्रदेश	छत्रपति शाहूजी महाराज रा0पा0, बलरामपुर
25	29	तरुण कुमार पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ	ग्राम व पोस्ट डेहराटीका, थाना सिकरीगंजा, गोरखपुर, उ0प्र0- 273213	राज0 पाली0, पुरैना सदर, महाराजगंज
26	30	अश्वनी भाष्कर पुत्र श्री बालकृष्ण भाष्कर	म0नं0 9/972, इन्दिरा नगर, लखनऊ, उ0प्र0-226016	रा0 पा0, आलापुर पट्टीनन्द, दातागंज, बदायूं
27	31	सचिन कुमार शाक्य पुत्र श्री हरि कृष्ण शाक्य	ग्राम नगला मदारी, पोस्ट शरीफाबाद, तहसील छिबरामउ, जिला कन्नौज, उ0प्र0-209747	रा0 पा0, मवाना, खुर्द, मेरठ
28	35	रिन्कु कुमार पुत्र श्री छिद्दा लाल	म0नं0 157, न्यू आर्य नगर, मेरठ रोड, गाजियबाद, उ0प्र0-201001	रा0 पा0, मनकेडा (आगरा)
29	36	शहजाद अनवर पुत्र श्री अब्दुल कादिर	पक्का बाग, थांडी कोठी, संभल, उ0प्र0-244302	रा0 पा0, आलापुर पट्टीनन्द दातागंज, बदायूं
30	37	शुभम श्रीवास्तव पुत्र श्री आनन्द लाल श्रीवास्तव	के0 लाल हाउस, अकाथा अंश, 6/149-1, श्रीनगर कालोनी, बेनीपुर, पहाड़िया, सारनाथ, वाराणसी, उ0प्र0-221007	रा0 पा0 ,बरगढ़, चित्रकूट
31	38	संदीप त्रिपाठी पुत्र श्री सूर्यनाथ त्रिपाठी	डी0 कैलाशपुर, आलमबाग, लखनऊ-554/130, उ0प्र0-226005	रा0 पा0, गोण्डा
32	39	लोकेन्द्र कुमार पुत्र श्री नरेश सिंह	ग्राम मुकरपुर सत्ती, पोस्ट पवती, बिजनौर, उ0प्र0-246726	राज0 पाली0, चन्दौसी, सम्भल
33	40	शिल्पी सिंह राजपूत पुत्री श्री राम कुमार सिंह	569/653 वार्ड नंबर 16, अल्फा फार्म खाद गोदाम लेन, बारी गांव, एलडीए, लखनऊ, उ0प्र0-226012	राजकीय पॉलिटैक्निक कुर्सी रोड, फतेहपुर, बाराबंकी
34	41	श्री शशि कांत पांडे पुत्र श्री जय जय राम पांडे	ग्राम तिघरा खुर्द, पोस्ट गिरधरपुर, जिला गोरखपुर, उत्तर प्रदेश- 273413	राजकीय पॉलिटैक्निक, सिरसी घनधटा, संतकबीर नगर
35	42	सूरज कुमार पुत्र श्री प्रमोद कुमार	ग्राम आदरगढ़, पोस्ट सरसवा, तहसील नकुर, सहारनपुर, उ0प्र0- 247232	रा0 पा0, बिजनौर
36	43	गरिमा सिंह पुत्री श्री वीरेंद्र कुमार	ग्राम बहेरी कला, पोस्ट गौरी करण, थाना भोगनीपुर, जिला कानपुर देहात, उ0प्र0-209115	राजकीय पॉलिटैक्निक टुण्डला, फिरोजाबाद
37	44	अजीत सिंह यादव पुत्र श्री हीरालाल	म0नं0 556, मो0 गोराबाजार, निकट पानी की टंकी, पोस्ट पीर नगर, थाना कोतवाली गाजीपुर, जिला गाजीपुर, उ0प्र0-233001	रा0 पा0, लखीमपुर, खीरी

1	2	3	4	5
		सर्वश्री—		
38	45	अंजली तरार पुत्री श्री विनोद तरार	445, सिलावर, सिलावर शामली, उत्तर प्रदेश	रा0 पा0, अरनिया, बुलन्दशहर
39	46	सुमन्द कुमार वर्मा पुत्र श्री गिरजा शंकर वर्मा	नगर पंचायत कस्बा, संग्रामपुर उनवल, पोस्ट उनवल, थाना खजनी, गोरखपुर, उ0प्र0-273406	राजकीय पॉलिटेक्निक, सिरसी घनधटा, संतकबीर नगर
40	47	तृप्ति सोनकर पुत्री श्री वीरेन्द्र कुमार सोनकर	822 बी, बाघम्बरी गद्दी, नेह निकुंज, अल्लापुर, प्रयागराज, उ0प्र0-211006	राज0 पाली0, प्रेमधर पट्टी, रानीगंज, प्रतापगढ़
41	49	मुकेश कुमार पुत्र स्व0 रामधनी	ग्राम फरीदपुर, तप्पा हवेली, पोस्ट चाण्डीपुर खुर्द, थाना राजे सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, उ0प्र0- 224147	रा0 पा0, सिकन्दराराव एटा
42	51	अनुजेश प्रभात पुत्र श्री दीपचन्द्र	पौनी कला, मेहनगर, आजमगढ़, उ0प्र0	रा0 पा0 छाछा भोगांव, मैनपुरी
43	52	दीपेश सिंह पुत्र श्री जगराम	म0नं0 239, ग्राम चरेरा, पोस्ट पूरा बाजार, थाना महाराजगंज, अयोध्या, उ0प्र0-224171	रा0 पा0, मुजहना हाटा, कुशीनगर
44	53	श्री आदित्य कुमार पुत्र श्री सतीश कुमार सैनी	शिव कॉलोनी, बैंक ऑफ बड़ौदा के निकट, फतेहपुर भादो, पोस्ट छुटमलपुर, जनपद सहारनपुर, उत्तर प्रदेश-247662	राज0 पाली0, चन्दौसी, सम्भल
45	54	प्रीती वर्मा पुत्री श्री शैलेन्द्र कुमार	प्लॉट नं0 42, सिद्धार्थ नगर, रामपुरम, नियर-ओम प्रकाश फील्ड, श्याम नगर, कानपुर, उ0प्र0-208013	रा0 पा0, कोटवन, मथुरा
46	55	रुबी माथुर पुत्र श्री राम सिंह माथुर	मं0नं0 1901, गली नं0 10बी, राजा का बाग, मैनपुरी, उ0प्र0-225001	राज0 पाली0, सोरो
47	56	विजय कुमार सोनकर पुत्र श्री मेवालाल सोनकर	म0नं0 672, पुरानी तहसील, सहादतपुर, मऊ, उ0प्र0-275101	रा0 पा0, फतेहपुर
48	57	विशाल कुमार गौतम पुत्र श्री दिलीप कुमार गौतम	ग्राम दादूपुर, पोस्ट सेवईत, थाना सोराम, प्रयागराज, उ0प्र0-211013	एम0एम0आई0टी0, अलीगढ़
49	58	प्रेमचन्द्र पुत्र श्री राम प्रसाद	ग्राम प्रतापपुर, पोस्ट बंशी, थाना बंशी, सिद्धार्थ नगर, उ0प्र0-272153	एम0एम0आई0टी0, अलीगढ़
50	60	भूपेन्द्र पाल सिंह यादव पुत्र श्री राजपाल सिंह	बी-4, सिन्धू नगर, कृष्णा नगर, कानपुर रोड, लखनऊ, उ0प्र0- 226030	रा0 पा0, कोटवन, मथुरा
51	61	पुष्पेन्द्र कुमार पुत्र श्री कप्तान सिंह	ग्राम नगला, पीपल, पोस्ट जसराना, फिरोजाबाद, उ0प्र0-283136	एस0जी0एस0जे0 पालीटेक्निक, खुर्जा
52	62	मु0 अजहर नवाज पुत्र स्व0 मुमताज अहमद	मकान संख्या 61, मो0 आंखून खेलान निकट मस्जिद, ठेकेदार वाली, रामपुर, उत्तर प्रदेश-244901	रा0 पा0, कुताना बड़ौत, बागपत

1	2	3	4	5
		सर्वश्री—		
53	63	विपिन कुमार कनौजिया पुत्र श्री लच्छेलाल राम	म०नं० 358, ग्राम व पोस्ट छिछोर, थाना हलधरपुर, मऊ, उ०प्र०- 221706	राजमम० पाली, पुरैना सदर, महाराजगंज
54	64	सत्येन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री राम खिलावट	ग्राम व पोस्ट बड़ा गांव, थाना मसौली, जिला बाराबंकी उ०प्र०- 225204	मा० कांशीराम रा०पा०, कन्नौज
55	65	सत्य प्रकाश यादव पुत्र श्री राम शिरोमणि यादव	ग्राम व पोस्ट कडोर, सूरयावा, जिला संतरविदास नगर, भदोही, उ०प्र०	रा० पा०, देवरिया
56	67	गुलाब सिंह पुत्र श्री टूकी राम	537 ख/25/117 अम्बर विहार कालोनी फैजुल लागंज, सीतापुर रोड पोस्ट मुबारकपुर, लखनऊ, उ०प्र०-226013	रा० पा०, बहराइच
57	68	प्रशांत कुमार गुप्ता पुत्र श्री विशाल कुमार गुप्ता	मकान नंबर 244, ग्राम तथा पोस्ट दोहरिया बाजार, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश-273015	रा० पा०, मुजहना हाटा, कुशीनगर
58	69	निर्भय प्रताप विश्वकर्मा पुत्र श्री राम आसरे विश्वकर्मा	ग्राम कडौरा, पोस्ट अदलाबाद, प्रतापगढ़, उ०प्र०-230141	सावित्री बाई फुले राज० पाली०, आजमगढ़
59	70	जगमोहन कुमार पुत्र श्री शिवराज सिंह	मोहल्ला सराय फारूख, नगर पंचायत, अगवानपुर, थाना सिविल लाइन, जिला मुरादाबाद, उ०प्र०- 244504	रा० पा० डिबाई, बुलन्दशहर
60	73	राजेश कुमार राही पुत्र श्री राम दुलारे राही	587ए/11, गांधी नगर, तेलीबाग, लखनऊ, उ०प्र०-226025	रा० पा०, गोरखपुर
61	74	देवाशीष चन्द्रा पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह	पुत्र सुरेन्द्र सिंह, एडवोकेट, मोहल्ला नासिरपुर, भूमि संरक्षण कार्यालय के पीछे, फतेहपुर, उ०प्र०-212601	रा० पा० सिन्दूरिया राबर्टगंज, सोनभद्र
62	75	शिव प्रताप सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह	इन्द्रा नगर, गली नं० 03, खैर रोड, 10/88 तहसील कोल, अलीगढ़, उ०प्र०-202001	रा० पा० समदा सहसवान, बदायूं
63	76	बृज किशोर मौर्य पुत्र श्री मोहन सिंह मौर्य	5/182 ए, रामसुंदर सदन, रामनगर शाहगंज, आगरा	राज० पाली०, ललितपुर
64	77	आशीष कुमार पुत्र श्री राम चरन	ग्राम बधनी, पोस्ट खुनियॉव, थाना गौल्हरा, सिद्धार्थनगर, उ०प्र०	रा० पा० बैजपुर, भीटी, अम्बेडकरनगर
65	78	हर्षा यादव पुत्री श्री रविन्द्र नारायण यादव	महादेव नगर, निकट बस स्टैंड, सिकोहाबाद, 881, फिरोजाबाद, उ०प्र०-205135	एम०एम०आई०टी०, कानपुर देहात
66	80	शशिधर पटेल पुत्र श्री योगेन्द्र नाथ पटेल	ग्राम बहरौली, पोस्ट निचलौल, जिला महाराजपुर, उ०प्र०-273304	रा० पा०, शाहजहांपुर

1	2	3	4	5
		सर्वश्री—		
67	82	दीप्ति सिंह पुत्री श्री ओमकार सिंह	ग्राम सराय, पोस्ट मुस्तफाबाद, रा० पा० डिबाई, तहसील चांदपुर, जिला बिजनौर, बुलन्दशहर उ०प्र०-246725	
68	84	अनुज कुमार गुप्ता पुत्र श्री महावीर गुप्ता	मकान नंबर 350, डिग्री कालेज राज० पाली०, ललितपुर रोड, पुलिया के निकट, मजार की दाहिनी साइड की गली के पहले, कालू कुआंन, बांदा, उत्तर प्रदेश- 210001	
69	86	प्रियांशा कुशवाहा पुत्री श्री जितेन्द्र कुमार कुशवाहा	पत्नी संदीप कुशवाहा, मं० नं० राज० पाली०, फैजाबाद 735ए, नई बस्ती, कीड़गंज, त्रिवेणी रोड, प्रयागराज	

2—उक्त अभ्यर्थियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उक्त वेतनमान के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे।

3—उक्त अभ्यर्थियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के दिनांक से एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लें अन्यथा उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी। कार्यभार ग्रहण करने हेतु उक्त अभ्यर्थियों को किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

4—उक्त अभ्यर्थियों की पारस्परिक ज्येष्ठता सुसंगत नियमावली के प्राविधानों के अनुरूप बाद में निर्धारित की जायेगी।

5—उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उक्त अभ्यर्थीगण को 02 वर्ष की विहित परीक्षा पर रहेंगे।

सं० 1665/सोलह-2-2020—प्राविधिक शिक्षा विभाग (डिप्लोमा सेक्टर), उ०प्र० के अन्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक, उ०प्र० में प्रवक्ता केमिकल अभियंत्रण (पेट्रो विशिष्टता के साथ) के पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित चयन के फलस्वरूप लोक सेवा आयोग, उ०प्र० की संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल, श्री मोहम्मद नासिर पुत्र श्री इसरार अहमद, अकबरपुर उर्फ गंगागंज, दिलावरपुर, अतरामपुर, नवाबगंज, प्रयागराज, उ०प्र०-229412 को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रवक्ता केमिकल अभियंत्रण (पेट्रो विशिष्टता के साथ) के पद पर वेतनमान रु० 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु० 5,400 में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये, उन्हें राजकीय पालीटेक्निक, सुतावली, अमरोहा में तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री मोहम्मद नासिर को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उक्त वेतनमान के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे।

3—श्री मोहम्मद नासिर को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के दिनांक से एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लें अन्यथा उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी। कार्यभार ग्रहण करने हेतु श्री मोहम्मद नासिर को किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

4—श्री मोहम्मद नासिर की पारस्परिक ज्येष्ठता सुसंगत नियमावली के प्राविधानों के अनुरूप बाद में निर्धारित की जायेगी।

5—उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से श्री मोहम्मद नासिर को 02 वर्ष की विहित परीक्षा पर रहेंगे।

22 जनवरी, 2021 ई०

सं० 74/सोलह-2-2021—प्राविधिक शिक्षा विभाग (डिप्लोमा सेक्टर), उ०प्र० के अन्तर्गत राजकीय पालीटेक्निक, उ०प्र० में प्रवक्ता अंग्रेजी के पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित चयन के फलस्वरूप लोक सेवा आयोग, उ०प्र० की

संस्तुति के आधार पर श्री राज्यपाल, कु0 मीनाक्षी नारायण पुत्री श्री श्याम नारायण, म0नं0-24, नई मोहनपुरी कालोनी, निकट शिव मन्दिर, मेरठ, उ0प्र0-250001 को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रवक्ता अंग्रेजी के पद पर वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 5,400 में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हुये, उन्हें संत रविदास राजकीय पालीटेक्निक, चकिया (चन्दौली) में तैनात किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—कु0 मीनाक्षी नारायण को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उक्त वेतनमान के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे।

3—कु0 मीनाक्षी नारायण को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे अपना कार्यभार इस आदेश के निर्गत होने के दिनांक से एक माह के अन्दर अवश्य ग्रहण कर लें अन्यथा उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी। कार्यभार ग्रहण करने हेतु कु0 मीनाक्षी नारायण को किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

4—कु0 मीनाक्षी नारायण की पारस्परिक ज्येष्ठता सुसंगत नियमावली के प्राविधानों के अनुरूप बाद में निर्धारित की जायेगी।

5—उक्त पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से कु0 मीनाक्षी नारायण को 02 वर्ष की विहित परीक्षा पर रहेंगे।

आज्ञा से,  
सुनील कुमार चौधरी,  
विशेष सचिव।

## माध्यमिक शिक्षा विभाग

अनुभाग-6

पदोन्नति

27 जनवरी, 2021 ई0

सं0 273/15-6-2021-4(7)/2017—उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह 'क' के उप शिक्षा निदेशक एवं समकक्ष स्तर के अधिकारी श्री गणेश कुमार को उनके वर्तमान तैनाती के पद स्थल पर ही कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह 'क' के संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं समकक्ष स्तर (वेतनमान, वेतन बैंड-3 रु0 15,600 से 39,100 एवं ग्रेड वेतन रु0 7,600, पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल-12) के पद पर नियमित पदोन्नति करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री गणेश कुमार की तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,  
आराधना शुक्ला,  
अपर मुख्य सचिव।

## चिकित्सा विभाग

अनुभाग-2

प्रोन्नति

22 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 3035/सेक-2-पांच-2020-आर (1847)/2020—उत्तर प्रदेश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 2004 यथा संशोधित (सप्तम् संशोधन) नियमावली, 2012 में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के लेवल-3 के चिकित्साधिकारी डा0 राजेश कुमार (वरिष्ठता क्रमांक-9708), परामर्शदाता (सर्जन), जिला चिकित्सालय, रामपुर को उनके आसन्न कनिष्ठ डा0 नवीन चन्द्र (वरिष्ठता क्रमांक-9713क) व अन्य की संयुक्त निदेशक के पद पर पदोन्नति की तिथि 25 अप्रैल, 2019 से लेवल-4, संयुक्त निदेशक ग्रेड (वेतनमान रु0 37,400-67,000, ग्रेड पे

रु0 8,700, पुनरीक्षित वेतनमान पे मैट्रिक्स लेवल-13) के पद पर नोशनल प्रोन्नति तथा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियमित पदोन्नति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल एतद्द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-डा0 राजेश कुमार की तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,  
हेमन्त कुमार,  
विशेष सचिव।

तैनाती

04 नवम्बर, 2020 ई0

सं0 2244/पांच-5-2020-चिकित्सा अनुभाग-5 के आदेश संख्या 2021/पांच-5-2020, दिनांक 04 अक्टूबर, 2020 द्वारा 422 अभ्यर्थियों को दन्त शल्यक के पद पर नियुक्त करते हुये उन्हें तैनाती के स्थान पर 01 माह में कार्यभार ग्रहण करने के आदेश निर्गत किये गये हैं।

2-इनमें से कतिपय अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न कारणों यथा उच्च शिक्षा ग्रहण करने आदि का उल्लेख करते हुये कार्यभार ग्रहण करने हेतु 07-08 माह का अतिरिक्त समय दिये जाने का अनुरोध किया है।

3-इस सम्बन्ध में उल्लेख करना है कि कार्मिक अनुभाग-4 के कार्यालय ज्ञाप संख्या 28/पांच-80का-4-1999, दिनांक 15 नवम्बर, 1999 के प्राविधानानुसार किसी अभ्यर्थी को प्रथमतः कार्यभार ग्रहण करने हेतु 01 माह का समय प्रदान करने तथा अपरिहार्य परिस्थितियों में 01 माह का अतिरिक्त समय दिये जाने की व्यवस्था है।

4-अतः प्रश्नगत प्रकरण पर सम्यक् विचारोपरान्त नवनियुक्त 422 दन्त शल्यकों में से जिन अभ्यर्थियों द्वारा अभी तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया है, उन्हें कार्यभार ग्रहण करने हेतु 01 माह का अतिरिक्त समय दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

5-तदनुसार चिकित्सा अनुभाग-5 के उपरोक्त सन्दर्भित आदेश दिनांक 04 अक्टूबर, 2020 द्वारा दन्त शल्यक के पद पर नियुक्त अभ्यर्थियों में से जिन्होंने अभी तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया है, को एतद्द्वारा निर्देशित किया जाता है कि वह अपनी तैनाती के स्थान पर इस आदेश के निर्गत होने की तिथि से एक माह के अन्दर अपनी तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करें। यदि इस अवधि में सम्बन्धित अभ्यर्थी अपनी तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण नहीं करते हैं तो उनके अभ्यर्थन को निरस्त करने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी।

आज्ञा से,  
प्राणेश चन्द्र शुक्ल,  
उप सचिव।

नियुक्ति

13 नवम्बर, 2020 ई0

सं0 2364/पांच-5-2020-लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा दन्त शल्यक के पद पर चयनित संलग्न तालिका में उल्लिखित 17 अभ्यर्थियों को उ0प्र0 दन्त सर्जन सेवा संवर्ग में दन्त शल्यक के पद पर वेतनमान रु0 रु0 56,100-1,77,500 (लेवल-10) में मौलिक रूप से नियुक्त करते हुये, उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-6/7 में अंकित जनपद/चिकित्सालय में तैनात किये जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

(1) संलग्न तालिका में अंकित जिन अभ्यर्थियों की स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट अप्राप्त (स्तम्भ-08) है, उन अभ्यर्थियों को योगदान कराने से पूर्व सम्बन्धित मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा मेडिकल बोर्ड से उनका स्वास्थ्य परीक्षण करा लिया जायेगा और स्वास्थ्य परीक्षण में उपयुक्त पाये जाने पर ही उनका योगदान स्वीकार किया जायेगा।

(2) सम्बन्धित दन्त शल्यकों को उ0प्र0 दन्त सर्जन सेवा नियमावली, 1979 (यथासंशोधित) के अधीन 02 वर्ष की परीवीक्षा पर रखा जायेगा।

(3) तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु दन्त शल्यकों को किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय नहीं होगा।

(4) सम्बन्धित दन्त शल्यक को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे। उन्हें उ0प्र0 सरकारी डाक्टर (एलोपैथिक) प्राइवेट प्रैक्टिस पर निर्बन्धन नियमावली, 1983 यथासंशोधित शासनादेश संख्या 248/सेक-2-5-2003-7(55)/97 टीसी, दिनांक 28 मई, 2005 के अन्तर्गत प्राइवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।

(5) सम्बन्धित दन्त शल्यक कार्यालय आदेश निर्गत होने की तिथि से एक माह के अन्दर अपनी तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण कर लेंगे। यदि निर्धारित अवधि में अपनी तैनाती के जनपद में अपने योगदान की सूचना नहीं देते हैं तो उनका अभ्यर्थन समाप्त किये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

(6) अभ्यर्थी द्वारा अपने तैनाती स्थान पर योगदान दिये जाने की तिथि से मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मंडलीय अपर निदेशक द्वारा 02 वर्ष की अवधि तक इनका क्रमशः अन्तरा-जनपदीय एवं अन्तर-जनपदीय स्थानान्तरण नहीं किया जायेगा। इन 02 वर्षों के अन्तराल में आवश्यकतानुसार शासन द्वारा ही इनका स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

2—सम्बन्धित दन्त शल्यक आदेश निर्गत होने की तिथि से एक माह के अन्दर अपनी तैनाती के जनपद में मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे—

[1] दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों से, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, परन्तु उनके सम्बन्धी न हों, अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप में।

[2] अभियोजन न चलाये जाने, न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने तथा चरित्र प्राग्वृत्त सत्यापन में कोई प्रतिकूल तथ्य शासन के संज्ञान में आने पर सेवायें समाप्त करने के सम्बन्ध में निर्धारित प्रारूप पर शपथ-पत्र।

[3] उ0प्र0 मेडिकल काउन्सिल द्वारा दिये गये रजिस्ट्रेशन की 02 प्रतियां।

[4] ओथ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।

[5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।

[6] चल-अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।

[7] एक से अधिक जीवित पति/पत्नी न होने का प्रमाण-पत्र।

3—उ0प्र0 दन्त सर्जन सेवा संवर्ग में उक्त दन्त शल्यकों की ज्येष्ठता समय-समय पर प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित की जायेगी।

#### संलग्नक

क्र0	मेरिट क्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	गृह जनपद	तैनाती जनपद	तैनाती स्थल	स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट
1	2	3	4	5	6	7	8
1	44	डा0 सुम्बुल नासिर	श्री फराज सलीम	अलीगढ़	मुरादाबाद	सामु0 स्वा0 केन्द्र, मूढ़ापाण्डे	प्राप्त
2	74	डा0 अनुप्रिया सिंह	श्री रिषभ सिंह	आजमगढ़	रायबरेली	सामु0 स्वा0 केन्द्र, जतुआटप्पा	प्राप्त
3	88	डा0 अमन कथूरिया	श्री योगेश कुमार कथूरिया	आगरा	बुलन्दशहर	सामु0 स्वा0 केन्द्र, डिबाई	प्राप्त
4	144	डा0 पवन गोयल	श्री सतीश चन्द्र गोयल	पलवल हरियाणा	मथुरा	सामु0 स्वा0 केन्द्र, रॉल	प्राप्त

1	2	3	4	5	6	7	8
5	150	डा० रूपाली मिगलानी	श्री कृष्ण लाल मिगलानी	सहारनपुर	बुलन्दशहर	सामु० स्वा० केन्द्र, दानपुर	प्राप्त
6	157	डा० स्नेह पाण्डेय	श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय	सिद्धार्थनगर	गोरखपुर	सामु० स्वा० केन्द्र, बरही	प्राप्त
7	224	डा० जोहेव रोशन	श्री मो० इस्लाम अंजर	किशनगंज, बिहार	रायबरेली	सामु० स्वा० केन्द्र, नसीराबाद	प्राप्त
8	228	डा० दिव्या गुप्ता	श्री महावीर प्रसाद गुप्ता	बड़ोदरा, गुजरात	बिजनौर	सामु० स्वा० केन्द्र, हल्दौर	प्राप्त
9	254	डा० कृति तोमर	श्री विपिन कुमार तोमर	बागपत	फर्रुखाबाद	सामु० स्वा० केन्द्र, राजेपुर	प्राप्त
10	254	डा० राहुल गोटे	श्री विजय गोटे	यवतमाल, महाराष्ट्र	अयोध्या	सामु० स्वा० केन्द्र, तारुन	अप्राप्त
11	295	डा० अन्शुल भारती	श्री राजकुमार केशरी	बुलन्दशहर	बिजनौर	सामु० स्वा० केन्द्र, कीरतपुर	प्राप्त
12	345	डा० जीशान अनीस	श्री अनीस अहमद	बिजनौर	सहारनपुर	सामु० स्वा० केन्द्र, पुवारका	प्राप्त
13	440	डा० पूजा सोनी	श्री जसवन्त सिंह	आगरा	औरैया	सामु० स्वा० केन्द्र, एरवाकटरा	प्राप्त
14	457	डा० पंकज प्रसाद	श्री विनोद कुमार	नरेला, नई दिल्ली	फर्रुखाबाद	सामु० स्वा० केन्द्र, कमलगंज	प्राप्त
15	461	डा० मयंक सागर	श्री सत्यपाल सागर	शाहजहांपुर	बरेली	सामु० स्वा० केन्द्र, शेरगढ़	प्राप्त
16	475	डा० नन्दिनी	श्री राजेन्द्र प्रसाद	गोरखपुर	फतेहपुर	सामु० स्वा० केन्द्र, धाता	प्राप्त
17	504	डा० नेहा सिंह	श्री आर०सी० सिंह	आगरा	फिरोजाबाद	सामु० स्वा० केन्द्र, सिरसागंज	प्राप्त

आज्ञा से,  
वी० हेकाली झिमोमी,  
सचिव।

## कृषि विभाग

अनुभाग-1

पदोन्नति

30 जनवरी, 2021 ई०

सं० 245/12-1-2021-109/2020—श्री विनोद कुमार सिंह, निदेशक, सांख्यिकी एवं फसल बीमा, उत्तर प्रदेश के दिनांक 31 जनवरी, 2021 को सेवानिवृत्त से घटित रिक्ति के सापेक्ष, चयन समिति की संस्तुति के आधार पर श्री राजेश कुमार गुप्ता, संयुक्त निदेशक, कृषि सांख्यिकी को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा, उत्तर प्रदेश (वेतनमान रु० 37,400-67,000, ग्रेड पे रु० 8,900, मैट्रिक्स लेवल-13क) के पद पर पदोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल एतद्वारा स्वीकृति प्रदान करते हैं।



2—यह आदेश दिनांक 01 फरवरी, 2021 से प्रभावी माना जायेगा।

3—श्री गुप्ता को निर्देशित किया जाता है कि वे अपनी तैनाती स्थान पर कार्यभार ग्रहण करके, कार्यभार प्रमाणक शासन को उपलब्ध करायेंगे।

सं0 246/12-1-2021-108/2020—श्री राजेश कुमार गुप्ता, संयुक्त निदेशक, कृषि सांख्यिकी की निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा, उत्तर प्रदेश के पद पर पदोन्नति व तत्क्रम में कार्यभार ग्रहण करने से घटित रिक्ति के सापेक्ष डा0 शोभारानी श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक, सांख्यिकी को चयन समिति की संस्तुति के आधार पर, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से संयुक्त निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा, उत्तर प्रदेश (वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 7,600, मैट्रिक्स लेवल-12) के पद पर पदोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल एतद्वारा स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—यह आदेश वास्तविक रिक्ति घटित होने से प्रभावी माना जायेगा।

3—डा0 शोभारानी श्रीवास्तव को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने तैनाती स्थान पर कार्यभार ग्रहण करके, कार्यभार प्रमाणक शासन को उपलब्ध करायेंगी।

सं0 247/12-1-2021-111/2020—डा0 शोभारानी श्रीवास्तव, उप कृषि निदेशक, कृषि सांख्यिकी की संयुक्त निदेशक, कृषि सांख्यिकी के पद पर पदोन्नति व तत्क्रम में कार्यभार ग्रहण करने से घटित रिक्ति के सापेक्ष उत्तर प्रदेश कृषि सेवा श्रेणी-2 (सांख्यिकी शाखा) के अधिकारी, श्री जितेन्द्र नाथ यादव को चयन समिति की संस्तुति के आधार पर, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उप कृषि निदेशक, कृषि सांख्यिकी (वेतनमान रु0 15,600-39,100, ग्रेड पे रु0 6,600, मैट्रिक्स लेवल-11) के पद पर पदोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल एतद्वारा स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—यह आदेश वास्तविक रिक्ति घटित होने से प्रभावी माना जायेगा।

3—श्री यादव को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने तैनाती स्थान पर कार्यभार ग्रहण करके, कार्यभार प्रमाणक शासन को उपलब्ध करायेंगी।

आज्ञा से,  
डा0 देवेश चतुर्वेदी,  
अपर मुख्य सचिव।

## श्रम विभाग

अनुभाग-6

सेवा-निवृत्ति

29 जनवरी, 2021 ई0

सं0 147/छत्तीस-6-2021-3(39)/05—कर्मचारी राज्य बीमा, श्रम चिकित्सा सेवायें, उ0प्र0 के चिकित्साधिकारियों की अधिवर्षता आयु, शासनादेश संख्या 862/36-6-2017-5(171)/92 टी0सी0, दिनांक 29 जून, 2017 द्वारा कतिपय प्रतिबंधों के अधीन 62 वर्ष किये जाने पर संदर्भगत शासनादेश के प्रस्तर-1(ब) के अनुसार 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके चिकित्साधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विकल्पों पर विचार करने हेतु कार्यालय आदेश संख्या 892/छत्तीस-6-17-63(सा0)/17, दिनांक 14 जुलाई, 2017 द्वारा निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी गठित की गयी है।

2—स्क्रीनिंग कमेटी की दिनांक 15 जनवरी, 2021 को सम्पन्न बैठक में दिनांक 31 जनवरी, 2021 को सेवानिवृत्त होने वाले चिकित्साधिकारी द्वारा 62 वर्ष की आयु तक अधिवर्षता आयु बढ़ाने सम्बन्धी प्रस्तुत विकल्प के अवलोकनोपरान्त स्क्रीनिंग कमेटी की संस्तुति के आधार पर उपर्युक्त वर्णित शासनादेश दिनांक 29 जून, 2017 में निहित व्यवस्थान्तर्गत डा0 राजेन्द्र कुमार, चिकित्साधिकारी 62 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण कर कालम-5 में अंकित तिथि को सेवानिवृत्त हो जायेंगे—

क्र०सं०	चिकित्साधिकारी का नाम	तैनाती स्थल	जन्म-तिथि	62 वर्ष की अधिवर्षता आयु पर सेवानिवृत्ति तिथि
1	2	3	4	5
1	डा० राजेन्द्र कुमार, चिकित्सा अधिकारी	कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय, जीवन मण्डी, आगरा	08-01-1961	31-01-2023

30 जनवरी, 2021 ई०

सं० 205/छत्तीस-6-2021-63(सा०)/17-कर्मचारी राज्य बीमा, श्रम चिकित्सा सेवायें, उ०प्र० के चिकित्साधिकारियों की अधिवर्षता आयु, शासनादेश संख्या 862/36-6-2017-5(171)/92 टी०सी०, दिनांक 29 जून, 2017 द्वारा कतिपय प्रतिबंधों के अधीन 62 वर्ष किये जाने पर संदर्भगत शासनादेश के प्रस्तर-1(ब) के अनुसार 60 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके चिकित्साधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विकल्पों पर विचार करने हेतु कार्यालय आदेश संख्या 892/छत्तीस-6-17-63(सा०)/17, दिनांक 14 जुलाई, 2017 द्वारा निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा योजना की अध्यक्षता में स्क्रीनिंग कमेटी गठित की गयी है।

2-स्क्रीनिंग कमेटी की दिनांक 15 दिसम्बर, 2020 को सम्पन्न बैठक में दिनांक 31 जनवरी, 2021 को सेवानिवृत्त होने वाले चिकित्साधिकारी द्वारा 62 वर्ष की आयु तक अधिवर्षता आयु बढ़ाने सम्बन्धी प्रस्तुत विकल्प के अवलोकनोपरान्त स्क्रीनिंग कमेटी की संस्तुति के आधार पर उपर्युक्त वर्णित शासनादेश दिनांक 29 जून, 2017 में निहित व्यवस्थान्तर्गत डा० विमल कुमार त्यागी, होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी 62 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण कर कालम-5 में अंकित तिथि को सेवानिवृत्त हो जायेंगे—

क्र०सं०	चिकित्साधिकारी का नाम	तैनाती स्थल	जन्म-तिथि	62 वर्ष की अधिवर्षता आयु पर सेवानिवृत्ति तिथि
1	2	3	4	5
1	डा० विमल कुमार त्यागी, होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी	क०रा०बी० चिकित्सालय, साहिबाबाद, गाजियाबाद	26-01-1961	31-01-2023

आज्ञा से,  
प्रेम प्रकाश सिंह,  
विशेष सचिव।

## सहकारिता विभाग

अनुभाग-2

अधिसूचना

29 जनवरी, 2021 ई०

सं० 86/49-2-2021-7(10)/94-उत्तर प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम, 1965 की धारा-96 के अन्तर्गत गठित उ०प्र० सहकारी न्यायाधिकरण में उ०प्र० सहकारी समिति नियमावली, 1968 के नियम-253 के प्राविधान के अनुसार श्री राज्यपाल महोदया श्री नरेन्द्र कुमार सिंह, सेवानिवृत्त आई०ए०एस० (तत्कालीन आयुक्त एवं निबन्धक, सहकारिता, उ०प्र०, लखनऊ) को तत्काल प्रभाव से सदस्य (प्रशासनिक सेवा) के रिक्त पद पर नियुक्त करने के आदेश प्रदान करती हैं। श्री नरेन्द्र कुमार सिंह का कार्यकाल, उक्त नियमावली के नियम-255 के अन्तर्गत 6 वर्ष अथवा 66 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने, इनमें से जो भी पूर्व में घटित हो, के लिये होगा।

श्री नरेन्द्र कुमार सिंह को उ०प्र० सहकारी समिति नियमावली, 1968 के नियम-254 के अनुसार वेतन एवं अन्य परिलब्धियां देय होंगी।

आज्ञा से,  
एम०वी०एस० रामी रेड्डी,  
अपर मुख्य सचिव।

## आयुष विभाग

अनुभाग-1

नियुक्ति/तैनाती

16 अक्टूबर, 2020 ई०

सं० 2550 (341)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ०प्र० लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-341 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000047979) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) श्री आशीष कुमार चौहान पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह, निवासी-निकट आर०एस०एम० इन्टर कालेज, कालागढ़ रोड, सुहागपुर, धामपुर, जिला-बिजनौर, उ०प्र०-246761 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, तिरगी, अमरोहा में रिक्त पद पर नियुक्ति/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्ति चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
  - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
  - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा० न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
  - [3] उ०प्र० भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
  - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
  - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
  - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मुरादाबाद के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ०प्र० राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ०प्र० द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (344)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-344 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000198097) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री सीमा प्रजापति पुत्री श्री आर0बी0 राम, निवासी-शिवाजी नगर, हिरापट्टी, जिला-आजमगढ़, उ0प्र0-276001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, आलापुर, अम्बेडकरनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अम्बेडकरनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (361)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-361 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000295479) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री गायत्री शर्मा पुत्री श्री अश्वनी कुमार शर्मा, निवासी-म0नं0-99, ग्राम-अमीन, तहसील-थानेसर, जिला-कुरुक्षेत्र, हरियाणा-136038 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, वावरिया कालोनी, शामली में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मुजफ्फरनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (367)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-367 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000072169) (अनारक्षित सामान्य श्रेणी) सुश्री आशा सिनसिनवार पुत्री श्री वीरेन्द्र कुमार, निवासी-ग्राम-मलसराय, पोस्ट-गोवर्धन, जिला-मथुरा, उ0प्र0-281502 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, अलाउद्दीनपुर, अम्बेडकरनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।

- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
  - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
  - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
  - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
  - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
  - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
  - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अम्बेडकरनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (400)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-400 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000261569) (ओ0बी0सी0) सुश्री शालिनी पटेल पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार पटेल, निवासी-ग्राम व मोहल्ला-खिल्लूपुर, थाना-जन्सा, तहसील-राजातालाब, जिला-वाराणसी, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थायी रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, कठौडा, बलिया में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
  - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
  - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
  - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
  - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
  - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
  - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बलिया के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (413)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर,



2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-413 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000185303) (ओ0बी0सी0) श्रीमती रितू यादव पत्नी श्री प्रकाश सिंह, निवासी-गली नं0-2, बैंक कालोनी, गोविन्द नगर, जिला-मुरादाबाद, उ0प्र0 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, ढवारसी, अमरोहा में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
  - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
  - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
  - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
  - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
  - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
  - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, मुरादाबाद के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
 

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (430)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-430 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000072957) (ओ0बी0सी0) श्री रवीन्द्र कुमार यादव पुत्र स्व0 सरवन यादव, निवासी-ग्राम-मोहिउद्दीनपुर, पोस्ट-मुहम्मदपुर, जिला-आजमगढ़, उ0प्र0-276205 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, लालगंज, बस्ती में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
  - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
  - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
  - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
  - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
  - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
  - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, बस्ती के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का

उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (461)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-461 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000240558) (ओ0बी0सी0) श्री जयदीप कुमार वर्मा पुत्र श्री रणविजय सिंह, निवासी-57 जी0ए0, ग्राम-चन्दी भानपुर, पोस्ट-बिसवाँ खुर्द, तम्भौर, जिला-सीतापुर, उ0प्र0-261208 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, चौदपुर, पीलीभीत में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
  - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
  - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
  - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
  - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
  - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
  - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, पीलीभीत के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।

- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (488)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-488 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000156161) (ओ0बी0सी0) श्री मनोज कुमार यादव पुत्र श्री रामसूरत यादव, निवासी-133, ग्राम-भटेवरा, पोस्ट-करन्जा कला, थाना-सरायखाजा, जिला-जौनपुर, उ0प्र0-222001 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बेतीसहदेव, लखीमपुर खीरी में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

- [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
- [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।

- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, लखीमपुर खीरी के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (493)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदयों द्वारा चयन क्रमांक-493 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000275837) (ओ0बी0सी0) श्रीमती संध्या यादव पत्नी श्री हरेन्द्र यादव, निवासी-265, द्वितीय तल, सेक्टर-46ए, चण्डीगढ़-160047 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, शेरपुर, कुरिया, शाहजहांपुर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—

[1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।

[2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।

- [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
- [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
- [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
- [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
- [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, शाहजहांपुर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

सं0 2550 (516)/96-आयुष-1-2020-66/2011-उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदया द्वारा चयन क्रमांक-516 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000299068) (ओ0बी0सी0) श्री अजय कुमार यादव पुत्र श्री राम शिरोमणि यादव, निवासी-ग्राम-कल्याणपुर, पोस्ट-गुतवन, जिला-जौनपुर, उ0प्र0-222136 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, खुनुआं, सिद्धार्थनगर में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।
- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।

- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
  - (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
    - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
    - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
    - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
    - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
    - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
    - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
    - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
  - (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, सिद्धार्थनगर के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
  - (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
  - (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
  - (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
- यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

22 अक्टूबर, 2020 ई0

सं0 2550 (511)/96-आयुष-1-2020-166/2020—उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा उत्तर प्रदेश के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के 521 पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन के उपरान्त प्राप्त संस्तुति पत्र संख्या 21/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 28 मई, 2020, पत्र संख्या 57/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 19 जून, 2020, पत्र संख्या 91/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 30 जून, 2020, पत्र संख्या 106/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 17 जुलाई, 2020 एवं पत्र संख्या 145/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 27 अगस्त, 2020 एवं पत्र संख्या 170/01/डीआर/एस-11/2016-17, दिनांक 16 सितम्बर, 2020 के आधार पर चयनित आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों में से श्री राज्यपाल महोदय द्वारा चयन क्रमांक-511 पर अंकित (रजिस्ट्रेशन क्रमांक-53000263717) (ओ0बी0सी0) श्री आदित्य किशोर पुत्र श्री अमरनाथ, निवासी-बी-155, राजाजीपुरम, लखनऊ-226017 को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के अन्तर्गत पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स के लेवल-10 (प्रयोज्य लेवल की प्रथम कोष्ठिका की राशि) के अन्तर्गत मौलिक रूप से निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अस्थाई रूप से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, फतेहगढ़, फर्रुखाबाद में रिक्त पद पर नियुक्त/तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं—

- (1) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी को उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 के नियम-17 के अधीन 02 वर्ष की परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

- (2) नियुक्त चिकित्साधिकारियों को उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।
- (3) वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 की अधिसूचना संख्या सा-3-379/दस-2005-31(9)/2003, दिनांक 28 मार्च, 2005 द्वारा लागू नवपरिभाषित अंशदान पेंशन योजना प्रवृत्त होगी।
- (4) सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों पर उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 में उल्लिखित प्राविधान लागू होंगे।
- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु किसी प्रकार का यात्रा-भत्ता आदि देय न होगा।
- (6) कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व सम्बन्धित चिकित्साधिकारियों को निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे—
  - [1] 02 ऐसे राजपत्रित अधिकारियों, जो सक्रिय सेवा में हों और उनसे पूर्ण रूप से परिचित हों, किन्तु उनके सम्बन्धी न हों, से अच्छे चरित्र का प्रमाण-पत्र।
  - [2] अभियोजन न चलाये जाने तथा मा0 न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के सम्बन्ध में शपथ-पत्र।
  - [3] उ0प्र0 भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा दिये गये स्थायी पंजीकरण की 02 प्रमाणित प्रतियां।
  - [4] ओथ आफ एलीजियन्स का प्रमाण-पत्र।
  - [5] गोपनीयता का प्रमाण-पत्र।
  - [6] चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - [7] एक से अधिक पत्नी/पति जीवित न होने का प्रमाण-पत्र।
- (7) सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपरोक्त प्रस्तर-6 में अंकित सभी प्रमाण-पत्रों सहित अपनी तैनाती क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, फर्रुखाबाद के समक्ष एक माह के अन्दर प्रस्तुत करके योगदान की सूचना देंगे। यदि उक्त अवधि के भीतर वे अपनी तैनाती स्थल पर योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन निरस्त करने पर शासन स्तर पर विचार किया जायेगा।
- (8) उ0प्र0 राज्य चिकित्सा (आयुर्वेद एवं यूनानी) सेवा संवर्ग में उक्त चिकित्साधिकारियों की वरिष्ठता लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 द्वारा प्राप्त श्रेष्ठता क्रम के आधार पर यथा समय नियमानुसार निर्धारित की जायेगी।
- (9) नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारियों को राज्य चिकित्सा (आयुर्वेदिक एवं यूनानी) सेवा नियमावली, 1990 यथासंशोधित 2008 को 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा जायेगा।
- (10) परिवीक्षा अवधि में चिकित्सकों को स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यह सुविधा उन्हें सफलता पूर्वक परिवीक्षा अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्राप्त होगी।
 

यदि नवनियुक्त आयुर्वेद चिकित्साधिकारी द्वारा ऐसे आदेशों के विरुद्ध दबाव डलवाने का प्रयास करेगा, तो उसके इस कृत्य/आचरण को 'सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956' के नियम-27 का उल्लंघन मानते हुये उसके विरुद्ध 'उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999' के सुसंगत प्राविधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।
- (11) उक्त चयन/नियुक्ति मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में योजित रिट याचिका संख्या 4102/2020, डा0 अम्बरीश कुमार पाण्डेय व 10 अन्य बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य, रिट याचिका संख्या 11889/एस0एस0/2020, नरेन्द्र पाल व अन्य तथा सिविल मिस रिट नोटिस संख्या 2280/एस0एस0/2020, डा0 रिनी भारद्वाज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित होने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगा।

आज्ञा से,  
शैलेन्द्र कुमार,  
संयुक्त सचिव।





# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, २० फरवरी, २०२१ ई० (फाल्गुन १, १९४२ शक संवत्)

### भाग १-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

### लखनऊ के जिलाधिकारी की आज्ञा

२२ जनवरी, २०२१ ई०

सं० १०८/८(भू०अ०)/न०म०पा०-प्रथम/लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ के द्वारा अपेक्षित सार्वजनिक प्रयोजन यथा संचालित ए०एन०एस० डेवलपर्स प्रा० लि० की इन्ट्रीग्रेटेड टाउनशिप हेतु जनपद लखनऊ तहसील लखनऊ ग्राम बाघामऊ की १.७५०० हे० भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, २०१३ की धारा ११ की उपधारा (१) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना सं० १०४९/(भू०अ०)/न०म०पा०-प्रथम/लखनऊ दिनांक २० जुलाई, २०२० को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से दि० २३ अक्टूबर, २०२० को प्रकाशित की गयी थी।

अधिनियम की धारा १५ की उपधारा (२) के प्राविधानों के अनुपालन में कलेक्टर भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ, लखनऊ द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट दि० १९ जनवरी, २०२१ पर विचारोपरान्त धारा १९ (१) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निर्देश देते हैं कि उन्हें समाधान हो गया है कि अनुसूची "क" में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है। तथा अनुसूची "ख" में उल्लिखित जिला लखनऊ तहसील सदर के सम्बन्धित ग्राम की शून्य हे० भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

राज्यपाल अग्रेतर निर्देश देते हैं कि अधिनियम की धारा १९ की उपधारा (२) के अधीन इस प्रभाव की घोषणा के प्रकाशन के साथ पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना के सारांश के प्रकाशन की आवश्यकता नहीं है। (लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा संचालित सार्वजनिक प्रयोजन यथा ए०एन०एस० डेवलपर्स प्रा० लि० की इन्ट्रीग्रेटेड टाउनशिप के लिए अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि से कोई व्यक्ति विस्थापित नहीं हो रहा है।)

अनुसूची-क  
(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
लखनऊ	लखनऊ	लखनऊ	बाघामऊ	73 P	हेक्टेयर 0.2320
				147	0.0890
				149	0.1010
				251	0.3950
				266 K	0.1110
				317 K P	0.0570
				317 K H	0.1140
				382 K P	0.0320
				442 K H	0.0840
				568 P	0.0400
				247 P	0.2830
				729 P	0.2150
				732 P	0.0170
				<b>योग . .</b>	<b>1.7500</b>

अनुसूची-ख  
(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल (हे० में)
1	2	3	4	5	6
लखनऊ	लखनऊ	लखनऊ	शून्य	शून्य	शून्य

**टिप्पणी**—उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कलेक्टर, लखनऊ 6, जगदीश चन्द्र बोस मार्ग, लालबाग, लखनऊ स्थित कार्यालय में देखा जा सकता है।

अभिषेक प्रकाश,  
जिला कलेक्टर,  
लखनऊ।

### लखनऊ के जिलाधिकारी की आज्ञा

02 फरवरी, 2021 ई०

सं० 157 / (भू०अ०) / न०म०पा०-प्रथम / लखनऊ उ०प्र० एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण यूपीडा, लखनऊ के द्वारा अपेक्षित पुर्वांचल एक्सप्रेसवे परियोजना हेतु जनपद लखनऊ तहसील मोहनलालगंज ग्राम चांद सराय क्षेत्रफल 0.3672 हे०, बेली क्षेत्रफल 0.7893 हे०, रसूलपुर आशिकअली क्षेत्रफल 1.1625 हे०, शहजादेपुर क्षेत्रफल 0.4587 हे०,

आदमपुर नौबस्ता क्षेत्रफल 0.3158 हे०, शिवलर क्षेत्रफल 0.4210 हे०, देहरामऊ, क्षेत्रफल 0.3276 हे०, महुँरकला क्षेत्रफल 0.7293 हे०, व पहासा क्षेत्रफल 0.4124 हे०, कुल 4.9838 हे०, भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना सं० 1329/(भू०अ०)/न०म०पा-प्रथम/लखनऊ दिनांक 05 नवम्बर, 2020 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से दि० 27 जनवरी, 2021 को प्रकाशित की गयी थी।

अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (2) के प्राविधानों के अनुपालन में कलेक्टर भूमि अर्जन प्रयोजनार्थ, लखनऊ द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट दि० 27 जनवरी, 2020 पर विचारोपरान्त धारा 19 (1) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निर्देश देते हैं कि उन्हें समाधान हो गया है कि अनुसूची "क" में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है। तथा अनुसूची "ख" में उल्लिखित जिला लखनऊ तहसील सदर के सम्बन्धित ग्राम की शून्य हे० भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

राज्यपाल अग्रेतर निर्देश देते हैं कि अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (2) के अधीन इस प्रभाव की घोषणा के प्रकाशन के साथ पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना के सारांश के प्रकाशन की आवश्यकता नहीं है। (उ०प्र० एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण यूपीडा, लखनऊ के द्वारा अपेक्षित पुर्वांचल एक्सप्रेसवे परियोजना हेतु जनपद लखनऊ तहसील मोहनलालगंज के लिए अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि से कोई व्यक्ति विस्थापित नहीं हो रहा है।)

(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)

अनुसूची-क

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
लखनऊ	मोहनलालगंज	गोसाईगंज	चांद सराय	229	0.0660
				242	0.0300
				251	0.0672
				315	0.0700
				316	0.1160
				585	0.0180
				<b>योग. .</b>	<b>0.3672</b>
			बेली	553	0.0080
				556	0.0300
				557	0.0048
				583	0.0438
				595	0.0150
				596	0.0180
				597	0.0311
				598	0.0072
				599	0.0040
				603	0.0560
				604	0.0072
				637	0.0240
				638	0.0400

1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
लखनऊ	मोहनलालगंज	गोसांईगंज	बेली	639	0.0288
				640	0.0228
				641	0.1230
				643	0.0024
				644	0.0600
				645	0.0300
				640 / 945	0.0280
				<b>योग . .</b>	<b>0.7893</b>
			रसूलपुर आशिकअली	420	0.0050
				421	0.0240
				426	0.0010
				458	0.1996
				459	0.0521
				476	0.0210
				477	0.009
				480	0.0072
				481	0.0484
				483	0.0391
				485	0.0014
				486	0.0990
				489	0.0760
				490	0.0670
				491	0.0074
				492	0.0012
				495	0.064
				523	0.0030
				768	0.1824
				784	0.0684
				785	0.0768
				786	0.1085
				490 / 792	0.0010
				<b>योग . .</b>	<b>1.1625</b>
			शहजादेपुर	76	0.0120
				100	0.0364
				101	0.0347
				102	0.1230
				103	0.0210

1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
लखनऊ	मोहनलालगंज	गोसांईगंज	शहजादेपुर	106	0.0176
				113	0.0176
				115	0.0250
				184	0.0930
				187	0.0510
				191	0.00100
				<b>योग .</b>	<b>0.4587</b>
			आदमपुर नौबस्ता	18	0.2990
				527	0.0048
				530	0.0120
				<b>योग . .</b>	<b>0.3158</b>
			शिवलर	1345	0.1230
				1449	0.2980
				<b>योग . .</b>	<b>0.4210</b>
			देहरामऊ	36	0.2300
				39	0.0976
				<b>योग . .</b>	<b>0.3276</b>
			महुराकलां	1769	0.2818
				1770	0.4475
				<b>योग . .</b>	<b>0.7293</b>
			पहासा	3	0.2734
				325	0.1390
				<b>योग . .</b>	<b>0.4124</b>
				<b>कुल योग . .</b>	<b>4.9838</b>

## अनुसूची-ख

(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
लखनऊ	लखनऊ	लखनऊ	शून्य	शून्य	शून्य

**टिप्पणी**—उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कलेक्टर, लखनऊ 6, जगदीश चन्द्र बोस मार्ग, लालबाग, लखनऊ स्थित कार्यालय में देखा जा सकता है।

अभिषेक प्रकाश,  
जिला कलेक्टर,  
लखनऊ।

**बाँदा के जिलाधिकारी की आज्ञायें**

11 दिसम्बर, 2020 ई०

सं० 168/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधिनियम संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1 (ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-बी(5)/2016, लखनऊ, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा निम्न अनुसूची के स्तम्भ-7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

**अनुसूची**

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	बाँदा	बाँदा	लड़ाका पुरवा	लड़ाका पुरवा	5-3-ड बंजर खाता संख्या 2269	3675	0.193 हे०	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को अमलीकौर ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 169/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, संलग्न सूची में उल्लिखित ग्राम तिन्दवारा, ग्राम पंचायत तिन्दवारा, तहसील बाँदा, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत निम्न प्रकार श्रेणी परिवर्तन करता हूँ :

**अनुसूची**

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है		
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
					हेक्टेयर			हेक्टेयर	
1	बाँदा	बाँदा	तिन्दवारा	1081	1.785 में से 0.175	श्रेणी-6-4 मवेशी खड़े होने के स्थान पर श्रेणी-5-1 नवीन परती	486	0.251 में से 0.175	श्रेणी-5-1 नवीन परती के स्थान पर श्रेणी-6-4 मवेशी खड़े होने का स्थान

सं० 170/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक

06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम मवई, बुजुर्ग ग्राम पंचायत मवई बुजुर्ग, तहसील बाँदा, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत निम्न प्रकार श्रेणी परिवर्तन करता हूँ :

### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है		
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	बाँदा	मवई बुजुर्ग	1363	1.2710	श्रेणी-6-4 में से खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5-3-ड बंजर	1034	0.5830	श्रेणी-5-3-ड बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-4 खलिहान

सं० 171/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम पडुई, ग्राम पंचायत पडुई, तहसील बाँदा, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत निम्न प्रकार श्रेणी परिवर्तन करता हूँ :

### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है		
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	बाँदा	पडुई	376मि०	0.1780	श्रेणी-6-3 मरघट में से के स्थान पर श्रेणी-5-1 नवीन परती	336	0.0890	श्रेणी-5-1 नवीन परती के स्थान पर श्रेणी-6-3 मरघट

सं० 172/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम बाधापुरवा, ग्राम पंचायत बाधापुरवा, तहसील बाँदा, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत निम्न प्रकार श्रेणी परिवर्तन करता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है		
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	बाँदा	बाधापुरवा	33	0.1540 में से 0.0620	श्रेणी-6-3 मरघट के स्थान पर श्रेणी-5-1 नवीन परती	254मि०	0.850 में से 0.0620	श्रेणी-5-1 नवीन परती के स्थान पर श्रेणी-6-3 मरघट

सं० 173/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम भिडौरा, ग्राम पंचायत भिडौरा, तहसील बाँदा, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत निम्न प्रकार श्रेणी परिवर्तन करता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है		
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
				हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	बाँदा	भिडौरा	489	0.1340 में से 0.0625	श्रेणी-6-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी- 5-1-ड बंजर	122	0.1340 में से 0.0770	श्रेणी-5-3-ड बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान

सं० 174/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, लखनऊ दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :



## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम सभा	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	बबेरू	इंगुवा	इंगुवा	5-3-ड बंजर खाता संख्या 1771	1739	0.403 मे से 0.083	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 175/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, लखनऊ दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम सभा	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	पैलानी	झंझरी	झंझरी	5-3-ड० बंजर खाता संख्या 1111	611	0.1300	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को झंझरी ग्राम पंचायत पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 176/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, लखनऊ दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	पैलानी	बड़ागाँव बाँगर	बड़ागाँव	5-3-ड बंजर खाता संख्या 738	1796 1797 1798	0.0610 में से 0.0550 0.0350 0.0700	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को बड़ागाँव ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।
योग..							0.1600	

सं० 177/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2016 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, लखनऊ दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के स्तम्भ 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	अतर्रा	हडहामाफी	हडहामाफी	5-3-ड बंजर खाता संख्या 471	909 620	0.105 0.073	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।
योग...							0.178	

13 दिसम्बर, 2020

सं० 178/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम जामू, ग्राम पंचायत जामू, तहसील बबेरू, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	बबेरू	जामू	1012	0.530 में से 0.063	श्रेणी-6-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5-1 बंजर	732	0.089 में से 0.065	श्रेणी-5-1 बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 179/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम जामू, ग्राम पंचायत जामू, तहसील बबेरू, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	बबेरू	रंगौली	26	4.121 में से 0.153	श्रेणी-6-1 चारागाह के स्थान पर श्रेणी-5- 3-ड बंजर	37 108 योग	0.088 में से 0.065 0.153	श्रेणी-5-3- ड बंजर के स्थान पर श्रेणी- 6-1 चारागाह	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को अमलीकौर ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 180/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम मियाबरौली, ग्राम पंचायत मियाबरौली, तहसील बबेरू, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता की दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	बबेरू	मियाबरौली	417	0.263 में से 0.063	श्रेणी-6-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5- 3-ड बंजर	632	0.150 में से 0.063	श्रेणी-5- 3-ड बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को अमलीकौर ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 181/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम मनीपुर, ग्राम पंचायत मनीपुर, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	नरैनी	मनीपुर	1158	0.5470 में से 0.625	श्रेणी-6-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5-1 नवीन परती	1388	0.3360 में से 0.720	श्रेणी-5-1 नवीन परती के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 182/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न

सूची में उल्लिखित ग्राम रिसौरा, ग्राम पंचायत रिसौरा, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	नरैनी	रिसौरा	656क	0.6110 में से 0.0625	श्रेणी-6-2 रास्ता के स्थान पर श्रेणी-5- 3-ड बंजर	115ख	0.8210 में से 0.1040	श्रेणी-5- 3-ड के स्थान पर श्रेणी-6-2 रास्ता	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 183/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम बाँसी, ग्राम पंचायत बाँसी, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	नरैनी	बाँसी	876	0.9260 में से 0.2500	श्रेणी-6-4 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5- 3-ड बंजर	1343ग	0.8740 में से 0.2500	श्रेणी-5- 3-ड के स्थान पर श्रेणी-6-4 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 184/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम पोंगरी, ग्राम पंचायत पोंगरी, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	नरैनी	पोंगरी	1545	0.1460	श्रेणी-6-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5-3-ड बंजर	1288 1257 योग	0.1340 में से 0.0120 0.1460	श्रेणी-5-3-ड बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 185/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम बण्डे, ग्राम पंचायत बण्डे, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	नरैनी	बण्डे	450	0.1860 में से 0.0620	श्रेणी-6-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5-1-ड बंजर	436-मि0	0.0730	श्रेणी-5-3-ड बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 186/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम बडैछा, ग्राम पंचायत बडैछा, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
					हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	नरैनी	बडैछा	171	0.1130 में से 0.0625	श्रेणी-6-4 में से खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5- 3-ड बंजर	421	0.8280 में से 0.0625	श्रेणी-5-3- ड बंजर के स्थान पर श्रेणी- 6-4 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 187/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम मुकेरा, ग्राम पंचायत मुकेरा, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
				गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
					हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	नरैनी	मुकेरा	458	0.1740 में से 0.0676	श्रेणी-6-2 में से खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5- 1-ड बंजर	788-क 219 योग ..	0.0490 0.0280 0.0770	श्रेणी-5-3- ड बंजर के स्थान पर श्रेणी- 6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 188/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम मुकेरा, ग्राम पंचायत मुकेरा, तहसील नरैनी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
1	2	3	4	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	11
					हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	नरैनी	मुकेरा	459	0.1380	श्रेणी-6-3 में से	20	0.0570	श्रेणी-5-1 नवीन	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन
					0.0625	स्थान पर श्रेणी-5-1-ड बंजर	239	0.0080	परती एवं श्रेणी-5-3-ड बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-3 भीटा	गंगे तथा जलापूर्ति उ0प्र0 को ग्राम समूह के पेयजल योजना के निर्माण हेतु।
							योग..	0.0650		

सं0 189/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	नरैनी	खलारी	खलारी	5-3-ड बंजर खाता संख्या 558	403-मि0	0.7090 में से 0.0625	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।



सं० 190/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	पैलानी	पचकौरी	अदरी	5-3-ड बंजर खाता संख्या 239	568	0.3410 में से 0.1600	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को पचकौरी ग्राम पंचायत पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 191/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम पड़ोहरा, ग्राम पंचायत पड़ोहरा, तहसील पैलानी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
1	2	3	4	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	11
					हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	पैलानी	पड़ोहरा	138	1.0270 में से 0.1600	श्रेणी-5-3-ग पशुचर के स्थान पर श्रेणी-5-3-ड बंजर	178	0.7890 में से 0.1600	श्रेणी-5-3-ड के स्थान पर श्रेणी-5-3-ग पशुचर	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को पड़ोहरा ग्राम पंचायत पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 192/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम सहूरपुर, ग्राम पंचायत पलरा, तहसील पैलानी, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्गृहीत की गयी।
1	2	3	4	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	11
				हेक्टेयर			हेक्टेयर			
1	बाँदा	पैलानी	सहूरपुर	540	0.5100 में से 0.1600	श्रेणी-5-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5- 3-ड बंजर	2/1-मि0	0.4650 में से 0.2830	श्रेणी-5- 3-ड के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को अमलीकौर ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

14 दिसम्बर, 2020 ई0

सं0 193/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

#### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	नरैनी	सौतास्योढ़ा	सौतास्योढ़ा	5-3-ड बंजर खाता संख्या 600	369	0.2550 में से 0.0625	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 194/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	नरैनी	पचोखर	पचोखर	5-3-ड बंजर खाता संख्या 753	1128	0.1820 में से 0.0625	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 195/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	नरैनी	कबौली	कबौली	5-1 नवीन परती खाता संख्या 464	34	0.1090 में से 0.0625	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 196/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	नरैनी	वनसखा	वनसखा	5-1 नवीन परती खाता संख्या 307	295	0.1580 में से 0.1660	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 197/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	नरैनी	बदौसा सानी	बदौसा सानी	5-3-ड बंजर खाता संख्या 236	351	0.2710 में से 0.0630	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 198/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	बाँदा	दुरेडी	दुरेडी	5-3-ड बंजर खाता संख्या 1948	1912	0.9450 में से 0.1600	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को दुरेडी ग्राम पंचायत पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 199/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	बाँदा	पल्हरी	पल्हरी	6-4 पहाड़ खाता संख्या 671	86	0.8450 में से 0.0625	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को अमलीकौर ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

15 दिसम्बर, 2020 ई0

सं0 200/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

**अनुसूची**

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	बबेरू	जरोहरा	जरोहरा	5-3-ड बंजर खाता संख्या 290	415	0.7180 में से 0.0635	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 201/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 77 की उपधारा (2) एवं राजस्व अनुभाग-1 द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, निम्न सूची में उल्लिखित ग्राम खुरहण्ड, ग्राम पंचायत खुरहण्ड, तहसील अतर्रा, जिला बाँदा में स्थित भूमि का लोक उपयोगिता के दृष्टिगत श्रेणी परिवर्तन करते हुये शासनादेश दिनांक 03 जून, 2016 में विहित प्राविधानों के क्रम में ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित भूमि को अपने अधिकार में लेता हूँ :

**अनुसूची**

क्र0 सं0	जिला	तहसील	ग्राम	गांव सभा की ऐसी भूमि जिसका श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			गांव सभा की ऐसी भूमि जिससे श्रेणी परिवर्तन किया जाता है			प्रयोजन जिसके लिये भूमि का श्रेणी परिवर्तन कर पुनर्ग्रहीत की गयी।
1	2	3	4	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि की श्रेणी	11
					हेक्टेयर			हेक्टेयर		
1	बाँदा	अतर्रा	खुरहण्ड	1866	0.178	श्रेणी-6-2 खलिहान के स्थान पर श्रेणी-5-3-ड बंजर	1918	0.174	श्रेणी-5-3-ड बंजर के स्थान पर श्रेणी-6-2 खलिहान	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 202/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	बबेरू	कमासिन	कमासिन	श्रेणी-5-1 नवीन परती खाता संख्या 2544	2439	0.2020	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 203/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्गृहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	बबेरू	मझीवांसानी	मझीवांसानी	5-3-ड बंजर खाता संख्या 835	570/ 1478-ख	0.2710 में से 0.125	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

16 दिसम्बर, 2020 ई०

सं० 204/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	अतर्रा	तुर्रा	तुर्रा	5-1 नवीन परती खाता संख्या 2065	333	0.0190 में से 0.0250	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं० 205/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	अतर्रा	तेरा (ब)	तेरा (ब)	5-3 ड बंजर खाता संख्या 1381	2312	0.1210 में से 0.0625	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।



सं० 206/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	अतर्रा	ओरन ग्रामीण	ओरन ग्रामीण	5-3-ड बंजर खाता संख्या 1329	2811	0.105 में से 0.090	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

17 दिसम्बर, 2020 ई०

सं० 207/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ०प्र० अधि० संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र० सं०	जिला	तहसील/परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	अतर्रा	हस्तम	हस्तम	5-3-ड बंजर खाता संख्या 660	299	0.522 में से 0.090	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ०प्र० को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 208/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	अतर्रा	सिकलोढ़ी	सिकलोढ़ी	5-3-ड बंजर खाता संख्या 681	800	2.333 में से 0.250	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 209/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

### अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हेक्टेयर								
1	बाँदा	बबेरू	बीरा बांगर	बीरा	5-3-ड बंजर खाता संख्या 1002	2555	0.352 में से 0.063	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 210/12-भूमि व्यवस्था—उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते

हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	अतर्रा	रहूसत	रहूसत	5-3-ड बंजर खाता संख्या 178	155	0.279 में से 0.090	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

सं0 211/12-भूमि व्यवस्था-उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (उ0प्र0 अधि0 संख्या 08, सन् 2012) की धारा 59 की उपधारा (4) के खण्ड 1(ग) तथा उत्तर प्रदेश संहिता, 2006 के नियम 55 द्वारा प्राप्त शक्तियों एवं शासकीय अधिसूचना संख्या 744/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 03 जून, 2016 के प्राविधानों तथा शासकीय अधिसूचना संख्या 687/एक-1-2020(5)/2016, दिनांक 06 जुलाई, 2020 द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं, आनन्द कुमार सिंह, जिलाधिकारी, बाँदा, अनुसूची के प्रस्तर 7 में उल्लिखित भूमि को, जो अब तक उपरोक्त दिनांक 03 जून, 2016 के शासनादेश के अनुसार ग्राम पंचायतों/स्थानीय प्राधिकरणों के प्रबन्धन में निहित थी, फिर से अपने अधिकार में लेता हूँ :

## अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील/ परगना	ग्राम	ग्राम सभा	खाता संख्या/ भूमि की श्रेणी	गाटा संख्या	रकबा	प्रयोजन, जिसके लिये भूमि पुनर्ग्रहीत की गयी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
							हेक्टेयर	
1	बाँदा	अतर्रा	अमवां	अमवां	5-3-ड बंजर खाता संख्या 598	501	0.202 में से 0.090	राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग) उ0प्र0 को खटान ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना के निर्माण हेतु।

आनन्द कुमार सिंह,  
जिलाधिकारी, बाँदा।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 20 फरवरी, 2021 ई० (फाल्गुन 1, 1942 शक संवत्)

### भाग 3

स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, खण्ड-क-नगरपालिका परिषद्, खण्ड-ख-नगर पंचायत,  
खण्ड-ग-निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड-घ-जिला पंचायत।

### खण्ड-घ-जिला पंचायत

08 जनवरी, 2021 ई०

सं० 401/23-07/2018-20-उ०प्र० क्षेत्र समिति तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 (यथा संशोधित) की धारा 239 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये जिला पंचायत, हापुड़ द्वारा जनपद हापुड़ के ग्रामीण क्षेत्रान्तर्गत पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठो अथवा पशु प्रदर्शनी को नियंत्रित एवं विनियमित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत, हापुड़ द्वारा बनायी गयी संलग्न उपविधि को एतद्वारा सर्वसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, जिसकी मैं अनीता सी० मेश्राम, आयुक्त, मेरठ मण्डल, मेरठ उक्त अधिनियम की धारा 242 (2) के अन्तर्गत पुष्टि करती हूँ, जो शासकीय गज़ट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।

### उपविधियाँ

- (1) ग्रामीण क्षेत्र का तात्पर्य उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 में दी गई परिभाषा से है।
- (2) पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ अथवा पशु प्रदर्शनी का तात्पर्य उस स्थल से है, जहां जिला पंचायत, किसी व्यक्ति अथवा किसी संस्था (जिसमें धार्मिक संस्था भी सम्मिलित है) शामिल है, द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में क्रय-विक्रय अथवा प्रदर्शनी हेतु पशु लाये जाते हैं।
- (3) पशु का तात्पर्य सभी जाति एवं श्रेणी के पशुओं से है।
- (4) रजिस्ट्रेशन अधिकारी का तात्पर्य उस वयस्क व्यक्ति से है जिसे लाईसेंस अधिकारी ने जिला पंचायत द्वारा स्थापित पशु पैठों अथवा पशु प्रदर्शनियों, पशु मेलों, पशु बाजारों में पशुओं की बिक्री लिखने एवं शुल्क उगाही हेतु रसीद जारी करने हेतु नियुक्त किया है। निजी पशु मेलों, पशु बाजारों, पशु पैठों एवं पशु प्रदर्शनियों में उनके संचालक अथवा प्रबन्धक की संस्तुति पर उपरोक्त प्रयोजन हेतु लाईसेंस अधिकारी द्वारा नियुक्त किया गया व्यक्ति रजिस्ट्रेशन अधिकारी माना जायेगा।

- (5) ठेकेदार का तात्पर्य भी उस वयस्क व्यक्ति से है, जिसे जिला पंचायत ने किसी पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी हेतु ठेके की शर्तों के अनुरूप नियत अवधि के लिए प्रबन्ध के निमित्त अधिकृत किया हो।

### उपविधि भाग-1

- (1) प्रत्येक व्यक्ति जो जिला पंचायत, हापुड़ के ग्रामीण क्षेत्र में कोई पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी आयोजित करना चाहता है, को इन उपविधियों का पालन करना अनिवार्य होगा।
- (2) पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक अथवा उसके द्वारा नियुक्त मैनेजर या अधिकृत एजेन्ट के लिये, बाजार में आये हुए व्यक्तियों के ठहरने, जानवरों हेतु चारा-पानी, सफाई तथा रेशनी का प्रबन्ध व रख-रखाव स्वयं कराना होगा।
- (3) एक से अधिक दिन चलने वाले पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी में व्यापारियों एवं जनता की सुविधा हेतु शौचालय एवं मूत्रालय की व्यवस्था एवं सफाई कराना संचालक, मैनेजर, प्रबन्धक अथवा एजेन्ट के लिए अनिवार्य होगा।
- (4) जिला पंचायत के अध्यक्ष, अपर मुख्य अधिकारी, या उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी, स्वास्थ्य एवं खाद्य निरीक्षक के अतिरिक्त अध्यक्ष, जिला पंचायत अथवा लाईसेंसिंग अधिकारी द्वारा अधिकृत कोई भी कर्मचारी किसी भी कर्मचारी किसी भी समय निरीक्षण कर सकता है।
- (5) नये पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए शान्ति व्यवस्था सम्बन्धी पुलिस विभाग की आख्या प्राप्त होने के उपरान्त जिला पंचायत के लाईसेन्स अधिकारी द्वारा लाईसेन्स प्रार्थना-पत्र पर विचार किया जायेगा।
- (6) नये पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए यह अनिवार्य होगा कि प्रारम्भ करने की तिथि से एक माह (तीस दिन) के पूर्व जिला पंचायत से लाईसेन्स प्राप्त कर लेंगे, लाईसेन्स की अवधि 01 अप्रैल से 30 अप्रैल होगी।
- (7) किसी पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के स्थल से 8 किमी० के अन्दर किसी दूसरे पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी लगाने हेतु लाईसेन्स नहीं दिया जायेगा। प्रतिबन्ध यह है कि यह नियम उपविधि के लागू होने से पूर्व से आयोजित हो रहे पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनियों पर प्रभावी नहीं होगा।
- (8) नये वर्ष का लाईसेन्स प्राप्त करने हेतु अनिवार्य होगा कि 30 अप्रैल तक लाईसेन्स शुल्क जमा कर लाईसेन्स बनवा लिया जाये अन्यथा रु० 1,000.00 (एक हजार रुपये) प्रति माह विलम्ब शुल्क जमा करके ही लाईसेन्स प्राप्त किया जा सकेगा। लाईसेन्स नवीनीकरण में भी यही विधि अपनायी जायेगी, परन्तु लाईसेन्स नवीनीकरण हेतु दिये गये प्रार्थना-पत्रों में लाईसेन्स संख्या, दिनांक तथा दिये गये लाईसेन्स शुल्क का विवरण अंकित करना होगा।
- (9) जो पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी पूर्व से लग रही है, उसके संचालक को इन उपविधियों के प्रकाशन के एक माह के अन्दर लाईसेन्स बनवा लेना होगा अन्यथा उपनियम संख्या 09 के अनुसार विलम्ब शुल्क जमा करने पर ही लाईसेन्स जारी किया जायेगा। प्रतिबन्ध यह है कि ग्राम पंचायतों द्वारा आयोजित पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी पर लगाये गये विलम्ब शुल्क को किसी स्थिति तक कम करने अथवा समाप्त करने का विशेषाधिकार अध्यक्ष, जिला पंचायत को होगा।
- (10) अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, हापुड़ इन उपविधियों के अन्तर्गत लाईसेन्स अधिकारी होगा।

- (11) कोई भी व्यक्ति या संस्था निर्धारित फीस देकर वर्णित अवधि के लिए जिला पंचायत से लाईसेन्स प्राप्त किये बिना पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन नहीं कर सकेगा।
- (12) पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के लिए निम्नलिखित लाईसेन्स शुल्क देय होगा।
- (1) वर्ष में एक बार 01 से 15 दिन तक लगातार लगने वाले पशु मेले के रु0 25,000.00 वार्षिक लिए लाईसेन्स शुल्क
  - (2) वर्ष में एक बार 15 दिन से अधिक किन्तु 30 दिन तक लगातार लगने रु0 40,000.00 वार्षिक वाले पशु मेले के लिए लाईसेन्स शुल्क
  - (3) वर्ष में एक बार 30 दिन से अधिक अवधि के लिए लगातार लगने वाले रु0 50,000.00 वार्षिक पशु मेले के लिए लाईसेन्स शुल्क
  - (4) सप्ताह में एक बार लगने वाले पशु बाजार, पशु पैठ का लाईसेन्स शुल्क रु0 20,000.00 वार्षिक

### उपविधि भाग-2

1-कोई भी व्यक्ति जिले के ग्रामीण क्षेत्र में किसी पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी में किसी भी पशु का क्रय-विक्रय रजिस्ट्रेशन अधिकारी द्वारा उसकी बिक्री का रजिस्ट्री कराये बिना नहीं कर सकेगा।

2-पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के स्वामी अथवा संचालक द्वारा अधिकृत व्यक्ति जिला पंचायत के लाईसेंसिंग अधिकारी की अनुमति से रु0 1,000.00 वार्षिक रजिस्ट्रेशन शुल्क देकर रजिस्ट्रेशन अधिकारी नियुक्त हो सकता है।

3-(अ) निजी पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के स्वामी का दायित्व होगा कि रजिस्ट्रेशन अधिकारी नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति की जानकारी पूरा पता सहित पुलिस विभाग द्वारा जारी चरित्र प्रमाण-पत्र के साथ प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करें। ऐसे रजिस्ट्रेशन अधिकारी का पारिश्रमिक न्यूनतम मजदुरी अधिनियम के तहत निर्धारित पद से कम न होगा।

(ब) जिला पंचायत द्वारा संचालित पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी में नियुक्त जिला पंचायत के कर्मचारी को यदि रजिस्ट्रेशन अधिकारी का कार्य सौंपा जाता है, तो वह दस रुपया प्रति पशु की दर से पारिश्रमिक प्राप्त करेगा।

4-रजिस्ट्रेशन अधिकारी, प्रत्येक पशु की बिक्री की रजिस्ट्री, पशु देखकर तथा साक्ष्य लेकर ही करेगा।

5-किसी भी पशु की रजिस्ट्री सूर्योदय के पूर्व और सूर्यास्त के पश्चात् नहीं की जा सकेगी।

6-रजिस्ट्रेशन अधिकारी, प्रत्येक पशु की बिक्री पर रजिस्ट्री, करते समय एक प्रतिशत क्रेता एवं एक प्रतिशत विक्रेता से पूरे मूल्य पर शुल्क वसूल करेगा। जो किसी भी दशा में रु0 20.00 से कम नहीं होगा। प्रतिबन्ध यह है कि जिला पंचायत को विशेष संकल्प द्वारा इन उपविधियों में किसी भी प्राविधान के बावजूद रजिस्ट्रेशन शुल्क स्थानीय परिस्थितियों के कारण बढ़ा देने अथवा कम कर देने का अधिकार होगा।

7-निजी पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के प्रबन्धक द्वारा उपविधि के नियमों अथवा निरीक्षक के आदेशों का पालन न करने पर संचालक या प्रबन्धक को एक माह की नोटिस दी जायेगी और इसके उपरान्त भी प्रबन्धन ठीक नहीं होता है तो लाईसेंसिंग अधिकारी की संस्तुति पर अध्यक्ष, जिला पंचायत द्वारा उक्त पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी को नियत तिथि से अपने प्रबन्ध में लेने की अधिसूचना जारी की जायेगी और जिला पंचायत द्वारा स्वयं अथवा ठेके पर उक्त अवधि तीन वर्ष से अधिक न होगी, किन्तु अपवादित स्थितियों में जिला पंचायत को विशेष संकल्प से यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। उक्त व्यवस्था में होने वाली आय में से जिला पंचायत द्वारा निर्धारित प्रबन्धकीय व्यय काटकर शेष धनराशि निजी प्रबन्धक अथवा संचालक को वापिस की जायेगी।

8-जिला पंचायत द्वारा नियुक्त ठेकेदार को किसी भी दशा में उपविधियों द्वारा निर्धारित शुल्क ससे अधिक शुल्क वसूल करने का अधिकार नहीं होगा।

9-रजिस्ट्रेशन अधिकारी, प्रत्येक पशु की बिक्री का प्रमाण-पत्र अपने हस्ताक्षर से क्रेता को उ0 प्र0 पुलिस रेगुलेशन के नियम 183 (2) के अन्तर्गत पुलिस फार्म 54 में भरकर देगा तथा उसका प्रतिपण अपने पास सुरक्षित रखेगा। यदि किसी पशु का दूध पीता बच्चा साथ में हो तो एक ही बिक्री प्रमाण-पत्र पर्याप्त होगा। एक प्रति प्रतिपण पर एक ही पशु की रजिस्ट्री की जायेगी।

10—पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक तथा प्रबन्ध के लिए यह अनिवार्य होगा कि उ0प्र0 पुलिस रेगुलेशन के नियम 183 (2) में निर्धारित पुलिस फार्म 54 पुस्तकें, जिला पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा करने के पश्चात् प्राप्त करके पशुओं के रजिस्ट्रेशन हेतु प्रयोग में लायेगा और पुस्तकों के प्रतिपूर्ण जिला पंचायत कार्यालय में जमा करेगा। यह शर्त ठेकेदार के ऊपर भी यथावत् लागू होगी।

11—पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक या प्रबन्धक अथवा ठेकेदार के लिये आवश्यक होगा कि पशुओं के रजिस्ट्रेशन तथा शर्तों की सूचियां रजिस्ट्रेशन के बैठने के स्थान पर चिपका दें।

12—कोई भी व्यक्ति जिला पंचायत द्वारा संचालित अथवा निजी पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी में संक्रामक रोग से पीड़ित पशु को नहीं ला सकेगा। एतदर्थ नियुक्ति जिला पंचायत के अधिकारी अथवा निजी पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के संचालक, प्रबन्धक को अधिकार होगा कि संक्रामक रोग से ग्रसित किसी भी पशु को प्रवेश न करने दे अथवा स्थल से बाहर निकाल दें।

### उपविधि भाग-3

- 1—जिला पंचायत, हापुड़ द्वारा संचालित पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी में सार्वजनिक मार्ग के किनारे पशुओं के लदान व उतराने के लिए अड्डों की व्यवस्था करेगी।
- 2—निजी स्वामित्व में लगने वाले पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के निकट सार्वजनिक मार्ग के किनारे पशुओं के लदान एवं उतरान हेतु अड्डे की व्यवस्था जिला पंचायत द्वारा ही किया जायेगा।
- 3—यातायात की सुरक्षा तथा मेले में ट्रैफिक की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए अड्डों के पास वाहनों का पार्किंग स्थल निर्धारित किया जायेगा। पशुओं के लदान व उतरान के लिए अड्डा बनायी जायेगी।
- 4—जिला पंचायत अड्डों की स्थापना एवं संचालन का कार्य स्वयं, किसी एजेन्सी अथवा ठेकेदार के माध्यम से करेगी। निजी क्षेत्र के पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी में अड्डों की स्थापना ट्रैफिक व्यवस्था संचालन के कार्य हेतु पशु मेला, पशु बाजार, पशु पैठ एवं पशु प्रदर्शनी के स्वामी से कोई सम्बन्ध नहीं रहेगा।
- 5—ढुलान, उतरान एवं पार्किंग शुल्क निम्न प्रकार देय होगा।

वाहन की किस्म	शुल्क रु0
6—मेटाडोर या छोटा ट्रक, ट्राली	75.00
7—बड़ा ट्रक, ट्राली	100.00
8—छोटा ट्रक या मेटाडोर जिसमें पशु लदे हो	150.00
9—बड़ा ट्रक जिसमें पशु लदे हो	200.00
10—सामान भरा बैलगाड़ी या खड़खड़ा	30.00
11—खाली बैलगाड़ी या खड़खड़ा	20.00
12—सामान भरा ट्रैक्टर, ट्राली, मेटाडोर तथा छोटा ट्रक	200.00
13—सामान भरा हुआ बड़ा ट्रक	300.00

### दण्ड

उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 240 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, हापुड़ यह निर्देश देती है कि जो व्यक्ति इन उपविधियों का उल्लंघन करेगा, वह अर्थदण्ड से दण्डनीय होगा, जो रु0 1,000.00 तक होगा और यदि ऐसा उल्लंघन जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थदण्ड से दण्डित होगा, जो प्रथम दोष सिद्धि होने के बाद ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिनके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि उसमें अपराधी अपराध करता रहा है, रु0 50.00 प्रतिदिन तक दण्ड लिया जा सकेगा।

अनीता सी मेश्राम,  
आयुक्त,  
मेरठ मण्डल, मेरठ।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 20 फरवरी, 2021 ई० (फाल्गुन 1, 1942 शक संवत्)

### भाग 8

सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रूई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

कार्यालय, नगरपालिका परिषद्, हरदोई

19 अगस्त, 2020 ई०

सं० 350/न०पा०परि०ह०/अधि०वि०/2017-नगर क्षेत्र को स्वच्छ बनाये रखने के लिये नगर पालिका परिषद् हरदोई नगर पालिका अधिनियम, 1916 व ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियमावली, 2016 में निहित प्राविधानों के अधीन निम्न प्रकार उपविधि बनाकर सुझाव व आपत्ति मांगे गये थे। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त नहीं हुये। बोर्ड की विशेष बैठक में प्रस्ताव सं०-16 दिनांक 18 जून, 2020 द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी है तदनुसार उक्त नियमावली उ०प्र० सरकारी गजट प्रकाशन की तिथि से लागू होगी।

#### 1-संक्षिप्त नाम व विस्तार तथा प्रारम्भ

अ- यह नियमावली ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि, 2017 कहलायेगी।

ब- यह उपविधि नगर पालिका परिषद् हरदोई सीमा के अन्दर लागू होगी।

स-यह उ०प्र० सरकारी गजट में प्रकाशन के दिनांक से प्रवृत्त होगी।

द-इस नियमावली में अधिशासी अधिकारी से तात्पर्य नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी से है।

य-अधिनियम का तात्पर्य नगर पालिका अधिनियम, 1916

#### 2-अपशिष्ट उत्पन्न कर्ताओं के कर्तव्य प्रत्येक अपशिष्ट उत्पन्नकर्ता-

(क) उनके द्वारा उत्पन्न किये गये अपशिष्ट के पृथक्कृत और पृथक् शाखाओं अर्थात् जैव निम्नीकरण योग्य और घरेलू परसिंकटमय अपशिष्ट के तीन अलग-अलग डिब्बों में भण्डारित करेगा और समय-समय पर स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा निर्देश या अधिसूचना के अनुसार पृथक् किये गये अपशिष्टों संग्रहकर्ताओं को सौपेगा।

(ख) प्रयोग किये गये स्वास्थ्यकर अपशिष्ट जैसे डायपर पैडों आदि। इन उत्पादों के निर्माताओं या ब्राड स्वामियों द्वारा उपलब्ध या अजैविक निम्नीकरण अपशिष्ट के लिये डिब्बे में उसे डालेगा।



(ग) संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट को पृथक रूप से अपने ही परिसर में भण्डारित करेगा, जब कभी वह उत्पन्न होता है और उसे संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट नियम-2016 के अनुसार करेगा।

(घ) अपने परिसर में उत्पन्न कृषि उद्यान अपशिष्ट और उद्यान अपशिष्ट को ही परिसर में पृथक रूप से भण्डारित करेगा और समय-समय पर स्थानीय निकाय द्वारा निर्देशानुसार इसका निपटान करेगा।

2—कोई अपशिष्ट जनित उसके द्वारा उत्पन्न अपशिष्ट को गली, खुले सार्वजनिक स्थानों, नालों या जलाशयों में न फेकेगा न जलाएगा और न गाड़ेगा।

3—कोई व्यक्ति अग्रिम रूप से कम से कम तीन कार्य दिवस पूर्व स्थानीय निकाय को सूचित किये बिना गैर अनुज्ञप्ति वाले स्थान पर एक सौ व्यक्ति से अधिक या ऐसा कोई आयोजन या समारोह आयोजित नहीं करेगा। ऐसा व्यक्ति या ऐसे आयोजक स्रोत पर अपशिष्ट संग्रहण अभिकरण को सौपेगा।

4—प्रत्येक मार्ग विक्रेता अपने कार्यकलाप के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट, जैसे कि खाद्य प्रोज्य (डिस्पोजल) प्लेटों, कपों, डिब्बों, रैपरो, नारियलों के छिलके, बचे भोजन, सब्जियों फलों आदि के लिये उपयुक्त पात्र रखेगा। और ऐसे अपशिष्ट को स्थानीय प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित अपशिष्ट भण्डारण डिपो या पात्र या वाहन में डालेगा।

5—इन नियमों के अधिसूचित होने की तारीख से एक वर्ष के अन्दर सभी आवास कल्याण और बाजार संघ स्थानीय प्राधिकरण की भागीदारी इन नियमों में तथा विहित जनित्रों द्वारा अपशिष्ट का स्रोत पर पृथक करने, पृथक किये गये अपशिष्ट को अलग-अलग पात्रों में संग्रहण करने में सहायता और पुनर्चक्रणीय सामग्री को प्राधिकृत अपशिष्ट उठाने वालों अथवा प्राधिकृत पुनर्चक्रकाकों को सौपना सुनिश्चित करेंगे। जैव अचक्रमणीय अपशिष्ट का जहां तक सम्भव होगा परिसर के अन्दर संसाधित, उपचारित और कम्पोस्ट करके अथवा बायोमिथानेशन के जरिये निपटान किया जायेगा। शेष अपशिष्ट स्थानीय प्राधिकरण द्वारा यथा निर्देशित अपशिष्ट संग्रहकर्ताओं या अभिकरण को सौप दिया जायेगा।

6—इन नियमों के अधिसूचित होने की तारीख से एक वर्ष के अन्दर 5,000.00 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी गेट लगे समुदाय और संस्थान स्थानीय प्राधिकरण की भागीदारी में इन नियमों यथा निहित जनित्रों द्वारा अपशिष्ट का स्रोत पर ही पृथक किये गये, अपशिष्ट को अलग-अलग पात्रों में संग्रहण करने में सहायता करना तथा पुनर्चक्रकों को सौपना सुनिश्चित करेंगे। जैव अचक्रमणीय अपशिष्ट को जहां सम्भव होगा परिसर के अन्दर संसाधित, उपचारित और कम्पोस्ट करके अथवा बायोमिथानेशन के जरिये निस्तारण किया जायेगा। शेष अपशिष्ट स्थानीय प्राधिकरण द्वारा यथा निर्देशित अपशिष्ट संग्रहकर्ताओं या अभिकरण को दिया जायेगा।

7—इन नियमों के अधिसूचित होने की तारीख से एक वर्ष के अन्दर सभी होटलो और रेस्टोरेन्ट स्थानीय प्राधिकरण की भागीदारी में इन नियमों में यथा विहित जनित्रों द्वारा अपशिष्ट को स्रोत पर पृथक किये गये अपशिष्ट को अलग-अलग पात्रों में संग्रह करने में सहायता करना तथा पुनर्चक्रणीय सामग्री को प्राधिकृत अपशिष्ट उठाने वालों अथवा प्राधिकृत पुनर्चक्रकों को सौपना सुनिश्चित करेंगे। जैव-अचक्रणीय अपशिष्ट संग्रहकर्ताओं या अभिकरण को दिया जायेगा।

8—नगर पालिका सीमा के अन्दर खुले में शौच करने वाले व्यक्तियों से पाँच सौ रुपये एवं पेशाब करने वाले व्यक्तियों पर सौ रुपये जुर्माना वसूला जायेगा। जिसकी अदायगी सम्बन्धित व्यक्ति को तुरन्त करनी होगी।

9—यह कि माननीय उच्च न्यायालय की सुनवाई दिनांक 09 नवम्बर, 2016 व नगर विकास अनुभाग-5 के आदेश संख्या-3,595.00/नौ-5-2016-29रिट/2014 दिनांक 08 नवम्बर, 2016 के अनुपालन में सड़क के किनारे भवन निर्माण अवशेष रखने पर रु0 50,000.00 का आर्थिक दण्ड वसूल किया जायेगा।

**10-1-सभी अपशिष्ट उपत्पन्नकर्ता से निम्नानुसार फीस वसूल की जायेगी-**

(i) आवासी भवन (प्रति परिवार)	रु0 30.00 प्रति माह
(ii) व्यवसायिक भवन प्रत्येक दुकान जल-पान रेस्टोरेन्ट	रु0 100.00 प्रति माह
(iii) व्यवसायिक भवन प्रत्येक कॉम्प्लेक्स, होटल	रु0 500.00 प्रति माह
(iv) व्यवसायिक भवन फैक्ट्री, अर्द्धसरकारी संस्थान	रु0 500.00 प्रति माह
(v) व्यवसायिक भवन चिकित्सीय क्लीनिक	रु0 200.00 प्रति माह
(vi) व्यवसायिक भवन नर्सिंग होम	रु0 2,500.00 प्रति माह
(vii) आयोजन या समारोह 100 व्यक्ति तक व उससे अधिक पर	रु0 5.00 प्रति व्यक्ति/अधिकतम 2,500.00

**10-2- अनापत्ति प्रमाण-पत्र शुल्क प्रति वर्ष-**

(i) मछली फुटकर बिक्री	रु0 300.00
(ii) मछली थोक बिक्री	रु0 500.00
(iii) फल फुटकर बिक्री	रु0 300.00
(iv) फल थोक बिक्री	रु0 500.00
(v) सब्जी फुटकर बिक्री	रु0 300.00
(vi) सब्जी थोक बिक्री	रु0 500.00
(vii) अण्डा थोक बिक्री	रु0 500.00
(viii) अण्डा फुटकर बिक्री	रु0 300.00
(xi) मुर्गा, बकरा	रु0 1,000.00

**दण्ड**

उक्त धाराओं का उल्लंघन करना अपराध माना जायेगा। उल्लंघन की दशा में रु0 5,000.00 जुर्माना से दण्डनीय होगा, जो प्रथम दोष सिद्धि के दिनांक के पश्चात प्रत्येक ऐसे दिन के लिए जिसमें अपराधी द्वारा अपराध किया जाना सिद्ध है, रु0 500.00 प्रतिदिन तक होगा। जुर्माना लगाये जाने व छूट दिये जाने का अधिकार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, हरदोई में निहित होगा तथा वसूली नगर पालिका अधिनियम, 1916 के अध्याय 6 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत की जायेंगी।

ह0 (अस्पष्ट)

अध्यक्ष,

नगर पालिका परिषद हरदोई।

**कार्यालय, नगरपालिका परिषद्, हरदोई**

19 अगस्त, 2020 ई0

सं0 351/न0पा0परि0ह0/उपविधि/2017-18-उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये नगरपालिका परिषद्, हरदोई की सीमा हेतु "विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2017" प्रस्तावित करती है। उपरोक्त नियमावली की धारा 301 के अन्तर्गत प्रकाशन के पश्चात् उसके किसी बिन्दु या सभी बिन्दुओं पर आपत्ति या सुझाव मांगे गये थे, निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति एवं सुझाव प्राप्त नहीं हुये। उक्त नियमावली की बोर्ड की विशेष बैठक में प्रस्ताव सं0 17 दिनांक 18 जून, 2020 द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी है, उक्त प्रस्तावित विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2017 उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी मानी जायेगी।

### विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2017

उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 नगरपालिका परिषद्, हरदोई पर प्रवृत्त है, के अन्तर्गत नगरपालिका परिषद्, हरदोई में “विविध कर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2017” कहलायेगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है :

#### 1—संक्षिप्त नाम, प्रसार एवं प्रारम्भ—

- (1) यह उपविधि विविधकर (शुल्क) उपविधि नियमावली, 2017 कहलायेगी।
- (2) यह नगरपालिका परिषद्, हरदोई की सीमा में प्रवृत्त होगा।
- (3) यह उपविधि उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन होने के दिनांक से नगरपालिका परिषद्, हरदोई की सीमा में प्रवृत्त होगा।

#### 2—परिभाषाएँ—

विषय या प्रयोग में कोई शर्त प्रतिकूल न होने पर इस अधिनियम में उल्लिखित शब्द का अर्थ यह पढ़ा व समझा जाये—

- (क) “अधिनियम” का तात्पर्य “उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916” है।
- (ख) “अधिशाली अधिकारी” का तात्पर्य नगरपालिका परिषद्, हरदोई के अधिशाली अधिकारी से है।
- (ग) “नगरपालिका परिषद्, हरदोई” का तात्पर्य नगरपालिका परिषद्, हरदोई से है।
- (घ) “अध्यक्ष/प्रशासक” का तात्पर्य नगरपालिका परिषद्, हरदोई के अध्यक्ष/प्रशासक से है।

#### 3—विविधकर (शुल्क) की दरें—

- (1) अदेयता प्रमाण-पत्र शुल्क रु0 200.00 (द्वितीय प्रति शुल्क रु0 100.00, तृतीय प्रति शुल्क रु0 300.00 प्रति प्रमाण-पत्र)
- (2) नगरपालिका परिषद्, हरदोई में घरेलू जल उपभोक्ताओं से जलमूल्य रु0 50.00 एवं व्यवसायिक उपभोक्ताओं से रु0 100.00 प्रतिमाह।
- (3) प्रतिलिपि (नकल शुल्क) प्रति नकल 100 शब्द तक रु0 50.00 तथा उसके ऊपर रु0 100.00 (एक सप्ताह में) अर्जेंट में शुल्क दो गुना।
- (4) नाला/नाली या सार्वजनिक जगह पर गन्दगी फैलाने पर पेनाल्टी रु0 100.00 प्रति प्रकरण तथा पुनरावृत्ति करने पर पेनाल्टी शुल्क 500.00 प्रति प्रकरण।
- (5) 50 माइक्रोन मोटाई से कम की पालीथीन प्रयोग करने पर पेनाल्टी शुल्क रु0 100.00 प्रति प्रकरण तथा 50 माइक्रोन मोटाई से कम की पालीथीन प्रयोग करने की पुनरावृत्ति करने पर पेनाल्टी शुल्क रु0 500.00 प्रति प्रकरण।
- (6) नगरपालिका की सीमा में स्थित पेट्रोल पम्प पर व्यावसायिक शुल्क रु0 5,000.00 वार्षिक।
- (7) नगरपालिका की सीमा में स्थित कोचिंग संस्थानों पर व्यवसायिक शुल्क रु0 1,000.00 वार्षिक।
- (8) नगरपालिका की सीमा में व्यावसाय करने वाले गेस्ट हाउस/अतिथि गृह पर व्यवसायिक शुल्क रु0 3,000.00 वार्षिक।
- (9) नगरपालिका की सीमा में व्यावसाय करने वाले रेस्टोरेन्ट/ढाबा/होटल पर व्यवसायिक शुल्क रु0 1,000.00 वार्षिक।
- (10) नगरपालिका की सीमा में चलने वाले ई-रिक्शा/गाड़ी पर लाइसेंस शुल्क रु0 300.00 वार्षिक।
- (11) नगरपालिका की सीमा में आटा चक्की/धान कूटने वाली मशीन/तेल पेराई मशीन/रुई धुनाई मशीन पर व्यवसायिक शुल्क रु0 500.00 वार्षिक।
- (12) भैंस/गाय/सुअर इत्यादि सभी प्रकार के पालतू जानवर को खुला छोड़ने पर पकड़े जाने पर शुल्क रु0 300.00 प्रति प्रकरण/प्रतिदिन।

(13) नगरपालिका की सीमा में निर्मित होने वाले सार्वजनिक शौचालय के टॉयलेट प्रयोक्ता प्रति व्यक्ति से रु0 3.00 प्रति व्यक्ति एवं बाथरूम प्रयोक्ता चार्ज रु0 5.00 प्रति व्यक्ति लिया जायेगा।

(14) नगरपालिका की सीमा में नाली/नाला/सड़क/अन्य सार्वजनिक सम्पत्ति पर अवैध कब्जा पाये जाने पर पेनाल्टी शुल्क रु0 1,000.00 तथा पुनरावृत्ति करने पर रु0 5,000.00 प्रति प्रकरण।

(15) छोटी बाउण्ड्री युक्त भूखण्ड या मकानों के मध्य खाली भूखण्ड पर पड़ोसियों के द्वारा कूड़ा करकट फेकने को दृष्टिगत रखते हुये उनके द्वारा अपने खाली भूखण्डों एवं छोटी बाउण्ड्री वाल पर न्यूनतम दो मीटर ऊंची बाउण्ड्रीवाल निर्मित न कराने पर पेनाल्टी शुल्क प्रति प्रकरण रु0 1,000.00।

(16) नगरपालिका की सीमा में स्थित राइस मिल पर व्यवसायिक शुल्क रु0 4,000.00 वार्षिक।

(17) नगरपालिका की सीमा में स्थित आरा मशीन पर व्यवसायिक शुल्क रु0 2,000.00 वार्षिक।

(18) नगरपालिका की सीमा में स्थित प्रेशर मशीन (गाड़ी धुलाई केन्द्र) पर व्यवसायिक शुल्क रु0 500.00 वार्षिक।

(19) नगरपालिका की सीमा में स्थित आर0ओ0 प्लांट पर व्यवसायिक शुल्क रु0 2,000.00 वार्षिक।

(20) नगरपालिका की सीमा में स्थित मोटर साइकिल एजेन्सी पर शुल्क रु0 5,000.00 कार एजेन्सी/ट्रेक्टर एजेन्सी पर व्यवसायिक शुल्क रु0 10,000.00 वार्षिक।

(21) नगरपालिका की सीमा में गलियों में बांधे गये जानवरों को पकड़े जाने पर शुल्क रु0 50.00 प्रति प्रकरण।

(22) नगरपालिका की सीमा के अन्दर स्थित भूमि से सम्बन्धित अनापत्ति प्रमाण-पत्र शुल्क रु0 1,000.00 प्रति प्रकरण।

(23) नगरपालिका की सीमा में स्थित सार्वजनिक हैण्डपम्प में समरसेविल डालने पर शुल्क रु0 2,000.00 जुर्माना।

#### वाटर कनेक्शन एवं नामान्तरण शुल्क—

	रु0
1 भवन स्वामी की मृत्यु की दशा में नामान्तरण शुल्क	500.00
2 पंजीकृत विलेख आधारित नामान्तरण शुल्क	800.00
3 वसीयत के आधार पर नामान्तरण शुल्क	500.00
4 पंजीकृत गिफ्ट डीड के आधार पर नामान्तरण शुल्क	600.00
5 पारिवारिक सहमति के आधार पर नामान्तरण शुल्क	300.00
6 न्यायालय के आदेश के आधार पर नामान्तरण शुल्क	400.00
7 दान (हिबा) के आधार पर नामान्तरण शुल्क	400.00
8 रोड कटिंग (प्रति इकाई)	1,000.00

**नोट—**पूर्व में प्रचलित दरें यदि कोई हो तो इस नियमावली के लागू होने से यथा संशोधित मानी जायेगी।

उक्त धाराओं का उल्लंघन करना अपराध माना जायेगा/उल्लंघन की दशा में रु0 5,000.00 जुर्माना से दण्डनीय होगा, जो प्रथम दोष सिद्धि के दिनांक के पश्चात प्रत्येक ऐसे दिन के लिये, जिसमें अपराधी द्वारा अपराध किया जाना सिद्ध होता है, रु0 500.00 प्रतिदिन तक होगा। जुर्माना लगाये जाने व छूट दिये जाने का अधिकार अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, हरदोई में निहित होगा तथा वसूली नगरपालिका परिषद अधिनियम, 1916 के अध्याय 6 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत की जायेगी। उक्त अधिनियम के अनुपालन में पुलिस द्वारा सहयोग लिया जायेगा।

सुखसागर मिश्र 'मधुर',  
अध्यक्ष,  
नगरपालिका परिषद, हरदोई।

## कार्यालय, नगरपालिका परिषद्, हरदोई

21 सितम्बर, 2020 ई0

सं0 452/A/न0पा0परि0ह0-अधि0वि0/2020-21-शासनादेश संख्या 35/9-9-11-190-द्वि0रा0वि0आ0/04, दिनांक 18 मार्च, 2011 तथा तत्सम्बन्धी नगर पालिका परिषद्, हरदोई के बोर्ड प्रस्ताव सं0-17 (V) दिनांक 09 अगस्त, 2012 के क्रम में नगरपालिका परिषद्, हरदोई के भवनों पर स्वकर निर्धारण की सुविधा हेतु नगरपालिका परिषद्, हरदोई गृहकर जलकर स्वमूल्यांकन नियमावली, 2013 बनायी गयी थी तथा उस पर आपत्ति एवं सुझाव मॉगे गये थे जिनका निस्तारण उपरान्त नियमावली को सर्वसम्मति से स्वीकृति बोर्ड प्रस्ताव सं0-15 दिनांक 18 जून, 2020 द्वारा प्रदान की गयी है उक्त नियमावली राजकीय गजट में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होगी।

### नगरपालिका परिषद्, हरदोई गृहकर जलकर स्वमूल्यांकन नियमावली, 2013

इस नियमावली/उपविधि का तात्पर्य नगरपालिका परिषद्, हरदोई गृहकर-जलकर अधिरोपण एवं वसूली नियमावली/उपविधियां, 2013 से है। यह नियमावली अधिनियम संख्या-08 सन् 2013 के नाम से प्रस्तावित है।

1—यह नियमावली शासनादेश संख्या 135/9-9-11-190-द्वि0रा0वि0आ0/04 नगर विकास-9 दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुक्रम में नगरपालिका बोर्ड प्रस्ताव सं0 17(iv) दिनांक 09 अगस्त, 2012 के अनुपालन में जन साधारण की आपत्तियों के आमंत्रण हेतु प्रकाशनार्थ प्रस्तावित की गयी है।

2—अध्यक्ष/प्रशासक का तात्पर्य निर्वाचित अध्यक्ष नगरपालिका/जिलाधिकारी अथवा शासन द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, प्रशासक अथवा प्रभारी अधिकारी कहलायेगा, जैसी स्थिति हो।

3—अधिशाली अधिकारी का तात्पर्य अधिशाली अधिकारी नगर पालिका परिषद्, हरदोई से है। अधिनियम संख्या-08 के अनुसार अध्यक्ष नगरपालिका अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिशाली अधिकारी कर निर्धारण अधिकारी होगा। अधिशाली अधिकारी कर निर्धारण की शक्तियां अधीनस्थ कर अधीक्षक/कर एवं राजस्व निरीक्षक/राजस्व निरीक्षक को प्रतिनिहित करके करें का अधिरोपण भी करवा सकेगा।

4—भवनों का तात्पर्य नगरपालिका सीमा में स्थित भवनों एवं नगरपालिका अधिनियम, 1916 के अध्याय-01 में वर्णित परिभाषा धारा-07 में उल्लिखित (यथासंशोधित) से है।

5—आपत्तियों का निराकरण एवं निस्तारण संशोधित अधिनियम संख्या-08 धारा 143 के उपबन्धों के अधीन अध्यक्ष नगरपालिका अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिशाली अधिकारी अथवा उनके द्वारा गठित समिति द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।

6—कर निर्धारण सूचियां/पंजिकाओं में भवन/भूखण्डों के स्वामियों के नामों एवं निर्धारित जलकर/गृहकर में परिवर्तन, परिवर्धन संशोधन सम्बन्धी प्राप्त आवेदन-पत्रों का निस्तारण नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 147 व धारा 153 के उपबन्धों के अधीन अध्यक्ष नगरपालिका अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अधिशाली अधिकारी व उनके द्वारा गठित समिति द्वारा किया जायेगा।

7—नगरपालिका अधिनियम 1916 के धारा 129 के उपबन्धों के अधीन नगरपालिका द्वारा अपने किसी प्रकार के पेयजल संसाधनों से सर्वसाधारण को पेयजल उपलब्ध कराये जाने वाले स्तम्भ बिन्दु से 200 मी0 अर्धव्यास की परिधि में स्थित भवनों/भूखण्डों पर जलकर का अधिरोपण किया जायेगा जैसा कि पूर्व से ही है और उन भवन/भूखण्डों के स्वामियों को जलकर का भुगतान करना होगा। जलकर के भुगतान के बाद ही जलमूल्य का समायोजन हो सकेगा। जल सम्भरण एवं जल परिव्यय नियमावली 2008-क के नियम-10(1)(2) छूट सम्बन्धी समायोजन निरस्त समझा जायेगा।

8—उपरोक्त नियम-05 के साथ यदि कोई व्यक्ति किसी भी भवन/भूखण्ड को अथवा उसके अंश को विलेखों द्वारा या अन्य कारणों के होते हुये हस्तान्तरित करता है तो अभिलेख निष्पादन तिथि अथवा कारण तिथि से 90 दिन के अन्दर ग्रहणकर्ता अपने नाम को नगर पालिका अभिलेखों में दर्ज/अंकित करायेगा ऐसा न करा पाने की दशा में यह कार्यवाही रु0 200.00जमा करने पर ही हो सकेगी विशेष परिस्थितियों में यह अधिकार अध्यक्ष नगरपालिका अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत अधिशाली अधिकारी कम अथवा माफ कर सकेगा। नगरपालिका अधिनियम 1916 धारा 141(ख)(2)।

9—निर्धारित तिथि तक प्रपत्र-क न जमा करने पर रु0 200.00 तक अर्थदण्ड देना होगा।

10—जलकर-गृहकर का भुगतान भवन/भूखण्ड स्वामी-अध्यासी द्वारा माह जुलाई तक करने पर जलकर में 10 प्रतिशत तथा गृहकर में 10 प्रतिशत छूट प्राप्त करेगा तथा अगस्त से दिसम्बर माह तक गृहकर व जलकर में 05 प्रतिशत की छूट प्राप्त करेगा, तत्पश्चात् कोई भी छूट देय न होगी। वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद बकाया करों के भुगतान न करने पर भवन/भूखण्ड स्वामी/अध्यासी/किरायेदारों को 10 प्रतिशत की दर से सरचार्ज देय होगा जिसमें भुगतान न जमा करने पर प्रति वर्ष सरचार्ज में स्वतः वृद्धि होती रहेगी, और बिल उपलब्ध कराने के छः माह के बाद बकाये की वसूली भू-राजस्व के बकाये की भांति अधिशाली अधिकारी कराने हेतु बाध्य होगा (नगरपालिका अधिनियम 1916 धारा 139)।

11—नगरपालिका समय-समय पर बकायेदरों की सूची का प्रकाशन करेगी। तदोपरान्त नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 173 “क” के अन्तर्गत कार्यवाही करेगी।

**12—**शासकीय/अर्द्धशासकीय/निजी विद्यालय, धार्मिक भवन जिनका उपयोग अनन्य रूप में विद्यालय या इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में किया जाता हो चाहे वे राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो अथवा न हो या धर्मार्थ हो ऐसे प्रांगण कर मुक्त रहेंगे, परन्तु यदि इनका उपयोग शैक्षणिक अथवा धर्मार्थ कार्य से विरत रहकर अन्य व्यवसायिक कार्य यथा शादी, बारात समारोह आदि के प्रयोग में लाने हेतु किया जाय इसकी स्वीकृति, सम्बन्धित संस्थाओं के सस्थापकों, संचालकों द्वारा नगर पालिका से लेनी होगी और इस आशय का रजिस्टर सम्बन्धित संस्थान को रखना होगा। जिसका अवलोकन संस्थाओं द्वारा नगरपालिका को प्रत्येक दशा में कराना होगा। इससे होने वाली आय का 12.5 प्रतिशत धनराशि कर/शुल्क के रूप में नगरपालिका में जमा करना होगा (नगरपालिका अधिनियम 1916 धारा 129-क)।

**13—**सेवारत/सेवानिवृत्त सैन्य कर्मचारियों के द्वारा स्वयं के उपयोग हेतु प्रयुक्त भवन या भूमि का सामान्य कर शासनादेशों के अधीन होगा। स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, विकलांग, गरीब बेसहारा विधवाओं को कर में छूट दी जायेगी।

**14—**पेट्रोल पम्पों पर जलकर का मद रहकर शासनादेशों के अनुसार परिवर्तनीय होगा, वर्तमान में उस परिसर में बनी सभी गैर आवासीय/व्यवसायिक भवनों को मूल्यांकन एवं जलकर, गृहकर का आरोपण सामान्य व्यवसायिक भवनों के अनुसार किया जायेगा।

**15—**भवनों के नवनिर्माण/परिवर्धन/परिवर्तन की दशा में 15 दिनों के अन्दर नगर पालिका को लिखित रूप से सूचित करना होगा अन्यथा की दशा में उस वर्ष का पूर्ण गृहकर एवं जलकर लागू होगा। (नगरपालिका अधिनियम, 1916 धारा 148)।

**16—**भवनों के नवनिर्माण/परिवर्धन/परिवर्तन की दशा में प्रत्येक तीन माह के अन्तराल से आकस्मिक कर निर्धारण तत्समय के सर्किल रेट पर किया जायेगा। जिसका भुगतान भवन/भूस्वामी/अध्यासी को करना होगा।

**17—**अधिरोपित करों की वसूली विशेष परिस्थितियों में अध्यासी से भी की जा सकेगी जिसका समायोजन अध्यासी भवन स्वामी से कर सकेगा।

**18—**उपरोक्त नियमावली/उपविधियों के परिपेक्ष्य में शासनादेश जो समय समय पर निर्गत होंगे, मान्य होंगे अन्यथा की दशा में नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299 प्रभावी होगी।

**19—**रेन्ट कन्ट्रोल के मकान-रेन्ट कन्ट्रोल, 1972 के अधिनियम के अधीन आने वाले आवासीय भवनों पर नगरपालिका परिषद, हरदोई द्वारा प्रत्येक करों की गणना के लिये वार्षिक किराये का निर्धारण रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम, के अन्तर्गत नहीं किया जायेगा, बल्कि अब इसके किराये का निर्धारण उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 के प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा तथा ऐसे भवनों के करों की देयता अब किरायेदार की होगी। (नगरपालिका अधिनियम 140(1) स्पष्टीकरण दो।

**20—**भवन स्वामी द्वारा अध्यासित ऐसा कोई भवन जो 30 वर्ग मी0 पर निर्मित किया गया हो तथा जिसका कारपेट एरिया 15 वर्ग मी0 तक हो एवं उसके स्वामित्व में नगरपालिका परिषद, हरदोई सीमा के अन्दर कोई अन्य भवन न हो, गृहकर से मुक्त रहेगा। (नगर पालिका अधिनियम 1916 धारा 129 क (च)।

**21—**नगर पालिका अधिनियम की धारा 140 (1) के अन्तर्गत रेलवे स्टेशनों, कालेजों स्कूलों, होटलों, कारखानों, वाणिज्यिक भवनों और अन्य अनावासीय भवनों की दशा में यथास्थिति भवन के अच्छादित क्षेत्र या भूमि के खुले क्षेत्र या दोनों के साथ खण्ड (ख) के अधिनियम आवासीय भवनों के प्रति वर्ग फुट मासिक किराये की दर में नियमों द्वारा नियत किये जाने वाले गुणक से गुणा करने पर प्राप्त प्रतिफल का 12 गुना मूल्य से है।

**22—**केन्द्रीय कार्यालय/संस्थायें राजकीय सुविधा प्राप्त विद्यालय जो निजी भवन में होंगे गृहकर से मुक्त रहेंगे। उन पर जलकर/जलमूल्य लिया जायेगा।

**23—**एक मुश्त समाधान योजना के अन्तर्गत यदि कोई भवन स्वामी/अध्यासी जिस पर 10 वर्ष से अधिक का टैक्स बकाया हो, एक मुश्त जमा करने पर उसे 20 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

**24—**प्रपत्र कब-कब भरना होगा।

(क) जब कभी भवन स्वामी द्वारा अध्यासित को किराये पर दिया गया हो या किराये से वापस अपने अध्यासन में किया हो, इसके तीन सप्ताह के भीतर प्रपत्र-ख में ही पुनः विवरण प्रस्तुत भरना अनिवार्य होगा।

(ख) जब किसी भवन के कारपेट एरिया या भूमि का क्षेत्रफल या दोनों में परिवर्तन अथवा परिवर्धन किया जाता हो तो उसके लिये तीन माह के भीतर यथा स्थित भवन/भूमि स्वामी द्वारा अथवा अध्यासित द्वारा प्रपत्र में विवरण भरना अनिवार्य होगा।

(ग) त्रुटिपूर्ण तथा आधार हीन सूचना देने वाले को रु0 1000.00 तक आर्थिक दण्ड देय होगा।

(घ) जिन भवन/भूमि स्वामियों अथवा अध्यासी द्वारा कर निर्धारण का विकल्प नहीं अपनाया जायेगा तो उनके सम्बन्ध में कर निर्धारण व वसूली की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

**25—**कक्षवार निर्धारित/प्रस्तावित मासिक किराया प्रतिवर्ग फुट दरें नियमावली का अंग व अंश रहेगा। इसी के अनुसार ए0आर0वी0 निर्धारित की जायेगी।

## नगरपालिका परिषद, हरदोई

कक्ष (वार्ड) वार निर्धारित प्रस्तावित मासिक किराया (प्रति वर्ग फुट) दरों की सूची

क्र० सं०	कक्ष का नाम	कक्ष का विस्तार	24 मीटर से अधिक चौड़े मार्ग पर स्थित			12 से 24 मीटर तक चौड़े मार्ग पर स्थित			12 मी० से कम चौड़े मार्ग पर स्थित			भूमि के सम्बन्ध में स्थित		
			R.C.C. छत सहित पक्का भवन	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	R.C.C. छत सहित पक्का भवन	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	R.C.C. छत सहित पक्का भवन	अन्य पक्का भवन	कच्चा भवन	24 मी० से अधिक चौड़े मार्ग पर स्थित	12 से 24 मीटर तक चौड़े मार्ग पर स्थित	12 मी० से कम चौड़े मार्ग पर स्थित
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1.	आलूथोक उत्तरी	आलूथोक उत्तरी	2.50	2.00	0.40	2.25	1.80	0.30	2.00	1.60	0.20	0.30	0.15	0.10
2.	ऊँचाथोक	ऊँचाथोक, चौहानथोक	2.50	2.00	0.40	2.25	1.80	0.30	2.00	1.60	0.20	0.30	0.15	0.10
3.	लक्ष्मीपुरवा	लक्ष्मीपुरवा, रामनगरिया	2.50	2.00	0.40	2.25	1.80	0.30	2.00	1.60	0.20	0.30	0.15	0.10
4.	न्यू सिविल लाइन पश्चिमी	सिविल लाइन पश्चिमी, सुभाष नगर का भाग	3.00	2.50	0.50	2.50	2.25	0.40	2.25	2.00	0.30	0.40	0.30	0.20
5.	पेनीपुरवा	पेनीपुरवा, महौलिया शिवपार व गिप्सनगंज का भाग	2.50	2.00	0.40	2.25	1.80	0.30	2.00	1.60	0.20	0.30	0.15	0.10
6.	सिविल लाइन पूर्वी	सिविल लाइन पूर्वी, कोयलबाग कालोनी, सिविल लाइन पश्चिमी	3.00	2.50	0.50	2.50	2.25	0.40	2.25	2.00	0.30	0.40	0.30	0.20
7.	मंगलीपुरवा	रेलवेगंज पूर्वी, सैयापुरवा, मंगलीपुरवा	3.00	2.50	0.40	2.50	2.25	0.40	2.25	2.00	0.30	0.40	0.30	0.20
8.	आवास विकास कालोनी	आवास विकास कालोनी का भाग तथा नधेटा, नधेटा पूर्वी	3.00	2.50	0.50	2.50	2.25	0.40	2.25	2.00	0.30	0.40	0.30	0.20
9.	महर्षि बाल्मीकि नगर	महर्षि बाल्मीकि नगर (खंजाची टोला), चकला, इदरीशगंज, नृपतिबिहार कालोनी	3.00	2.50	0.50	2.50	2.25	0.40	2.25	2.00	0.30	0.40	0.30	0.20
10.	चन्दीपुरवा	चन्दीपुरवा, आशानगर, खगेश्वरपुरवा, सिविल लाइन पूर्वी, गिप्सनगंज	3.00	2.00	0.40	2.25	1.80	0.30	2.00	1.60	0.20	0.30	0.50	0.10
11.	देबिनपुरवा	देबिनपुरवा, लक्ष्मीपुरवा, ऊँचाथोक, आलूथोक उ० कृष्णनगरिया का भाग	3.00	2.00	0.40	2.25	1.80	0.30	2.00	1.60	0.20	0.30	0.50	0.10

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
12.	लाइनपुरवा	लाइनपुरवा, चीलपुरवा	3.00	2.50	0.50	2.50	2.25	0.40	2.25	2.00	0.30	0.40	0.30	0.20
13.	सरायथोक पूर्वी	सरायथोक पूर्वी	2.50	2.00	0.40	2.25	0.80	0.30	2.00	0.60	0.20	0.30	0.15	0.10
14.	बोर्डिंग हाउस	बोर्डिंग हाउस, सुभाषनगर, कौशलपुरी का भाग नुमाइसपुरवा आंशिक	3.00	2.50	0.50	2.50	1.25	0.70	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20
15.	नईबस्ती	नईबस्ती, पिताम्बरगंज, पंजाबी कालोनी	3.00	2.50	0.50	2.50	1.25	0.70	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20
16.	आलूथोक दक्षिण	आलूथोक दक्षिणी	3.00	2.50	0.50	2.50	1.25	0.70	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20
17.	नुमाइस पुरवा	नुमाइसपुरवा, सुभाष नगर	3.00	2.50	0.50	2.50	1.25	0.70	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20
18.	बैटगंज दक्षिणी	बैटगंज दक्षिणी व आलू थोक उ० का भाग सदर बाजार, हरदेवगंज	3.00	2.50	0.50	2.50	1.25	0.70	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20
19.	अशराफटोला	अशराफटोला, मुसरिमपुरवा	3.50	3.00	1.00	3.00	1.50	0.50	2.50	1.25	0.40	0.50	0.30	0.20
20.	बहरा सौदागर पूर्वी	बहरा सौदागर पूर्वी, आवास विकास कालोनी, नवीपुरवा	3.00	2.50	0.50	2.00	1.25	0.40	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20
21.	मेमिनाबाद	मोमिनाबाद	2.50	2.00	0.40	2.25	0.80	0.30	2.00	0.60	0.20	0.30	0.15	0.10
22.	बहरा सौदागर पश्चिमी	बहरा सौदागर पश्चिमी महर्षि बाल्मीकिनगर	3.50	3.00	1.00	3.00	1.50	0.50	2.50	1.25	0.40	0.50	0.30	0.20
23.	बहरा सौदागर मध्य	बहरा सौदागर मध्य, बहरा सौदागर पूर्वी, नवीपुरवा का भाग	3.00	2.50	0.50	2.00	1.25	0.40	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20
24.	रेलवेगंज मध्य	रेलवेगंज मध्य, रेलवेगंज पश्चिमी, गिप्सनगंज	3.50	3.00	1.00	3.00	1.50	0.50	2.50	1.25	0.40	0.50	0.30	0.20
25.	सरायथोक पश्चिमी	सरायथोक पश्चिमी, चौहानथोक	2.50	2.00	0.40	2.25	0.80	0.30	2.00	0.60	0.20	0.30	0.15	0.10
26.	बैटगंज उत्तरी	बैटगंज उत्तरी व बोर्डिंग हाउस का भाग	3.00	2.50	0.50	2.00	1.25	0.40	2.25	1.00	0.30	0.40	0.30	0.20

ह० (अस्पष्ट),  
अध्यक्ष,  
नगरपालिका परिषद्, हरदोई।



## कार्यालय, नगर पंचायत, कुरावली (मैनपुरी)

26 अक्टूबर, 2018 ई0

सं0 708/न0प0कुरा0/2018-19-उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी के सीमा हेतु विविध शुल्क उपविधि/नियमावली, 2018 प्रस्तावित करती है। उपरोक्त नियमावली की धारा 301 के अन्तर्गत प्रकाशन के पश्चात् उसके किसी बिन्दु या सभी बिन्दुओं पर किसी व्यक्ति, समूह को आपत्ति हो या सुझाव हो तो अपनी लिखित आपत्ति, सुझाव नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी के कार्यालय में प्रकाशन तिथि के एक सप्ताह के अन्दर प्राप्त करा सकता है। जिसका नियमानुसार निस्तारण किया जायेगा परन्तु एक सप्ताह के बाद प्राप्त आपत्तियों एवं सुझाव पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों का निस्तारण के पश्चात् उक्त प्रस्तावित विविध शुल्क उपविधि/नियमावली, 2018 उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी मानी जायेगी। विविध शुल्क उपविधि, 2018 उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों से नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी में विविध शुल्क उपविधि/नियमावली, 2018 कहलायेगी।

### विविध शुल्क उपविधि

जिसका विवरण निम्नवत् है :

#### 1-संक्षिप्त नाम, प्रसार एवं प्रारम्भ-

- (1) यह उपविधि विविध शुल्क उपविधि नियमावली, 2018 नियमावली कहलायेगी।
- (2) यह नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी की सीमा में प्रवृत्त होगा।
- (3) यह उपविधि उ0प्र0 राजपत्र में प्रकाशन होने के दिनांक से नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी में प्रवृत्त होगा।

#### 2-परिभाषाये-

विषय या प्रयोग में कोई शर्त प्रतिकूल न होने पर इस अधिनियम में उल्लिखित शब्द अर्थ यह पढ़ा व समझा जाये-

- (1) "अधिनियम" का तात्पर्य "उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916" है।
- (2) "अधिशाली अधिकारी" का तात्पर्य नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी के अधिशाली अधिकारी से है।
- (3) "नगर पंचायत" का तात्पर्य नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी से है।
- (4) "अध्यक्ष/प्रशासक" का तात्पर्य नगर पंचायत, कुरावली, जनपद मैनपुरी के अध्यक्ष/प्रशासक से है।

#### 3-विविधकर शुल्क की दरें-

- (1) नगर पंचायत, कुरावली में निर्मित होने वाले सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों के टॉयलेट प्रयोक्ता से रु0 3.00 प्रति व्यक्ति एवं बाथरूम प्रयोक्ता चार्ज रु0 5.00 प्रति व्यक्ति शुल्क वसूल किया जायेगा।
- (2) डोर डू डोर कूड़ा कलेक्शन पर शुल्क रु0 10.00 प्रति माह देय होगा।
- (3) नाला/नाली या सार्वजनिक जगह पर गन्दगी फैलाने पर पेनाल्टी रु0 100.00 प्रति प्रकरण तथा पुनरावृत्ति करने पर पेनाल्टी शुल्क रु0 500.00 प्रति प्रकरण देय होगा।
- (4) भैंस/गाय/सुअर इत्यादि सभी प्रकार के पालतू जानवर को खुला छोड़ने पर पकड़े जाने पर पेनाल्टी शुल्क रु0 300.00 मात्र प्रति प्रकरण प्रति दिन देय होगा।

#### दण्ड

यू0पी0 म्युनिसिपैलिटीज ऐक्ट, 1961 की धारा 299 (1) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत, कुरावली यह आदेश देती है कि इस नियमावली में किसी प्रकार का उल्लंघन करने पर रु0 10,000.00 (दस हजार रुपया) मात्र दण्ड किया जायेगा और यदि अपराध निरन्तर जारी रहे तो अतिरिक्त अर्थ दण्ड लगाया जायेगा जो प्रथम दोष सिद्ध होने के बाद दिनांक से यह सिद्ध हो जाने पर किसी अपराधी के द्वारा निरन्तर अपराध जारी रखने पर रु0 100.00 (एक सौ रुपया) मात्र प्रतिदिन हो सकता है।

संगीता वर्मा,  
अध्यक्ष,  
नगर पंचायत, कुरावली,  
जनपद मैनपुरी।

**कार्यालय आदर्श नगर पंचायत, फूलपुर, जनपद आजमगढ़**

25 जनवरी, 2021 ई0

सं0 844/न0पं0फू0/स्व0उप0/2020-21-उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298(1) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उ0प्र0 अधिनियम संख्या-8 सन् 2011 द्वारा किये गये संशोधन एवं नगर विकास अनुभाग-9 उ0प्र0 शासन के आदेश संख्या 135/नौ-9-11-190 द्वि0रा0वि0आ0/04 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुपालन में नगर पंचायत, फूलपुर की सीमान्तर्गत भवनों पर स्वकर प्रणाली के अन्तर्गत कर निर्धारण किये जाने हेतु बोर्ड बैठक 05 मार्च, 2020 को प्रस्ताव संख्या 06 के द्वारा सर्वसम्मत से नियमावली बनाये जाने के निर्णय के क्रम में दिनांक 18 दिसम्बर, 2020 के द्वारा समाचार-पत्र दैनिक "आज" में प्रकाशित कराकर 30 दिनों के अन्दर आपत्तियों हेतु सूचित किया गया, किन्तु उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में सरकारी गजट में प्रकाशन कराने हेतु स्वीकृत प्रदान की जाती है। अतः यह उपविधि को अन्तिम रूप से लागू करने हेतु नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ द्वारा स्वीकृत की जाती है। यह उपविधि गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

**उपविधि****1-उपविधि का नाम-**

यह नियमावली स्वकर निर्धारण नियमावली नगर पंचायत, फूलपुर, के नाम से जानी जायेगी।

**2-अर्थ-**

स्वकर निर्धारण प्रणाली के तहत भवन स्वामी स्वयं ही अपने भवन की माप कर इस नियमावली में उल्लिखित शर्तों एवं दरों के आधार पर आगणन कर भवन पर कर निर्धारण कर सकेगा।

**3-परिभाषायें-इस नियमावली में-**

- (क) "नगर पंचायत" से तात्पर्य नगर पंचायत, फूलपुर, जनपद आजमगढ़ से है।
- (ख) "अधिनियम" से तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है।
- (ग) "अधिशाली अधिकारी" से तात्पर्य नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ से है।
- (घ) "अध्यक्ष/प्रशासक/बोर्ड" का तात्पर्य नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ के अध्यक्ष/प्रशासक/बोर्ड से है।
- (ङ) "भवन/भूमि" से तात्पर्य नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ की सीमा में स्थित भूमि/भवन से है।
- (च) "स्वकर निर्धारण प्रणाली" से तात्पर्य उस व्यवस्था से है जिसे उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अपने आदेश संख्या 135/नौ-9-11-190 द्वि0रा0वि0आ0/04 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के द्वारा उत्तर प्रदेश की समस्त निकायों में लागू किया गया है।
- (छ) "आवासीय भवन" से तात्पर्य उस भवन से है जिसका प्रयोग उसके स्वामी/अध्यासी द्वारा निवास के रूप में किया जा रहा है।
- (ज) "व्यावसायिक भवन" से तात्पर्य उस भवन से है जिसका प्रयोग व्यावसायिक गतिविधियों के रूप में हो रहा हो।
- (झ) "मिश्रित भवन" से तात्पर्य उस भवन से है जिसमें आवासीय के साथ-साथ व्यावसायिक गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं।
- (ञ) "पक्का भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी छत आर0सी0सी0 या आर0बी0सी0 पद्धति से निर्मित हो तथा आधुनिक भवन निर्माण सामग्री का प्रयोग किया गया है।
- (ट) "अन्य पक्का भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी छत कड़ी,पटियों से निर्मित हो।
- (ठ) "कच्चा भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी छत अस्थायी साधनों यथा छप्पर, लोहा, सीमेण्ट की चादर आदि से निर्मित है।
- (ड) "मासिक किराया दर" से तात्पर्य इस नियमावली में भवनों/भूमि के कारपेट आच्छादित क्षेत्रफल के लिए निर्धारित प्रति वर्ग फुट किराये से है।
- (ढ) "वार्षिक मूल्य" से तात्पर्य पालिका अधिनियम की धारा 140 में उल्लिखित वार्षिक मूल्य से है।

- (ण) “आच्छादित क्षेत्रफल” से तात्पर्य कुर्सी क्षेत्र के ऊपर निर्मित भवन के प्रत्येक तल के कुल आच्छादित क्षेत्र से है।
- (त) “कारपेट एरिया” से तात्पर्य भवन के उस क्षेत्र से है जहाँ कारपेट बिछाया जा सकें।
- (थ) “मोहल्ले की श्रेणी” से तात्पर्य मोहल्ले के विकास की स्थित भवनों की स्थिति नाली, सड़क, खड्गजे स्थानीय लोगो के रहन-सहन इत्यादि से है।
- (द) “मार्ग की चौड़ाई” से तात्पर्य सार्वजनिक मार्ग के दोनों ओर स्थित दोनो सरकारी नाली/नाला के बीच की दूरी से है।
- (घ) मार्ग पर सूअर द्वारा विचरण करने पर प्रति सूअर रू0 250.00 अर्थ दण्ड के रूप में लिया जायेगा। तथा सूअर पालन का स्थान नगर के बाहर रहेगा।
- (न) नगर पंचायत, फूलपुर में लगाए गये टावर से वार्षिक वसूली पत्र सं0 8/5715 दिनांक 30 जून, 2014 द्वारा सभी कम्पनियों के टावरों पर रू0 20,000.00 वार्षिक शुल्क लगाया जाय। टावर जो नगर पंचायत की सी0सी0/ इण्टरलाकिंग/ खड्गजा/ पीच रोड के किनारें स्थित हों।

#### 4-वार्षिक मूल्यांकन के आधार पर आंगणित कर से संबन्धित आधारभूत तथ्य-

नगर पंचायत या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कार्यपालक अधिकारी नगर पंचायत क्षेत्र या उसके भाग में नियमावली में विहित रीति के अनुसार क्षेत्रफल समय-समय पर किराया दर और कर निर्धारण सूची तैयार करवायेंगे। (संशोधित धारा 141)

- (क) इस अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी किसी भवन के संबंध में कर भुगतान के लिए प्राथमिक रूप से उत्तरदायी स्वामी या अध्यासी अपने द्वारा संदेय संपत्ति की धनराशि के संबंध में प्रतिवर्ष अपनी देनदारी का निर्धारण स्वयं कर सकता है और अपने द्वारा इस रीति से इस प्रकार निर्धारण करने के साथ स्वनिर्धारण विवरण ऐसे प्रपत्र में जैसा कि विहित किया जाये, जमा कर सकता है।
- (ख) सर्वेक्षण के दौरान आवासीय और व्यावसायिक भवनों के पृथक-पृथक भवन संख्यायें आवंटित की जायेंगी, यदि किसी भवन में आवासीय एवं व्यावसायिक दोनों गतिविधियाँ पायी जाती है तो दोनो को पृथक-पृथक भवन संख्यायें आवंटित की जायेंगी। (यथा भवन यदि आवासीय है तो 1-1 सी, 1-2 आदि डाले जायेंगे।)
- (ग) व्यावसायिक भवनों पर कर निर्धारण नगर पंचायत अधिनियम में उल्लिखित नियमों के अनुसार किया जायेगा।
- (घ) आवासीय भवनों का स्वकर निर्धारण से पूर्ण विवरण प्रपत्र वित्तीय वर्ष 2019-20 में भवन स्वामी द्वारा पंचायत कार्यालय में जमा किया जायेगा। यदि भवन नवनिर्मित है तो निर्माण पूर्ण होने के 15 दिवस के भीतर पूर्ण विवरण प्रपत्र पंचायत कार्यालय जमा किया जायेगा।

#### 5-कारपेट एरिया की गणना निम्नानुसार की जायेगी-

- |  |                                  |
|--|----------------------------------|
| (क) कमरे   | — आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।     |
| (ख) आच्छादित बरामदा  | — आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।     |
| (ग) बालकनी, कोरीडोर, रसाई व भण्डार गृह                     | — आन्तरिक आयाम की 50 फीसदी माप।  |
| (घ) गैराज  | — आन्तरिक आयाम की 1/4 फीसदी माप। |
| (ङ) स्नानगृह, शौचालय, पोर्टिको और जीने से आच्छादित क्षेत्र | — कारपेट एरिया का भाग नहीं होगा। |

अथवा

कारपेट एरिया

— आच्छादित क्षेत्रफल का 80 प्रतिशत भाग।

#### 6-कर का निर्धारण-कर का निर्धारण निम्नांकित के आधार पर किया जायेगा-

- (क) वार्षिक मूल्य का गणना, वार्षिक मूल्य-कारपेट एरिया x निर्धारित प्रति इकाई का क्षेत्रफल किराया दर x 12
- या

आच्छादित क्षेत्रफल 80% x निर्धारित प्रति इकाई का क्षेत्रफल किराया दर x 12

**7-करों का भुगतान-**

अधिकांश अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत बनाये गये नियम के अधीन निर्धारित भवन/भूमि (सम्पत्ति) कर के भुगतान हेतु स्वामी/अध्यासी को बिल भेजेगा, जिसमें एक ऐसा दिनांक निर्दिष्ट होगा जिस दिवस को नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ कार्यालय अथवा उसके द्वारा अधिसूचित बैंक में कर का भुगतान किया जायेगा। स्वकर निर्धारण का भुगतान सार्वजनिक सूचना द्वारा सूचित किये जाने पर भी निर्धारित तिथि तक किया जायेगा। निर्धारित अवधि में भुगतान न करने की दशा में नियमावली में दी गयी शास्ति (दण्ड) तथा नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 173 (क) के भी अनुसार कर की वसूली की जायेगी। धारा 173 (क) की कार्यवाही का खर्च तथा बकाया धनराशि पर 10 प्रतिशत विलम्ब शुल्क लिया जायेगा।

**8-स्वतः अध्यासित भवनों के लिये छूट-**

- (क) 10 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 25 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी।
- (ख) 10 वर्ष से 20 वर्ष तक पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 32.5 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी।
- (ग) 20 वर्ष से अधिक पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 40 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी।

**9-किराये पर उठे आवासीय भवन-**

- (क) [1] 10 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 25 प्रतिशत वृद्धि की जावेगी।
- [2] 10-20 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 12.50 प्रतिशत वृद्धि की जावेगी।
- [3] 20 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में कोई वृद्धि नहीं होगी।
- (ख) किराये पर उठे व्यावसायिक भवन का मूल्यांकन अनुबंध में उल्लिखित वास्वविक किराये या किराया मूल्यांकन जो अधिक हो, पर किया जायेगा।

**10-व्यावसायिक सम्पत्तियों से तात्पर्य-**

सभी प्रकार की फुटकर दुकानें, शोरूम, बेकरी, आटा चक्की, कोयला, लकड़ी, कृषि उपकरणों के विक्रय केन्द्र, शीतगृह, रिजोर्ट, होटल, वेबसाइट, रेस्टोरेन्ट, भोजनालय, जलपानगृह, रेस्टोरेन्ट कैटीन, सिनेमा व मल्टीप्लेक्स, अस्थायी सिनेमा, पी0सी0ओ0, पेट्रोल व डीजल फिलिंग स्टेशन, गोदाम/गैस अधिष्ठान, भण्डारण गोदाम, निजी कार्यालय, बैंक वाणिज्य कार्यालय आदि से है।

**11-औद्योगिक सम्पत्तियों से तात्पर्य-**

सेवा/कुटीर उद्योग, पावरलूम, कारखाना, सूचना प्रौद्योगिकी/साफ्टवेयर टेक्नालॉजी/एल0पी0जी0 व फिलिंग प्लान्ट, विद्युत उत्पादन संयंत्र/केन्द्र आदि अन्य उद्योगों से है।

**12-इन्स्टीट्यूशनल (संस्थागत) सम्पत्तियों से तात्पर्य-**

राजकीय, अर्द्धराजकीय, स्थानीय कार्यालय, श्रमिक कल्याण केन्द्र पी0ए0सी0 पुलिस लाइन, मौसम अनुसंधान केन्द्र, वायरलेस केन्द्र, अतिथि गृह, धर्मशाला, रैन बसेरा, लॉजिंग बोर्डिंग हाउस छात्रावास, अनाथालय, सुधारालय, कारागार, हैंडीकेप, चिल्ड्रेन हाउस, शिशु गृह एवं दिवस देखभाल केन्द्र, वृद्धावस्था केन्द्र, प्राथमिक शैक्षिक संस्थान, उच्च माध्यमिक इण्टर/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/पॉलीटेक्निक, इंजीनियरिंग, विशिष्ट शैक्षिक संस्थान, आई0टी0आई0, डाकघर, तारघर, पुलिस स्टेशन/चौकी, अग्निशमन केन्द्र, पुस्तकालय/वाचनालय, पाठ्य प्रशिक्षण केन्द्र, सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, पेन्टिंग, कम्प्यूटर प्रशिक्षण इत्यादि। ऑडिटोरियम, नाट्यशाला, थियेटर, योग, सामुदायिक केन्द्र, धार्मिक केन्द्र, बारात घर, कान्फ्रेंस एवं मीटिंग हाल, प्रदर्शनी केन्द्र, रेडियो व टेलीविजन कार्यालय/केन्द्र, नर्सिंग होम व अस्पताल आदि।

**नोट-**ऐसी सम्पत्तियां कर से मुक्त होंगी जैसे-कब्रिस्तान/शमशान घाट, सार्वजनिक पूजा स्थल या धार्मिक प्रयोग अनुसंधान एवं विकास के सरकारी सहायता प्राप्त संस्थाओं के मैदान, कृषि क्षेत्र, उद्यान, मान्यता प्राप्त या गैर मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थाओं के खेल के मैदान तथा क्रीड़ा स्थल/खेल का मैदान, प्राचीन स्मारक, भवन स्वामी द्वारा अध्यासित ऐसा भवन जो 30 वर्ग मी0 क्षेत्रफल या 15 वर्ग मी0 तक के कारपेट एरिया वाले भू-खण्ड पर निर्मित हो परन्तु भवन स्वामी का नगर पंचायत सीमा में कोई अन्य भवन न हो।

**13-रेन्ट कन्ट्रोल के मकान-**

रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम, 1972 के अधीन आने वाले आवासीय भवनों पर नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ प्रत्येक करों की गणना के लिए वार्षिक किराये का निर्धारण रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम के अन्तर्गत नहीं होगा। बल्कि उसके किराये का निर्धारण उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 के प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा, ऐसे भवनों के करों की देयता अब किरायेदार की होगी।

**14—**जिन भवनों/व्यापारिक भवनों में किरायेदार और सर्वे में भवन स्वामी का पता नहीं चलता है तो ऐसे भवनों के किरायेदार/अध्यासी को ही गृहकर, जलकर का भुगतान करना होगा।

**15—करो में छूट—**

(क) गृहकर/जलकर की देयता वार्षिक होगी, 01 अप्रैल से 30 जून के मध्य कर जमा करने की दशा में 10 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी। उसके पश्चात् कर जमा करने पर कोई छूट अनुमन्य नहीं होगी।

(ख) सम्बन्धित वर्ष में कर जमा नहीं करने की दशा में आगामी वित्तीय वर्ष में गृहकर एवं जलकर पर 10 प्रतिशत सरचार्ज देय होगा।

**16—अर्थदण्ड—**

उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ निश्चित करती है कि उपविधि के किसी भी नियम का उल्लंघन करना दण्डनीय अपराध होगा जो रु0 1,000.00 (एक हजार रुपये) तक हो सकता है और निरन्तर बने रहने की दशा में अतिरिक्त अर्थदण्ड देय होगा जो सर्वप्रथम दोष सिद्धि के दिनांक या अधिशासी अधिकारी अथवा नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ के लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा दिये गये नोटिस के दिनांक से प्रत्येक दिवस के लिए जिसके बारे में सिद्ध हो जाये कि जिसमें अपराधी अपराध करता रहा है रु0 25.00 (पच्चीस रुपये मात्र) प्रतिदिन अर्थदण्ड लिया जायेगा।

**17—**जब कभी भवन स्वामी द्वारा अध्यासित भवन को किराये पर दिया गया हो या किराये से वापस अपने अध्यासन में लिया गया हो तो इसके 03 माह के अन्दर प्रपत्र (ख) में ही पुनः विवरण प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा।

**18—**जब कभी भवन के कारपेट एरिया/भूमि के क्षेत्रफल अथवा दोनों में कोई परिवर्तन या परिवर्द्धन किया जाता है तो उसके 03 माह के अन्दर यथा स्थिति भवन स्वामी/अध्यासी द्वारा प्रपत्र (ख) में ही पुनः विवरण प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा।

**19—**जिन भवनों/भूमि को नगर पंचायत फूलपुर, आजमगढ़ द्वारा भवन/भूमि की संज्ञा दी जाती है उन्हें भी प्रपत्र (क) और प्रपत्र (ख) पर उपरोक्तानुसार भरकर जमा करना अनिवार्य है तथा उसके भवन/भूमि पर यदि कोई पूर्व बकाया है तो प्रपत्र 'क' के अनुसार देय कर एवं पूर्व कर भी जमा करेंगे।

**20—मकानों के हस्तान्तरण सम्बन्धी नियम—**

(क) यदि किसी भवन अथवा भूमि का जिस पर कर आरोपित है, स्वामित्व हस्तान्तरित होता है, तो स्वामित्व हस्तान्तरित करने वाले व्यक्ति तथा संस्था अथवा स्वामित्व पाने वाला व्यक्ति या संस्था ऐसे हस्तान्तरण के 03 माह के अन्दर उसकी सूचना बैनामें की छायाप्रति के साथ क्रय धनराशि का 01 प्रतिशत जमा करके अधिशासी अधिकारी को प्रेषित करना होगा अन्यथा रु0 50.00 प्रतिवर्ष की दर से विलम्ब शुल्क भी देय होगा।

(ख) यदि किसी करदाता अथवा भवन/भूमि के स्वामी की मृत्यु हो जाती है तो उसके वारिस को मृत्यु की दिनांक से 03 माह के अन्दर इसकी लिखित सूचना रु0 500.00 शुल्क जमा करके अधिशासी अधिकारी को देनी होगी अन्यथा रु0 50.00 प्रतिवर्ष के दर से विलम्ब शुल्क भी देय होगा।

(ग) यदि किसी भूमि/भवन का वारिस/उत्तराधिकारी 03 माह के अन्दर सूचना देने में असफल रहता है तो 03 माह के बाद प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते समय उसे नामान्तरण शुल्क के साथ रु0 200.00 विलम्ब शुल्क भी देय होगा तभी प्रार्थना-पत्र पर कार्यवाही की जायेगी अन्यथा रु0 50.00 प्रतिवर्ष की दर से विलम्ब शुल्क भी देय होगा।

**21—कर निर्धारण दर—**

गृहकर वार्षिक मूल्य का 10 प्रतिशत तथा जलकर वार्षिक मूल्य का 10 प्रतिशत देय होगा।

**22—**इस विधि के किसी प्राविधान के बारे में बोर्ड यदि संतुष्ट है कि उपविधि के किसी प्राविधान का दुरुपयोग पंचायत द्वारा किया जा रहा है अथवा कोई प्राविधान जनहित में नहीं है तो उक्त प्राविधान को निरस्त करने, छूट देने अथवा संशोधित करने का अधिकार बोर्ड में निहित होगा। इसके अतिरिक्त समय-समय पर निर्गत विषयागत शासनादेशों, कर वसूली हेतु शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुपालन के क्रम में विहित प्रावधानों में सुसंगत संशोधन करने का अधिकार अध्यक्ष तथा/अथवा अधिशासी अधिकारी में निहित होगा।

**23—मुख्य मार्ग का तात्पर्य—**

मुख्य मार्ग में वे सभी सड़के आयेंगी, जिसकी चौड़ाई 12 मीटर से अधिक होगी।

**24—अन्य मार्ग का तात्पर्य—**

मुख्य मार्ग से अन्दर के मार्ग व मोहल्ला/कालोनी में जाने वाली सड़कें एवं समस्त गलियां अन्य मार्गों में आयेंगी।

**25—**अधिशाली अधिकारी, नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ द्वारा अपनी सीमान्तर्गत स्थित भवनों/भूमियों का वार्षिक मूल्यांकन निम्न दरों पर निर्धारित किया जायेगा।

**26—** अधिशाली अधिकारी, नगर पंचायत, फूलपुर, आजमगढ़ द्वारा सत्यापित मासिक किराया (प्रति वर्ग फुट) के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय अधिशाली अधिकारी/नगर पंचायत, फूलपुर आजमगढ़ में निहित होगा।

**करों की श्रेणी में वर्गीकरण एवं सम्पत्ति कर (गृहकर व जलकर) स्वमूल्यांकन व्यवस्था का विवरण निर्धारण मासिक किराया दर प्रतिवर्ग फुट की सूची**

12 मी0 से अधिक चौड़ी सड़क				3 मी0 से 12 मी0 चौड़ी सड़क				1 मी0 से 3 मी0 चौड़ी सड़क पर/समस्त गलियां			
R.C.C/ R.B.C.	गाटर पटिया	अन्य पक्का	रिक्त भूमि/ भूखण्ड	R.C.C/ R.B.C.	गाटर पटिया	अन्य पक्का	रिक्त भूमि/ भूखण्ड	R.C.C/ R.B.C.	गाटर पटिया	अन्य पक्का	रिक्त भूमि/ भूखण्ड
0.50	0.40	0.45	0.20	0.40	0.30	0.35	0.15	0.30	0.20	0.25	0.10

**नोट-1—**उपरोक्त सूची में त्रुटिवश यदि कोई अन्य माप की सड़क छूट गयी हो तो उस पर न्यूनतम मासिक किराया दर आस-पास की सड़कों समकक्ष होगा। स्वकर निर्धारण की अन्य कार्यवाही उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 के अन्तर्गत की जायेगी।

**2—**उक्त वर्णित दरों से अनावासीय/व्यवसायिक सम्पत्तियों का कर निर्धारण उपयोग के आधार पर दो गुने के अनुसार की जायेगी।

**3—**उक्त रिक्त भूमि/भू-खण्ड की दरें व्यावसायिक प्रयोग होने पर लागू होंगी।

**4—**इस उपविधि के लागू होने की तिथि से पूर्व जमा किये गये कर को बकाया/अग्रिम देयकों में समायोजित किया जायेगा तथा उक्त सम्बन्ध में अंतिम निर्णय अधिशाली अधिकारी नगर पंचायत फूलपुर में निहित होगा।

**शास्ति**

नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत फूलपुर, आजमगढ़ यह आदेश देती है कि—

**1—**जो व्यक्ति इस नियमावली के उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या उल्लंघन करने के लिये दुष्प्रेरित करेगा, उसे रु0 1,000.00 (एक हजार रुपये) के अर्थदण्ड से दण्डित किया जा सकता है और जब ऐसा उल्लंघन निरन्तर किये जाने की स्थिति में प्रथम दोष सिद्ध के दिनांक के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसमें अपराधी का अपराध करना सिद्ध होगा, रु0 25.00 (पच्चीस रुपये) तक हो सकेगा।

**2—**उपनियम (1) में निर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी इस नियमावली के अधीन दण्डनीय किसी अपराध का प्रशमन, अपराध के लिए नियत अर्थदण्ड की अन्यून तिहाई धनराशि और अनधिक आधी धनराशि की वसूली पर अध्यक्ष/अधिशाली अधिकारी या उसके द्वारा किसी नामित अधिकारी द्वारा किया जा सकता है।

शिव प्रसाद जायसवाल,  
अध्यक्ष,  
नगर पंचायत फूलपुर,  
आजमगढ़।

## कार्यालय नगर पंचायत, माहुल, जनपद आजमगढ़

27 जनवरी, 2021 ई0

सं0 549/न0पं0मा0/स्व0उप0/2020-21-उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298(1) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उ0प्र0 अधिनियम संख्या-8 सन् 2011 द्वारा किये गये संशोधन एवं नगर विकास अनुभाग-9 उ0प्र0 शासन के आदेश संख्या-135/नौ-9-11-190 द्वि0रा0वि0आ0/04 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के अनुपालन में नगर पंचायत, माहुल की सीमान्तर्गत भवनों पर स्वकर प्रणाली के अन्तर्गत कर निर्धारण किये जाने हेतु बोर्ड बैठक 26 दिसम्बर 2020 को प्रस्ताव संख्या 01 के द्वारा सर्वसम्मत से नियमावली बनाये जाने के निर्णय के क्रम में दिनांक 31 दिसम्बर, 2020 के द्वारा समाचार-पत्र दैनिक "हिन्दुस्तान" में प्रकाशित कराकर 15 दिनों के अन्दर आपत्तियों हेतु सूचित किया गया, किन्तु उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में सरकारी गजट में प्रकाशन कराने हेतु स्वीकृत प्रदान की जाती है। अतः यह उपविधि को अन्तिम रूप से लागू करने हेतु नगर पंचायत, माहुल, आजमगढ़ द्वारा स्वीकृत की जाती है। यह उपविधि गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

### उपविधि

#### 1-उपविधि का नाम-

यह नियमावली स्वकर निर्धारण नियमावली नगर पंचायत, माहुल के नाम से जानी जायेगी।

#### 2-अर्थ-

स्वकर निर्धारण प्रणाली के तहत भवन स्वामी स्वयं ही अपने भवन की माप कर इस नियमावली में उल्लिखित शर्तों एवं दरों के आधार पर आगणन कर भवन पर कर निर्धारण कर सकेगा।

#### 3-परिभाषाएँ-इस नियमावली में-

- (क) "नगर पंचायत" से तात्पर्य नगर पंचायत माहुल, जनपद आजमगढ़ से है।
- (ख) "अधिनियम" से तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है।
- (ग) "अधिशाली अधिकारी" से तात्पर्य नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ से है।
- (घ) "अध्यक्ष/प्रशासक/बोर्ड" का तात्पर्य नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ के अध्यक्ष/प्रशासक/बोर्ड से है।
- (ङ) "भवन/भूमि" से तात्पर्य नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ की सीमा में स्थित भूमि/भवन से है।
- (च) "स्वकर निर्धारण प्रणाली" से तात्पर्य उस व्यवस्था से है जिसे उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अपने आदेश संख्या 135/नौ-9-11-190 द्वि0रा0वि0आ0/04 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2011 के द्वारा उत्तर प्रदेश की समस्त निकायों में लागू किया गया है।
- (छ) "आवासीय भवन" से तात्पर्य उस भवन से है जिसका प्रयोग उसके स्वामी/अध्यासी द्वारा निवास के रूप में किया जा रहा है।
- (ज) "व्यावसायिक भवन" से तात्पर्य उस भवन से है जिसका प्रयोग व्यावसायिक गतिविधियों के रूप में हो रहा हो।
- (झ) "मिश्रित भवन" से तात्पर्य उस भवन से है जिसमें आवासीय के साथ-साथ व्यावसायिक गतिविधियाँ संचालित हो रही है।
- (ञ) "पक्का भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी छत आर0सी0सी0 या आर0बी0सी0 पद्धति से निर्मित हो तथा आधुनिक भवन निर्माण सामग्री का प्रयोग किया गया है।
- (ट) "अन्य पक्का भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी छत कड़ी, पटियों से निर्मित हो।
- (ठ) "कच्चा भवन" से तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी छत अस्थायी साधनों यथा छप्पर, लोहा, सीमेण्ट की चादर आदि से निर्मित है।
- (ड) "मासिक किराया दर" से तात्पर्य इस नियमावली में भवनों/भूमि के कारपेट आच्छादित क्षेत्रफल के लिए निर्धारित प्रति वर्ग फुट किराये से है।

- (ढ) “वार्षिक मूल्य” से तात्पर्य पालिका अधिनियम की धारा 140 में उल्लिखित वार्षिक मूल्य से है।
- (ण) “आच्छादित क्षेत्रफल” से तात्पर्य कुर्सी क्षेत्र के ऊपर निर्मित भवन के प्रत्येक तल के कुल आच्छादित क्षेत्र से है।
- (त) “कारपेट एरिया” से तात्पर्य भवन के उस क्षेत्र से है जहाँ कारपेट बिछाया जा सकें।
- (थ) “मोहल्ले की श्रेणी” से तात्पर्य मोहल्ले के विकास की स्थित भवनों की स्थिति नाली, सड़क, खड़न्जे स्थानीय लोगो के रहन-सहन इत्यादि से है।
- (द) “मार्ग की चौड़ाई” से तात्पर्य सार्वजनिक मार्ग के दोनों ओर स्थित दोनों सरकारी नाली/नाला के बीच की दूरी से है।

#### 4-वार्षिक मूल्यांकन के आधार पर आंगणित कर से संबंधित आधारभूत तथ्य-

नगर पंचायत या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कार्यपालक अधिकारी नगर पंचायत क्षेत्र या उसके भाग में नियमावली में विहित रीति के अनुसार क्षेत्रफल समय-समय पर किराया दर और कर निर्धारण सूची तैयार करवायेंगे। (संशोधित धारा 141)

(क) इस अधिनियम के किसी अन्य उपबन्ध में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी किसी भवन के संबंध में कर भुगतान के लिए प्राथमिक रूप से उत्तरदायी स्वामी या अध्यासी अपने द्वारा संदेय संपत्ति की धनराशि के संबंध में प्रतिवर्ष अपनी देनदारी का निर्धारण स्वयं कर सकता है और अपने द्वारा इस रीति से इस प्रकार निर्धारण करने के साथ स्वनिर्धारण विवरण ऐसे प्रपत्र में जैसा कि विहित किया जाये, जमा कर सकता है।

(ख) सर्वेक्षण के दौरान आवासीय और व्यावसायिक भवनों के पृथक-पृथक भवन संख्यायें आवंटित की जायेंगी, यदि किसी भवन में आवासीय एवं व्यावसायिक दोनों गतिविधियाँ पायी जाती हैं तो दोनों को पृथक-पृथक भवन संख्यायें आवंटित की जायेंगी। (यथा भवन यदि आवासीय है तो 1-1 सी, 1-2 आदि डाले जायेंगे।)

(ग) व्यावसायिक भवनों पर कर निर्धारण नगर पंचायत अधिनियम में उल्लिखित नियमों के अनुसार किया जायेगा।

(घ) आवासीय भवनों का स्वकर निर्धारण से पूर्ण विवरण प्रपत्र वित्तीय वर्ष 2019-20 में भवन स्वामी द्वारा पंचायत कार्यालय में जमा किया जायेगा। यदि भवन नवनिर्मित है तो निर्माण पूर्ण होने के 15 दिवस के भीतर पूर्ण विवरण प्रपत्र पंचायत कार्यालय में जमा किया जायेगा।

#### 5-कारपेट एरिया की गणना निम्नानुसार की जायेगी-

- |  |                                  |
|--|----------------------------------|
| (क) कमरे   | — आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।     |
| (ख) आच्छादित बरामदा  | — आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप।     |
| (ग) बालकनी, कोरीडोर, रसाई व भण्डार गृह                     | — आन्तरिक आयाम की 50 फीसदी माप।  |
| (घ) गैराज  | — आन्तरिक आयाम की 1/4 फीसदी माप। |
| (ङ) स्नानगृह, शौचालय, पोर्टिको और जीने से आच्छादित क्षेत्र | — कारपेट एरिया का भाग नहीं होगा। |

अथवा

कारपेट एरिया — आच्छादित क्षेत्रफल का 80 प्रतिशत भाग।

#### 6-कर का निर्धारण-

कर का निर्धारण निम्नांकित के आधार पर किया जायेगा-

- (क) वार्षिक मूल्य का गणना, वार्षिक मूल्य-कारपेट एरिया x निर्धारित प्रति इकाई का क्षेत्रफल किराया दर x 12
- या

आच्छादित क्षेत्रफल 80% x निर्धारित प्रति इकाई का क्षेत्रफल किराया दर x 12



**7-करों का भुगतान-**

अधिशाली अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत बनाये गये नियम के अधीन निर्धारित भवन/भूमि (सम्पत्ति) कर के भुगतान हेतु स्वामी/अध्यासी को बिल भेजेगा, जिसमें एक ऐसा दिनांक निर्दिष्ट होगा जिस दिवस को नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ कार्यालय अथवा उसके द्वारा अधिसूचित बैंक में कर का भुगतान किया जायेगा। स्वकर निर्धारण का भुगतान सार्वजनिक सूचना द्वारा सूचित किये जाने पर भी निर्धारित तिथि तक किया जायेगा। निर्धारित अवधि में भुगतान न करने की दशा में नियमावली में दी गयी शास्ति (दण्ड) तथा नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 173 (क) के भी अनुसार कर की वसूली की जायेगी। धारा 173 (क) की कार्यवाही का खर्च तथा बकाया धनराशि पर 10 प्रतिशत विलम्ब शुल्क लिया जायेगा।

**8-स्वतः अध्यासित भवनों के लिये छूट-**

- (क) 10 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 25 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी।
- (ख) 10 वर्ष से 20 वर्ष तक पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 32.5 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी।
- (ग) 20 वर्ष से अधिक पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 40 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी।

**9-किराये पर उठे आवासीय भवन-**

- (क) [1] 10 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 25 प्रतिशत वृद्धि की जावेगी।
- [2] 10-20 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में 12.50 प्रतिशत वृद्धि की जावेगी।
- [3] 20 वर्ष तक के पुराने भवनों के वार्षिक मूल्यांकन में कोई वृद्धि नहीं होगी।

(ख) किराये पर उठे व्यावसायिक भवन का मूल्यांकन अनुबंध में उल्लिखित वास्तविक किराये या किराया मूल्यांकन जा अधिक हो, पर किया जायेगा।

**10-व्यावसायिक सम्पत्तियों से तात्पर्य-**

सभी प्रकार की फुटकर दुकानें, शोरूम, बेकरी, आटा चक्की, कोयला, लकड़ी, कृषि उपकरणों के विक्रय केन्द्र, शीतगृह, रिजोर्ट, होटल, वेबसाइट, रेस्टोरेन्ट, भोजनालय, जलपानगृह, रेस्टोरेन्ट कैटीन, सिनेमा व मल्टीप्लेक्स, अस्थायी सिनेमा, पी0सी0ओ0, पेट्रोल व डीजल फिलिंग स्टेशन, गोदाम/गैस अधिष्ठान, भण्डारण गोदाम, निजी कार्यालय, बैंक वाणिज्य कार्यालय आदि से है।

**11-औद्योगिक सम्पत्तियों से तात्पर्य-**

सेवा/कुटीर उद्योग, पावरलूम, कारखाना, सूचना प्रौद्योगिकी/साफ्टवेयर टेक्नालॉजी/एल0पी0जी0 व फिलिंग प्लान्ट, विद्युत उत्पादन संयंत्र/ केन्द्र आदि अन्य उद्योगों से है।

**12-इन्स्टीट्यूशनल (संस्थागत) सम्पत्तियों से तात्पर्य-**

राजकीय, अर्द्धराजकीय, स्थानीय कार्यालय, श्रमिक कल्याण केन्द्र पी0ए0सी0 पुलिस लाइन, मौसम अनुसंधान केन्द्र, वायरलेस केन्द्र, अतिथि गृह, धर्मशाला, रैन बसेरा, लॉजिंग बोर्डिंग हाउस छात्रावास, अनाथालय, सुधारालय, कारागार, हैंडीकेप, चिल्ड्रेन हाउस, शिशु गृह एवं दिवस देखभाल केन्द्र, वृद्धावस्था केन्द्र, प्राथमिक शैक्षिक संस्थान, उच्च माध्यमिक इण्टर/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/पॉलीटेक्निक, इंजीनियरिंग, विशिष्ट शैक्षिक संस्थान, आई0टी0आई0, डाकघर, तारघर, पुलिस स्टेशन/चौकी, अग्निशमन केन्द्र, पुस्तकालय/वाचनालय, पाठ्य प्रशिक्षण केन्द्र, सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, पेन्टिंग, कम्प्यूटर प्रशिक्षण इत्यादि। ऑडिटोरियम, नाट्यशाला, थियेटर, योग, सामुदायिक केन्द्र, धार्मिक केन्द्र, बारात घर, कान्फ्रेंस एवं मीटिंग हाल, प्रदर्शनी केन्द्र, रेडियो व टेलीविजन कार्यालय/केन्द्र, नर्सिंग होम व अस्पताल आदि।

**नोट-** ऐसी सम्पत्तियाँ कर से मुक्त होंगी जैसे-कब्रिस्तान/शमशान घाट, सार्वजनिक पूजा स्थल या धार्मिक प्रयोग अनुसंधान एवं विकास के सरकारी सहायता प्राप्त संस्थाओं के मैदान, कृषि क्षेत्र, उद्यान, मान्यता प्राप्त या गैर मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थाओं के खेल के मैदान तथा क्रीड़ा स्थल/खेल का मैदान, प्राचीन स्मारक, भवन स्वामी द्वारा अध्यासित ऐसा भवन जो 30 वर्ग मी0 क्षेत्रफल या 15 वर्ग मी0 तक के कारपेट एरिया वाले भू-खण्ड पर निर्मित हो परन्तु भवन स्वामी का नगर पंचायत सीमा में कोई अन्य भवन न हो।

**13—रेन्ट कन्ट्रोल के मकान—**

रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम, 1972 के अधीन आने वाले आवासीय भवनों पर नगर पंचायत, माहुल, आजमगढ़ प्रत्येक करों की गणना के लिए वार्षिक किराये का निर्धारण रेन्ट कन्ट्रोल अधिनियम के अन्तर्गत नहीं होगा। बल्कि उसके किराये का निर्धारण उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 के प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा, ऐसे भवनों के करों की देयता अब किरायेदार की होगी।

**14—**जिन भवनों/व्यापारिक भवनों में किरायेदार और सर्वे में भवन स्वामी का पता नहीं चलता है तो ऐसे भवनों के किरायेदार/अध्यासी को ही गृहकर, जलकर का भुगतान करना होगा।

**15—करों में छूट—**

(क) गृहकर/जलकर की देयता वार्षिक होगी, 01 अप्रैल से 30 जून के मध्य कर जमा करने की दशा में 10 प्रतिशत की छूट अनुमन्य होगी। उसके पश्चात् कर जमा करने पर कोई छूट अनुमन्य नहीं होगी।

(ख) सम्बन्धित वर्ष में कर जमा नहीं करने की दशा में आगामी वित्तीय वर्ष में गृहकर एवं जलकर पर 10 प्रतिशत सरचार्ज देय होगा।

**16—अर्थदण्ड—**

उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ निश्चित करती है कि उपविधि के किसी भी नियम का उल्लंघन करना दण्डनीय अपराध होगा जो रु0 1,000.00 (एक हजार रुपये) तक हो सकता है और निरन्तर बने रहने की दशा में अतिरिक्त अर्थदण्ड देय होगा जो सर्वप्रथम दोष सिद्धि के दिनांक या अधिशासी अधिकारी अथवा नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ के लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा दिये गये नोटिस के दिनांक से प्रत्येक दिवस के लिए जिसके बारे में सिद्ध हो जाये कि जिसमें अपराधी अपराध करता रहा है रु0 25.00 (पच्चीस रुपये मात्र) प्रतिदिन अर्थदण्ड लिया जायेगा।

**17—**जब कभी भवन स्वामी द्वारा अध्यासित भवन को किराये पर दिया गया हो या किराये से वापस अपने अध्यासन में लिया गया हो तो इसके 03 माह के अन्दर प्रपत्र (ख) में ही पुनः विवरण प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा।

**18—**जब कभी भवन के कारपेट एरिया/भूमि के क्षेत्रफल अथवा दोनों में कोई परिवर्तन या परिवर्द्धन किया जाता है तो उसके 03 माह के अन्दर यथा स्थिति भवन स्वामी/अध्यासी द्वारा प्रपत्र (ख) में ही पुनः विवरण प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा।

**19—**जिन भवनों/भूमि को नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ द्वारा भवन/भूमि की संज्ञा दी जाती है उन्हें भी प्रपत्र (क) और प्रपत्र (ख) पर उपरोक्तानुसार भरकर जमा करना अनिवार्य है तथा उसके भवन/भूमि पर यदि कोई पूर्व बकाया है तो प्रपत्र 'क' के अनुसार देय कर एवं पूर्व कर भी जमा करेंगे।

**20—मकानों के हस्तान्तरण सम्बन्धी नियम—**

(क) यदि किसी भवन अथवा भूमि का जिस पर कर आरोपित है, स्वामित्व हस्तान्तरित होता है, तो स्वामित्व हस्तान्तरित करने वाले व्यक्ति तथा संस्था अथवा स्वामित्व पाने वाला व्यक्ति या संस्था ऐसे हस्तान्तरण के 03 माह के अन्दर उसकी सूचना बैनामें की छाया प्रति के साथ क्रय धनराशि का 01 प्रतिशत जमा करके अधिशासी अधिकारी को प्रेषित करना होगा अन्यथा रु0 50.00 प्रतिवर्ष की दर से विलम्ब शुल्क भी देय होगा।

(ख) यदि किसी करदाता अथवा भवन/भूमि के स्वामी की मृत्यु हो जाती है तो उसके वारिस को मृत्यु की दिनांक से 03 माह के अन्दर इसकी लिखित सूचना रु0 500.00 शुल्क जमा करके अधिशासी अधिकारी को देनी होगी अन्यथा रु0 50.00 प्रतिवर्ष के दर से विलम्ब शुल्क भी देय होगा।

(ग) यदि किसी भूमि/भवन का वारिस/उत्तराधिकारी 03 माह के अन्दर सूचना देने में असफल रहता है तो 03 माह के बाद प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते समय उसे नामान्तरण शुल्क के साथ रु0 200.00 विलम्ब शुल्क भी देय होगा तभी प्रार्थना-पत्र पर कार्यवाही की जायेगी अन्यथा रु0 50.00 प्रतिवर्ष की दर से विलम्ब शुल्क भी देय होगा।

**21—कर निर्धारण दर—**

गृहकर वार्षिक मूल्य का 10 प्रतिशत तथा जलकर वार्षिक मूल्य का 10 प्रतिशत देय होगा।

**22—**इस विधि के किसी प्राविधान के बारे में बोर्ड यदि संतुष्ट है कि उपविधि के किसी प्राविधान का दुरुपयोग पंचायत द्वारा किया जा रहा है अथवा कोई प्राविधान जनहित में नहीं है तो उक्त प्राविधान को निरस्त करने, छूट देने अथवा संशोधित करने का अधिकार बोर्ड में निहित होगा। इसके अतिरिक्त समय-समय पर निर्गत विषयागत शासनादेशों, कर वसूली हेतु शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुपालन के क्रम में विहित प्रावधानों में सुसंगत संशोधन करने का अधिकार अध्यक्ष तथा/अथवा अधिशासी अधिकारी में निहित होगा।

### 23—मुख्य मार्ग का तात्पर्य—

मुख्य मार्ग में वे सभी सड़के आयेंगी, जिसकी चौड़ाई 12 मीटर से अधिक होगी।

### 24—अन्य मार्ग का तात्पर्य—

मुख्य मार्ग से अन्दर के मार्ग व मोहल्ला/कालोनी में जाने वाली सड़कें एवं समस्त गलियां अन्य मार्गों में आयेंगी।

**25—**अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ द्वारा अपनी सीमान्तर्गत स्थित भवनों/भूमियों का वार्षिक मूल्यांकन निम्न दरों पर निर्धारित किया जायेगा।

**26—**अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, माहुल, आजमगढ़ द्वारा सत्यापित मासिक किराया (प्रति वर्ग फुट) के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय अधिशासी अधिकारी/नगर पंचायत, माहुल, आजमगढ़ में निहित होगा।

#### करों की श्रेणी में वर्गीकरण एवं सम्पत्ति कर (गृहकर व जलकर) स्वमूल्यांकन व्यवस्था का विवरण निर्धारण मासिक किराया दर प्रतिवर्ग फुट की सूची

12 मी0 से अधिक चौड़ी सड़क				3 मी0 से 12 मी0 चौड़ी सड़क				1 मी0 से 3 मी0 चौड़ी सड़क पर/समस्त गलियां			
R.C.C/ R.B.C.	गाटर पटिया	अन्य पक्का	रिक्त भूमि/ भूखण्ड	R.C.C/ R.B.C.	गाटर पटिया	अन्य पक्का	रिक्त भूमि/ भूखण्ड	R.C.C/ R.B.C.	गाटर पटिया	अन्य पक्का	रिक्त भूमि/ भूखण्ड
0.50	0.40	0.45	0.20	0.40	0.30	0.35	0.15	0.30	0.20	0.25	0.10

### नोट—

**1—**उपरोक्त सूची में त्रुटिवश यदि कोई अन्य माप की सड़क छूट गयी हो तो उस पर न्यूनतम मासिक किराया दर आस-पास की सड़कों समकक्ष होगा। स्वकर निर्धारण की अन्य कार्यवाही उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 के अन्तर्गत की जायेगी।

**2—**उक्त वर्णित दरों से अनावासीय/व्यवसायिक सम्पत्तियों का कर निर्धारण उपयोग के आधार पर दो गुने के अनुसार की जायेगी।

**3—**उक्त रिक्त भूमि/भू-खण्ड की दरें व्यावसायिक प्रयोग होने पर लागू होंगी।

**4—**इस उपविधि के लागू होने की तिथि से पूर्व जमा किये गये कर को बकाया/अग्रिम देयकों में समायोजित किया जायेगा तथा उक्त सम्बन्ध में अंतिम निर्णय अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, माहुल में निहित होगा।

### शास्ति

नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 299(1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत माहुल, आजमगढ़ यह आदेश देती है कि—

**1—**जो व्यक्ति इस नियमावली के उपबन्धों का उल्लंघन करेगा या उल्लंघन करने के लिये दुष्प्रेरित करेगा, उसे रु0 1,000.00 (एक हजार रुपये) के अर्थदण्ड से दण्डित किया जा सकता है और जब ऐसा उल्लंघन निरन्तर किये जाने की स्थिति में प्रथम दोष सिद्ध के दिनांक के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसमें अपराधी का अपराध करना सिद्ध होगा, रु0 25.00 (पच्चीस रुपये) तक हो सकेगा।

**2—**उपनियम (1) में निर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी इस नियमावली के अधीन दण्डनीय किसी अपराध का प्रशमन, अपराध के लिए नियत अर्थदण्ड की अन्यून तिहाई धनराशि और अनधिक आधी धनराशि की वसूली पर अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी या उसके द्वारा किसी नामित अधिकारी द्वारा किया जा सकता है।

बदरे आलम,  
अध्यक्ष,  
नगर पंचायत माहुल,  
आजमगढ़।

**सूचना**

फर्म मेसर्स महालक्ष्मी सिलीकेट, 127/199 डब्लू-1, साकेत नगर, कानपुर में फर्म के संविधान दिनांक 07 जुलाई, 2008 में दिनांक 27 फरवरी, 2017 में निम्न परिवर्तन की सूचना देता हूँ। फर्म के साझीदार श्री विपिन सर्राफ पुत्र स्व० अमृत लाल, निवासी 124/बी/560 गोविन्द नगर, कानपुर तथा श्री बृज मोहन पुत्र स्व० अमर नाथ विज, निवासी 75, शक्ति नगर, ग्रीन रोड रोहतक फर्म की साझीदारी से स्वेच्छा से रिटायर्ड हो गये हैं। दिनांक 27 फरवरी, 2017 से फर्म की साझीदारी की स्थिति निम्नवत् है—

1—संजय विज पुत्र श्री हीरा लाल, निवासी म०न० 1296, सेक्टर-12, हूडा, पानीपत।

2—रमित विज पुत्र स्व० जुगल किशोर विज, निवासी 127/199 डब्लू-1, साकेत नगर, कानपुर।

रमित विज,

साझीदार,

फर्म मेसर्स महालक्ष्मी सिलीकेट,

127/199 डब्लू-1, साकेत नगर, कानपुर।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मे० श्री श्री रामदास फिलिंग स्टेशन, मुड़ी जहाँगीरपुर, जलेसर रोड, आगरा में स्थित है। उपरोक्त फर्म में हम भीकम चन्द उर्फ श्याम सुन्दर पुत्र श्री रामदास, निवासी-43, मुड़ी जहाँगीरपुर हसनपुर, आगरा एवं श्री बृज किशोर गौतम पुत्र श्री शिवनन्दन गौतम, आयु 44 वर्ष, निवासी मकान नं०-32, अंजनि बिहार, बजरंग नगर टेढ़ीबगिया कुबेरपुर, आगरा दोनों साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक 03 जुलाई, 2019, को संचालन की थी जो आज दिनांक 27 अगस्त, 2020 को अपनी स्वेच्छा से फर्म से श्री बृज किशोर गौतम पुत्र श्री शिवनन्दन गौतम, आयु 44 वर्ष, निवासी मकान नं०-32, अंजनि बिहार, बजरंग नगर टेढ़ीबगिया कुबेरपुर, आगरा पृथक हो गये हैं। अब फर्म को श्री भीकम चन्द उर्फ श्याम सुन्दर, प्रोपराईटर के रूप में संचालित करेंगे।

भीकम चन्द उर्फ श्याम सुन्दर,

साझेदार,

मे० श्री श्री रामदास फिलिंग स्टेशन,  
मुड़ी जहाँगीरपुर, जलेसर रोड, आगरा।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मे० ओरकिड फार्मस एण्ड रिजोर्ट्स जो 102, ग्वालियर रोड, आगरा में स्थित है उपरोक्त फर्म में रविन्द्र मोहन पचौरी पुत्र श्री आर० एस० पचौरी व डा० रजनी पचौरी पत्नी श्री रविन्द्र मोहन पचौरी, निवासीगण 1/55, देहली गेट, आगरा साझेदार थे। दिनांक 20 नवम्बर, 2020 को श्री ऋषभ पचौरी व डा० रजत पचौरी पुत्रगण डा० रविन्द्र मोहन पचौरी सम्मिलित हो गये हैं। वर्तमान में फर्म में रविन्द्र मोहन पचौरी, रजनी पचौरी, ऋषभ पचौरी व डा० रजत पचौरी साझेदार हैं।

रविन्द्र मोहन पचौरी।

**सूचना**

मेरे पुत्र अभय कुमार यादव का नाम मूल कागज व स्कूल अभिलेखों में त्रुटिवश रितिक कुमार यादव लिखा गया है। आज से भविष्य में मेरे पुत्र को अभय कुमार यादव के नाम से जाना व पहचाना जाय। अमरजीत यादव, 1ए/2, चक निरातुल, चौफटका, प्रयागराज।

अमरजीत यादव,

पिता का नाम-श्री हरी लाल यादव,

निवासी-1ए/2, चक निरातुल, चौफटका,  
प्रयागराज।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बड़ेलाल उर्फ राम कुमार के कुछ दस्तावेजों में बड़ेलाल दर्ज है, आधार कार्ड, पहचान-पत्र व पैन कार्ड में राम कुमार दर्ज है, जबकि दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में मुझे बड़ेलाल के नाम से जाना व पहचाना जाय।

बड़ेलाल उर्फ राम कुमार,

पुत्र राम लखन पाल,

नि० ग्राम बगई खुर्द, फूलपुर,

प्रयागराज।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी पत्र दिनांक 12 अक्टूबर, 2011 के द्वारा साझीदार-1—श्री संजीव कुमार जैन उर्फ संजय जैन, 2—आर्णव जैन, 3—संजीव जैन, 4—लोकेश कुमार वशिष्ठ, 5—प्रशान्त जैन, 6—श्रीमती अनीता जैन, 7—श्रीमती पूनम जैन द्वारा फर्म मेसर्स वर्धमान एसोसिएट, पता-जुनेजा मार्किट, कबाड़ी बाजार, मेरठ का पंजीयन उपनिबन्धक, फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, मेरठ द्वारा पंजी० संख्या 1062, दिनांक

15 मार्च, 2013 में किया गया है। फर्म के साझीदार नं0-4 लोकेश कुमार के मृत्युपरान्त साझेदारी पत्र दिनांक 25 जून, 2019 में उनकी धर्मपत्नी पूनम वशिष्ठ को साझीदार व केवल फर्म में लाभ में हिस्सेदारी हेतु अव्यस्क पुत्री अदिति को सम्मिलित किया गया है। साझीदारों के पते वर्तमान पतों पर किये गये हैं।

संजीव कुमार जैन उर्फ संजय जैन,  
साझीदार।

### सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स रूपानी इण्डस्ट्रीज, 45 गवर्नमेंट इण्डस्ट्रियल स्टेट, कालपी रोड, कानपुर के विधान में भागीदारी डीड दिनांक 01 फरवरी, 2021 से फर्म की साझीदारी में श्री लव रूपानी एवं श्री कुश रूपानी को शामिल किया गया है तथा साझीदार श्री घनश्याम दास रूपानी उपरोक्त तिथि से भागीदारी से स्वेच्छा से पृथक हो गये हैं। वर्तमान में फर्म में निम्न साझीदार हैं—श्री बलराज रूपानी, श्री लव रूपानी, श्री कुश रूपानी।

पार्टनर,  
बलराज रूपानी।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है मेसर्स ए0वी0 कन्सट्रक्सन्स, बी-119, प्रथम तल, मेरठ मॉल, मेरठ-250001 की साझेदारी में श्री अमित कुमार मित्तल, श्री अमित गुप्ता, श्री ईश्वर दास गुप्ता, श्रीमती इन्दिरा मित्तल, श्रीमती अन्जू शर्मा एवं श्री सत्य देव शर्मा साझीदार थे। दिनांक 01 नवम्बर, 2020 को श्रीमती कामिनी शर्मा फर्म की साझीदारी में सम्मिलित हुई हैं एवं दिनांक 01 नवम्बर, 2020 को श्री ईश्वर दास गुप्ता, श्रीमती अन्जू शर्मा एवं श्री सत्य देव शर्मा फर्म की साझीदारी से अपना हिसाब-किताब ले-देकर अलग हो गये हैं। वर्तमान में श्री अमित कुमार मित्तल, श्री अमित गुप्ता, श्रीमती इन्दिरा मित्तल एवं श्रीमती कामिनी शर्मा साझीदार हैं। यह घोषणा करता हूँ कि एतद्द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

अमित कुमार मित्तल,  
साझीदार,  
मेसर्स ए0 वी0 कन्सट्रक्सन्स,  
बी-119, प्रथम तल, मेरठ मॉल, मेरठ-250001।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेसर्स शारदा उद्योग, सी-196, बी0एस0 रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया, गाजियाबाद-201009 की साझीदारी में श्री जगदीश चन्द साधना, श्री राजेश साधना एवं श्री रूपेश साधना साझीदार थे। दिनांक 31 मार्च, 2020 को श्री सक्षम साधना फर्म की साझीदारी में सम्मिलित हुये हैं। श्री राजेश साधना फर्म की साझीदारी से अपना हिसाब-किताब ले-देकर अलग हो गये हैं। वर्तमान में श्री जगदीश चन्द साधना, श्री रूपेश साधना एवं श्री सक्षम साधना साझीदार हैं। यह घोषणा करता हूँ कि एतद्द्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

जगदीश चन्द साधना,  
साझीदार,  
मेसर्स शारदा उद्योग,  
सी-196, बी0एस0 रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया,  
गाजियाबाद-201009।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स काम्पिटेंट बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स साझेदारी फर्म ग्राम-नरियावल, डाक-पी0ए0सी0 बिछिया, चोटी मन्दिर के पीछे, बरेली, उ0प्र0, पंजीयन संख्या बी-13751 में साझेदारों को सर्वसम्मति से दिनांक 01 जुलाई, 2020 से श्री सतीश चन्द्र मंगला पुत्र श्री मेहर चन्द्र मंगला, श्री राजकुमार खण्डेलवाल पुत्र श्री जगदीश शरण खण्डेलवाल एवं श्री भोला नाथ अग्रवाल पुत्र श्री हर गोविन्द अग्रवाल को साझेदार बनाया गया है। वर्तमान में कुल बारह साझेदार क्रमशः काम्पिटेंट इन्फ्राहाइट्स प्रा0लि0, काम्पिटेंट स्टार कन्सट्रक्शन प्रा0लि0, काम्पिटेंट इन्फ्रासिटी प्रा0लि0, एलाइड इन्फ्राटावर्स प्रा0लि0, काम्पिटेंट साई इन्फ्रावेन्चर प्रा0लि0, श्री विपिन कुमार, श्रीमती प्रिंसी अग्रवाल, श्री परेश कुमार अग्रवाल, श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री सतीश मंगला, श्री राजकुमार खण्डेलवाल एवं श्री भोला नाथ अग्रवाल हैं।

विपिन कुमार,  
साझेदार,  
मेसर्स काम्पिटेंट बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स,  
ग्राम-नरियावल, डाक-पी0ए0सी0 बिछिया, चोटी,  
मन्दिर के पीछे, बरेली, यू0पी0।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित करना है मेसर्स ओम श्री श्याम एण्ड सन्स, झाझर, जिला-बुलन्दशहर-203203 की साझीदारी में श्रीमती रेखा रानी एवं श्री पुरुषोत्तम गर्ग साझीदार थे। दिनांक 14 जनवरी, 2021 को श्रीमती रेखा रानी जी अपना हिसाब-किताब ले-देकर अलग हो गयी हैं। फर्म अब वर्तमान में श्री पुरुषोत्तम गर्ग की प्रोपराईटरशिप में संचालित होगी। यह घोषणा करता हूँ कि एतद्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गयी हैं।

पुरुषोत्तम गर्ग,  
प्रोपराईटर,  
मेसर्स ओम श्री श्याम एण्ड सन्स,  
झाझर, जिला-बुलन्दशहर-203203।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मे0 हर्षित इन्टरप्राइजेज, बी-22 इन्दिरा भवन, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद में साझेदार शिव शरण सिंह पुत्र श्री राम राज सिंह, निवासी 156, बेंदा, थाना तिंदवारी, बांदा, दिनांक 15 जनवरी, 2021 को फर्म से रिटायर हो चुके हैं तथा फर्म का पता परिवर्तन हुआ है। फर्म का पुराना पता-बी-22 इन्दिरा भवन, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद तथा नया पता-162/140, शाहगंज, प्रयागराज हो गया है।

मान सिंह,  
साझेदार,  
मे0 हर्षित इन्टरप्राइजेज,  
पुराना पता-बी-22 इन्दिरा भवन,  
सिविल लाइन्स, इलाहाबाद,  
नया पता-162/140, शाहगंज, प्रयागराज।

**सूचना**

सूचित किया जाता है कि मेसर्स दिवाकर एसोसियेट, मालीपुर बदलापुर पड़ाव, सदर, जौनपुर एक पार्टनरशिप है जिसमें पूर्व में दो पार्टनर थे, दिवाकर सिंह पुत्र राज बहादुर सिंह व पुष्पराज सिंह पुत्र दिवाकर इन दोनों का पता-मालीपुर बदलापुर पड़ाव, जौनपुर है। दिनांक 10 नवम्बर, 2020 को फर्म से पुष्पराज सिंह पुत्र दिवाकर सिंह हट गये हैं एवं विक्रांत सिंह पुत्र जय प्रकाश सिंह, निवासी-तारापुर कालोनी एवं नमन सोलंकी पुत्र नीरज सोलंकी, पता-हुसैनाबाद, जौनपुर का नाम जोड़ा गया है। अब फर्म में कुल तीन पार्टनर हैं, दिवाकर सिंह, विक्रांत सिंह व नमन सिंह। अब इन्ही को फर्म का संचालक माना जाय।

दिवाकर सिंह,  
बदलापुर पड़ाव, जौनपुर।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेसर्स माँ श्री पीताम्बरा सारीज, 46, जवाहर चौक, झाँसी, उ0प्र0 वर्तमान में पंजीकृत फर्म जिसके साझेदारों का विवरण निम्न प्रकार है—

1-संजय गुप्ता, 2-राजीव गुप्ता, 3-श्रीमती विनीता त्रिपाठी।

जिसमें दिनांक 28 जनवरी, 2021 से श्रीमती विनीता त्रिपाठी अपनी स्वेच्छा से पृथक हो रही।

एतद्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

संजय गुप्ता,  
साझेदार, मेसर्स माँ श्री पीताम्बरा सारीज,  
46, जवाहर चौक, झाँसी, उ0प्र0-284002।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मे0 बांकलपुर किसान सेवा केन्द्र, बांकलपुर, जिला एटा में स्थित है उपरोक्त फर्म में साझेदार दिग्विजय सिंह पुत्र श्री संतोष कुमार, निवासी-8/200, इंजीनियर्स कालोनी, बाई पास रोड, आगरा एवं श्रीमती संजू लता पुत्री श्री गिरीश यादव, निवासी ग्राम सलामई, पो0 रेजौआ, जलेसर, एटा, दोनों साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक 20 अगस्त, 2017 को संचालन की थी जो आज दिनांक 23 जनवरी, 2021 को अपनी स्वेच्छा से फर्म को विघटित कर दिया है। फर्म पर किसी भी प्रकार की कोई लेनदारी या देनदारी बकाया नहीं है।

दिग्विजय सिंह,  
साझेदार,  
मे0 बांकलपुर किसान सेवा केन्द्र,  
बांकलपुर, जिला एटा।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मे0 सृजन कन्स्ट्रक्शन, ग्राम व पोस्ट सीकी कला, मेजा, प्रयागराज में साझेदार राजेश कुमार राय पुत्र श्री शिवशंकर राय, निवासी 161/41, काशीराज नगर, प्रयागराज, दिनांक 31 मार्च, 2016 को फर्म से रिटायर हो चुके हैं तथा श्रीमती प्रियंका सिंह पत्नी श्री करुणाकर सिंह, निवासी ग्राम व पोस्ट सीकी कला, मेजा प्रयागराज, दिनांक 01 अप्रैल, 2016 को फर्म में सम्मिलित हुई हैं।

करुणाकर सिंह,  
साझेदार,  
मे0 सृजन कन्स्ट्रक्शन,  
ग्राम व पोस्ट सीकी कला, मेजा, प्रयागराज।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मे० शुभकामना, गद्दोपुर, फाफामऊ, प्रयागराज, दिनांक 13 फरवरी, 2021 को विघटित कर दी गई है। फर्म में किसी भी प्रकार की किसी भी व्यक्ति की लेनदारी व देनदारी नहीं है। उक्त फर्म के साझेदारों को उक्त विघटन में कोई आपत्ति नहीं है।

रुद्रेश कुमार सिंह,  
पुत्र श्री अमर जीत सिंह,  
प्रथम साझीदार,  
मे० शुभकामना,  
गद्दोपुर, फाफामऊ, प्रयागराज।

**सूचना**

अनमोल एसोसिएट्स जिसका रजिस्टर्ड पता- 3/310, विश्वास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 है। अब उसका नवीनतम रजिस्टर्ड पता सी०यू०-002, टॉवर-7, पार्श्वनाथ प्लेनेट, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 हो गया है। भविष्य में सभी पत्राचार नवीनतम पते पर मान्य होगा।

नीलेश कुमार सिंह,  
पार्टनर,  
सी०यू०-002, टॉवर-7, पार्श्वनाथ प्लेनेट,  
विभूति खण्ड, गोमती नगर,  
लखनऊ-226010।